THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 5 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.4 2080 शनिवार, 25 मार्च 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

राहुल गांधी की संसद सदस्यता खत्म

दो साल की सजा के बाद लोकसभा स्पीकर का फैसला, वायनाड से सांसद थे

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद सदस्यता शुक्रवार को रद्द कर दी गई। वह केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य थे। लोकसभा सचिवालय से पत्र जारी कर इस बात की जानकारी दी गई है। मानहानि केस में सूरत की कोर्ट ने गुरुवार को उन्हें 2 साल की सजा सुनाई थी। राहुल गांधी ने 2019 में कर्नाटक की सभा में मोदी सरनेम को लेकर बयान दिया था। उन्होंने कहा था- सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है।

सुप्रीम कोर्ट ने 11 जुलाई 2013 को अपने फैसले में कहा था कि कोई भी सांसद या विधायक निचली अदालत में दोषी करार दिए जाने की तारीख से ही संसद या विधानसभा की सदस्यता के लिए अयोग्य घोषित हो जाएगा। कोर्ट ने लिली थॉमस बनाम भारत सरकार के केस में यह आदेश दिया था। इससे पहले कोर्ट का आखिरी फैसला आने तक विधायक या सांसद की सदस्यता खत्म नहीं करने का प्रावधान था। लीगल एक्सपर्ट के मुताबिक, लोकसभा सचिवालय ने राहुल गांधी की संसदीय सीट वायनाड को खाली घोषित कर दिया है। इलेक्शन कमीशन अब इस सीट पर इलेक्शन का ऐलान कर सकता है। दिल्ली में राहुल गांधी को सरकारी बंगला खाली करने को भी कहा जा सकता है। अगर राहुल गांधी की सजा का फैसला ऊंची अदालतें भी बरकरार रखती हैं तो वे अगले 8 साल तक चुनाव भी नहीं लड़ पाएंगे। 2 साल की सजा पूरी करने के बाद वह छह साल के लिए अयोग्य रहेंगे। राहुल गांधी अब सूरत कोर्ट के फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती दे सकते हैं। कांग्रेस ने एक्शन की वैधानिकता पर भी सवाल उठाया है कि राष्ट्रपति ही चुनाव आयोग के साथ विमर्श कर किसी सांसद को अयोग्य घोषित कर सकते हैं।

कांग्रेस क्या कर रही है

राहुल गांधी की टीम अब सूरत कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट में चैलेंज करने जा रही है। अगर सूरत कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील को वहां स्वीकार नहीं किया जाता है तो सीधे सुप्रीम कोर्ट में अपील की जाएगी।

सूरत कोर्ट के फैसले के खिलाफ राहुल गांधी को अपील दायर करने के लिए 30 दिनों का समय दिया गया था। 2019 लोकसभा चुनाव से पहले कर्नाटक के कोलार में एक रैली के दौरान राहुल गांधी ने कहा था, "चोरों का सरनेम मोदी है। सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है, चाहे वह ललित मोदी हो या नीरव मोदी हो चाहे नरेंद्र मोदी।'इसके बाद सूरत पश्चिम के बीजेपी विधायक पूर्णेश मोदी ने राहुल के खिलाफ मानहानि का केस किया था। उनका कहना था कि राहुल गांधी ने हमारे पूरे समाज को चोर कहा है और यह हमारे समाज की मानहानि है। इस केस की सुनवाई के दौरान राहुल गांधी तीन बार कोर्ट में पेश हुए थे। आखिरी बार अक्टूबर 2021 की पेशी के दौरान उन्होंने खुद को निर्दोष बताया था।

इसी मामले में राहुल गांधी को सूरत कोर्ट ने गुरुवार को दोषी करार दिया। कोर्ट ने उन्हें 2 साल की सजा और 15 हजार का जुर्माना भी लगाया। इसके कुछ देर बाद उसी कोर्ट ने उन्हें 30 दिन के लिए जमानत भी दे दी। मानहानि के मामले में 2 साल की जेल अधिकतम सजा है। यानी इससे ज्यादा इस मामले में सजा नहीं दी जा सकती है।

2013 में राहुल ने ही फाड़ा था अध्यादेश

2013 में जब सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया था कि सांसद/विधायक को 2 साल या उससे ज्यादा की सजा मिलने पर उसकी सदस्यता तत्काल प्रभाव से खत्म हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ मनमोहन सरकार एक अध्यादेश लाई थी, जिससे सुप्रीम कोर्ट का फैसला निष्प्रभावी हो जाए। 24 सितंबर 2013 को कांग्रेस सरकार अध्यादेश की खूबियां बताने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई थी। इसी प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने पहुंचकर कहा था- ये अध्यादेश बकवास है और इसे फाड़कर फेंक देना चाहिए। उन्होंने अध्यादेश की कॉपी को फाड़ दिया था। इसके बाद ये अध्यादेश वापस ले लिया गया था।

राहुल पर एक्शन के बाद कांग्रेस का कैंपेन-डरो मत

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द करने के फैसले से पहले कांग्रेस समेत 14 विपक्षी दलों ने पहले संसद और फिर दिल्ली की सड़कों पर प्रोटेस्ट किया। विपक्षी दलों ने विजय चौक तक मार्च निकाला। जो पोस्टर विपक्षी सांसदों ने लिए थे, उन पर लिखा था- लोकतंत्र खतरे में है। इस बीच, प्रियंका और सोनिया गांधी राहुल से मिलने उनके घर पहुंची।

सदस्यता रद्द करने के फैसले के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि लोकतंत्र की हिफाजत के लिए हमें जेल भी जाना पड़ा तो जाएंगे। दिल्ली में कांग्रेस दफ्तर पर भी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। उनकी पुलिस से झड़प भी हुई। कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। कर्नाटक में भी कांग्रेस चीफ डीके शिवकुमार को हिरासत में लिया गया है। जम्मू में भी प्रदर्शन हुए।

इधर, राहुल गांधी के समर्थन में पार्टी ने सोशल मीडिया पर 'डरो मत' कैंपेन शुरू कर दिया है। पार्टी के ट्विटर हैंडल पर भी इसे लगाया गया है। पार्टी के कार्यकर्ता इसे शेयर कर रहे हैं। इसके अलावा पार्टी के प्रदर्शनों में भी इस नारे को बैनर-पोस्टर पर प्रमुखता से इस्तेमाल किया जा रहा है।

पंजाब में सरहद पार से फिर आए हथियार

- 5 पिस्टल, 91 गोलियां और 10 मैगजीन रिकवर
- बीएसएफ की फायरिंग देख ड्रोन वापस लौटा

अमृतसर, 24 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब में खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के खिलाफ चलाए गए अभियान के बीच अब पाकिस्तान पार से एक बार फिर हथियारों की खेप भेजी गई है। मगर, जवानों की सतर्कता के चलते पाक में बैठे गैंगस्टरों व तस्करों की कोशिश नाकामयाब हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार यह खेप ड्रोन के माध्यम से भेजी गई। फिलहाल बीएसएफ के जवानों ने खेप को जब्त करके कार्रवाई शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार बीएसएफ ने इस खेप को गुरदासपुर सेक्टर के अंतर्गत आते डेरा बाबा नानक में पड़ती बीओपी मेतला के पास से जब्त किया है। दरअसल, रात बीएसएफ के जवान गश्त पर थे। तभी जवानों को ड्रोन की आवाज सुनाई दी। जवानों ने ड्रोन की आवाज की तरफ 54 राउंड फायरिंग की, लेकिन ड्रोन वापस जाने में कामयाब हो गया। गंभीरता को देखते हुए रात के समय ही सर्च अभियान चलाया गया। जिसके बाद सरहद के पास से जवानों को पीले रंग का पैकेट मिला।

सुरक्षा जांच के बाद जब पैकेट को खोला गया तो इसमें हथियारों की खेप मिली। पीले रंग के पैकेट के अंदर लकड़ी का बक्सा बनाया गया था, ताकि ड्रोन से फेंके जाने पर हथियारों को नुकसान ना हो। पैकेट में से 5 पिस्टल और 10 मैगजीन और 91 राउंड जब्त किए गए।

पीएम ने मुझे शूर्पणखा कहा था मानहानि का केस करूंगी

राहुल की सजा पर भड़कीं रेणुका चौधरी; कहा-देखेंगे अदालतें कितना तेज एक्शन लेंगी

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री रेणुका चौधरी ने पीएम मोदी के खिलाफ मानहानि का केस करने की बात कही है। रेणुका ने एक ट्वीट में लिखा- 'इस क्लासलेस अहंकारी ने मुझे राज्यसभा में शूर्पणखा कहा था। मैं उसके खिलाफ मानहानि का केस करूंगी। अब देखेंगे कि अदालतें कितनी तेजी से एक्शन लेंगी।'

रेणुका का यह बयान तब आया है, जब 2019 के मोदी सरनेम से जुड़े मानहानि केस में सूरत की कोर्ट ने राहुल गांधी को 2 साल की सजा और जुर्माना लगाया है। रेणुका ने अपने ट्वीट में वीडियो क्लिप भी शेयर की है। जबकि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 105 के तहत सांसदों को सदन में बोलने पर कुछ विशेषाधिकार दिए गए हैं। इसके मुताबिक सांसद को सदन में भाषण, किसी बयान या किए गए काम के लिए कानूनी कार्रवाई से छूट दी गई है। उदाहरण के लिए सदन में दिए गए बयान के लिए मानहानि का मुकदमा दायर नहीं किया जा सकता है। यानी अगर रेणुका चौधरी चाहें तो भी पीएम मोदी के खिलाफ मानहानि का केस नहीं कर सकतीं।

प्रतिबंधित संगठन का सदस्य होना भी अपराध

सुप्रीम कोर्ट ने यूएपीए कानून पर पलटा 2011 का फैसला कहा-सरकार को सुने बिना दिया फैसला गलत

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) कानून के तहत प्रतिबंधित संगठनों की सदस्यता पर अपने ही 12 साल पुराने फैसले को गलत करार दिया। कोर्ट केंद्र और असम सरकार की रिव्यू पिटीशन पर फैसला सुना रहा था। जस्टिस एमआर शाह, सीटी रविकुमार और संजय करोल की बेंच ने 2011 में दिए फैसले को खारिज कर दिया।

बेंच ने कहा कि यदि कोई प्रतिबंधित संगठन का सदस्य है तो उसे अपराधी मानते हुए यूएपीए (अनलॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट) के तहत कार्रवाई की जा सकती है। यानी उसके खिलाफ भी मुकदमा चलेगा। कोर्ट ने 8 फरवरी को रिव्यू पिटीशन पर सुनवाई शुरू की थी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, सीनियर एडवोकेट संजय पारिख को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस मार्कंडेय काटजू और जस्टिस ज्ञान सुधा की बेंच ने 2011 में अरूप भुइयां v/s असम सरकार, इंद्र दास बनाम असम सरकार और केरल सरकार बनाम रानीफ केस का फैसला सुनाया था। बेंच ने कहा था कि केवल प्रतिबंधित संगठन का सदस्य होने से कुछ नहीं होगा। एक व्यक्ति तब तक अपराधी नहीं जब तक कि वह हिंसा का सहारा नहीं लेता है या लोगों को हिंसा के लिए उकसाता नहीं है, या हिंसा के लिए उकसाकर सार्वजनिक अव्यवस्था पैदा करने की कोशिश करता है।

जस्टिस दीपक मिश्रा और जस्टिस एएम सप्रे की बेंच ने 2014 में इस मामले को बड़ी बेंच के पास भेज दिया था। तब केंद्र सरकार ने अपील दायर करते हुए कहा था कि सरकार का पक्ष सुने बिना केंद्रीय कानूनों की व्याख्या की गई।

तीनों केस में आरोपी बरी कर दिए गए थे

उल्फा का सदस्य होने के आरोपी अरूप भुईयां ने टाडा के तहत दायर जमानत अर्जी पर फैसला दिया था। 3 फरवरी 2011 को एससी ने अरूप भुइयां को बरी कर दिया था। जिसे टाडा अदालत ने उसके इकबालिया बयान के आधार पर दोषी ठहराया था। इससे पहले केरल सरकार v/s रानीफ (2011) केस में यूएपीए के तहत जमानत अर्जी पर फैसला करते हुए उसी बेंच ने यही विचार रखा था। इन्द्र दास के मामले में भी इसी बेंच ने यही विचार रखे थे।

काशी में पीएम मोदी ने किया रोप-वे का शिलान्यास

देश का पहला अर्बन ट्रांसपोर्ट होगा, कहा-8 साल पहले लोग कहते थे कि बनारस में बदलाव नहीं हो पाएगा

वाराणसी, 24 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को वाराणसी में हैं। संपूर्णानंद विश्वविद्यालय में उन्होंने देश के पहले रोप-वे डिजाइन देखी। इसका शिलान्यास किया। पीएम ने 1800 करोड़ के 28 से ज्यादा प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास-लोकार्पण किया। इसमें सिगरा का अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम का शिलान्यास भी है। पीएम ने यहां जनसभा को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा,"बनारस के जाम से डरने वालों के लिए रोप-वे अच्छी चीज है। रोप-वे बनने के बाद बनारस कैंट रेलवे स्टेशन और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के बीच की दूरी बस कुछ मिनट की रह जाएगी। कैंट से गोदौलिया के बीच जाम की भी समस्या काफी कम हो जाएगी। लोग बनारस घूमना चाहते हैं, मगर सोचते हैं कि इतना जाम में हम क्या घूमे। रोप-वे बन जाने से उनका बनारस घूमना सहज हो जाएगा।"

बनारस के लौंगलता से लेकर कचौड़ी तक की चर्चा

पीएम ने कहा, "एक साल के भीतर 7 करोड़ से ज्यादा पर्यटक काशी आए। ये लोग बनारस में ही ठहरे। यहां की गली में पुरी, कचौड़ी, लौंगलता, लस्सी, ठंडई, बनारसी पान का आनंद लिया।" पीएम ने कहा कि जब काशी के लोगों ने 9 साल पहले विकास का संकल्प लिया था। कई लोगों को लगता था कि बनारस में कोई बदलाव नहीं हो पाएगा। लेकिन काशी के लोगों ने करके दिखा दिया। देश के लोग विश्वनाथ धाम के विकास से मंत्रमुग्ध हैं। सबसे लंबे रीवर क्रूज की चर्चा हुई।

आप भले ही सरकार बोलिए, मैं तो सेवक हूं

पीएम ने कहा, पूर्वांचल में पीने के पानी की समस्या बड़ी है। 9 साल में 8 करोड़ घरों में नल से पानी पहुंच रहा है। उज्जवला योजना का भी लोगों को फायदा मिला है। आप लोगों भले ही सरकार बोले। प्रधानमंत्री बोले, लेकिन मैं तो आपका सेवक ही मानता हूं। सेवा ही कर रहा हूं। उन्होंने कहा,"हर महीने 50 लाख लोग वाराणसी आ रहे हैं। एयर कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए काम हुआ। बाबतपुर एयरपोर्ट पर एटीसी टावर बनाया जा रहा है। गंगा के दोनों तरफ 5 किमी के दायरे में प्राकृतिक खेती कराने का प्लान है। इस दिशा में काम किया जा रहा है। आज वाराणसी का लंगड़ा आम समेत छोटे शहर की सब्जियां विदेशों में एक्सपोर्ट होने लगी है। इससे किसानों को मदद मिलती है।

योगी ने कहा-राहुल ने पिछड़ी जाति के व्यक्ति का अपमान किया

कार्यक्रम को सीएम योगी ने भी संबोधित किया। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधा। राहुल गांधी के बयान 'देश के सारे मोदी चोर है' पर कोर्ट की कार्यवाही को सराहा। कहा कि कांग्रेस को भारत का विकास अच्छा नहीं लग रहा है। भारत को बदनाम करके विकास में रोड़ा बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद को कहा गया कि अपने वक्तव्य के लिए माफी मांगिए तो उन्होंने कहा मैं माफी नहीं मागूंगा। एक पिछड़ी जाति के व्यक्ति के बारे में ऐसा बोलकर उन्होंने भारत का अपमान किया है। न्यायालय ने उनके कृत्यों के लिए सजा सुनाई। ये लोग देश को बांटने का काम कर रहे हैं। जाति के नाम पर अलग-अलग खेमों में बांटने का काम किया है।

इससे पहले पीएम मोदी रुद्राक्ष कन्वेंशन में टीबी दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां पीएम ने कहा,"टीबी बीमारी के खिलाफ हमारे संकल्प को काशी एक नई ऊर्जा देगी। मोदी ने टीबी को हराने के लिए 5T- ट्रेस, टेस्ट, ट्रैक, ट्रीट एंड टेक्नोलॉजी का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि भारत की वसुधैव कुटुंबकम की भावना है। इसलिए भारत ने जी-20 थीम का नाम वन वर्ल्ड, वन फैमिली, वन फ्यूचर रखा है। इससे पहले, पीएम ने वहां संबोधन की शुरुआत हर-हर महादेव से की। इस कार्यक्रम में 40 देशों के प्रतिनिधि पहुंचे हैं। पीएम ने इस दौरान गांधी जी से जुड़ी एक कहानी भी सुनाई।

कहा, एक बार गांधीजी को लेप्रेसी के अस्पताल का उद्घाटन करने के लिए बुलाया गया। उन्होंने कहा कि जब आप लोग इस अस्पताल को बंद कराने के लिए बुलाएंगे तो मुझे खुशी होगी। 2001 में जब गुजरात के लोगों ने मुझे सेवा का अवसर दिया तो मुझे लगा कि गांधीजी का एक काम अधूरा है। तब लेप्रेसी के खिलाफ हमने अभियान चलाया।

अमृतपाल की अलग देश बनाने की पूरी तैयारी थी

नक्शा-झंडा-करेंसी और फौज के साथ क्लोज प्रोटेक्शन टीम भी बना ली थी

अमृतसर, 24 मार्च (एजेंसियां)। वारिस पंजाब दे के चीफ खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के बारे में पुलिस ने नए दावे किए हैं। उसका कहना है कि अमृतपाल ने अलग देश खालिस्तान बनाने की पूरी तैयार कर ली थी। उसके पास से खालिस्तान की करेंसी, झंडा और नक्शा मिला है।

खन्ना पुलिस की एसएसपी अमनीत कौंडल ने शुक्रवार को बताया कि अमृतपाल सिंह के गनर तजिंदर सिंह उर्फ गोरखा बाबा ने ये सारे खुलासे किए हैं। इससे जुड़े सामानों की बरामदगी भी हुई है। कौंडल का कहना है कि इन लोगों ने खालिस्तान का नया झंडा और अलग करेंसी बना ली थी। उन्होंने सिख रियासतों के झंडे तक बना लिए थे। प्राइवेट आर्मी आनंदपुर खालसा फौज के अलावा एक क्लोज प्रोटेक्शन टीम भी बनाई थी। इसके अलावा आनंदपुर खालसा फौज के हर व्यक्ति को स्पेशल नंबर अलॉट किया गया था।

खालिस्तान बनाने के लिए अमृतपाल सिंह ने हथियारबंद संघर्ष शुरू करने की तैयारी थी। 2 वॉट्सऐप ग्रुप बनाए गए थे। आनंदपुर खालसा फौज वाले ग्रुप में नए लड़कों को जोड़कर उकसाया जाता था। दूसरा ग्रुप अमृतपाल टाइगर फोर्स के नाम से था, जिसमें सिर्फ अमृतपाल के करीबी ही मेंबर थे। पुलिस का कहना है कि अमृतपाल के गनर के मोबाइल से फायरिंग रेंज का एक वीडियो मिला है। इसमें पूर्व फौजी हथियार चलाने की ट्रेनिंग दे रहे हैं। यह फायरिंग रेंज अमृतपाल के गांव जल्लूपुर खेड़ा में बनाई गई थी।

पुलिस ने इसका वीडियो जारी किया है। इसमें दिख रहा है कि अमृतपाल के साथ रहने वाले फायरिंग की प्रैक्टिस कर रहे हैं। इस बीच अमृतपाल आनंदपुर खालसा फौज का निशान (लोगो) भी सामने आया है। पंजाब पुलिस को अमृतपाल का पासपोर्ट घर से गायब मिला है। पुलिस ने परिवार से इसकी मांग की, लेकिन उन्होंने पासपोर्ट होने से इनकार कर दिया। इसे देखते हुए पुलिस ने एयरपोर्ट और लैंड पोर्ट पर उसका लुकआउट सर्कुलर का रिमाइंडर भेज दिया है।

सिसोदिया की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा जांच की जा रही आबकारी नीति मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर अदालत ने शुक्रवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। राउज एवेन्यू कोर्ट के जज एम.के.नागपाल ने आदेश सुनाने की तिथि 31 मार्च निर्धारित की है। अदालत ने सोमवार को आप नेता को तीन अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। 21 मार्च को, न्यायाधीश नागपाल ने जांच एजेंसी से लिखित सबमिशन और प्रासंगिक निर्णय दर्ज करने के लिए कहा था। सुनवाई के दौरान, सिसोदिया के एक वकील ने कहा था कि सीबीआई द्वारा कुछ भी असाधारण नहीं कहा गया है, जो निरंतर हिरासत की आवश्यकता होगी।

बहू को घर के काम के लिए कहना क्रूरता नहीं

आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट बोला-काम की तारीफ या ताकीद करना हर घर में आम है

अमरावती, 24 मार्च (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने दहेज के केस में फैसला सुनाते हुए कहा कि एक सास अगर अपनी बहू को घरेलू काम में निपुण होने के लिए कहती है, तो आईपीसी की धारा 498A के तहत इसे क्रूरता नहीं कहा जाएगा। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट एक मां और उसके बेटे की अपील पर सुनवाई कर रही थी। इन दोनों को बहू की दहेज हत्या में दोषी ठहराया गया था। अप्रैल 2008 में शादी के 8 महीने के अंदर ही महिला की मौत हो गई थी। लड़की के माता-पिता ने आरोप लगाया था कि उनकी बेटी के साथ क्रूरता की गई। साथ ही बेटी की शादी की तुलना परिवार के अन्य बेटों के शादी समारोह से की थी। जस्टिस डॉ. वीआरके कृपा सागर ने कहा, 'यदि वाकई मृतक महिला को परेशानी थी, तो ऐसा कोई बंधन नहीं था कि वह इसे किसी को न बताए। न उसे कभी जबरन घर भेजा गया, न वह भागकर अपने मायके गई। इससे साबित होता है कि उसका जीवन सामान्य था। महिला के मां-बाप के पास भी ऐसा कोई कारण नहीं था कि वे अपनी बेटी के घर जाकर उसकी जांच करें। अलमुरी ललिता देवी बनाम आंध्रप्रदेश केस में कोर्ट ने कहा कि जब सबूत क्रूरता के संकेत नहीं देते हैं, तब तक ये निष्कर्ष नहीं निकल सकता है कि मौत क्रूरता के कारण हुई। शिकायकर्ता आरोपियों के आचरण को दहेज हत्या के मापदंडों के भीतर लाने में अभियोजन पक्ष की विफल रहे। इसलिए आरोपियों के खिलाफ दोषसिद्धि को बरकरार नहीं रखा जा सकता है।

कोरोना काल में रिहा हुए अपराधियों को

सरेंडर करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। कोरोना महामारी के दौरान रिहा किए गए सभी दोषियों और विचाराधीन कैदियों को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने 15 दिनों में इन कैदियों को आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस सीटी रविकुमार की पीठ ने कहा कि विचाराधीन कैदी और सभी दोषी जिन्हें महामारी के दौरान आपातकालीन जमानत पर रिहा किया गया था। पीठ ने यह भी कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान समर्पण के बाद रिहा किए गए सभी दोषी अपनी सजा को निलंबित (ससपेंशन) करने के लिए सक्षम अदालतों में जा सकते हैं। गौरतलब है कि देश में कोविड महामारी के समय जब अपनी चरम स्थिति पर था, तो जेल में कैद कई दोषियों और विचाराधीन कैदियों, जिनमें ज्यादातर गैर-जघन्य अपराधों के लिए बुक किए गए थे।

अमित शाह की येदियुरप्पा से मुलाकात के सियासी मायने

बेंगलुरू, 24 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज शुक्रवार को कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा से मुलाकात की। इस मुलाकात ने एक बार फिर ये संकेत दिया है कि कर्नाटक की राजनीति में येदियुरप्पा को नजरअंदाज करना बीजेपी के लिए आत्मघाती हो सकता है। अमित शाह सुबह 9:30 बजे बीजेपी के कद्दावर नेता येदियुरप्पा के आधिकारिक आवास कावेरी पहुंचे। उनके साथ मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई भी थे। शाह ने लगभग आधे घंटे का वक्त बिताया और येदियुरप्पा सहित तमाम लीडर्स के साथ बैठकर ब्रेकफास्ट किया। बैठक में इस बात पर फोकस था कि कर्नाटक में त्रिशंकु विधानसभा नहीं होनी चाहिए। बीजेपी की बहुमत की सरकार बने, इस दिशा में काम होना चाहिए। 2008 और 2018 के चुनावों में बीजेपी नंबर-1 पार्टी तो रही, लेकिन 113 सीटों के बहुमत के आंकड़े को नहीं छू पाई। इसी वजह से दोनों ही बार विपक्ष के विधायकों को तोड़कर बीजेपी कर्नाटक में अपनी सत्ता स्थापित कर पाई।

येदियुरप्पा के बेटे से गर्म जोशी से मिले अमित शाह

आज की मीटिंग की एक और खास बात रही कि बीएस येदियुरप्पा के बेटे बीवाई विजयेंद्रा से भी अमित शाह गर्म जोशी से मिले, जब गेट पर येदियुरप्पा उनके स्वागत में गुलदस्ता लेकर पहुंचे, तो अमित शाह ने येदियुरप्पा से पहले विजयेंद्रा से गुलदस्ता लिया। कर्नाटक में येदियुरप्पा बीजेपी के सबसे कद्दावर नेता हैं, उम्र हो जाने की वजह से येदियुरप्पा ने इस बार चुनावों में हिस्सा नहीं लेने का फैसला करते हुए अपने बेटे विजयेंद्रा के लिए टिकट मांगा है। विजयेंद्रा अपने पिता के विधानसभा क्षेत्र शिकारीपुरा में काफी सक्रिय होकर काम कर रहे हैं, लेकिन उन्हें टिकट देने को लेकर पार्टी में अभी भी असमंजस है।

बीजेपी को लिंगायत वोट बैंक का समर्थन

असमंजस की वजह ये है कि येदियुरप्पा जिस लिंगायत समुदाय से आते हैं उस समुदाय का समर्थन विजयेंद्रा को भी हासिल है। लिंगायत समुदाय के एक मुश्त समर्थन की वजह से ही बीजेपी कर्नाटक को दक्षिण का द्वार बना पाई है। ऐसे में पार्टी के दूसरे नेताओं को लगता है कि अगर येदियुरप्पा की जगह विजयेंद्रा ने ले ली, तो पार्टी में वे कभी आगे नहीं बढ़ पाएंगे। हालांकि, पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को इस बात का एहसास है कि कम से कम इन चुनावों में येदियुरप्पा को नजरअंदाज करना लिंगायत वोट बैंक से हाथ धो बैठने जैसा होगा।

येदियुरप्पा चुनाव नहीं लड़ने जा रहे हैं

कर्नाटक में 17 फीसदी लिंगायत आबादी है और 224 में से तकरीबन 100 सीटों पर जीत-हार का फैसला ये समुदाय करता है। लिंगायत समुदाय येदियुरप्पा की वजह से अब तक एकजुट होकर बीजेपी के साथ खड़ा रहा है। अब चूंकि येदियुरप्पा चुनाव नहीं लड़ने जा रहे हैं, ऐसे में बीजेपी को इस बात का डर सता रहा है कि कहीं लिंगायत वोट पार्टी से दूर ना चला जाए। हालांकि, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई भी लिंगायत ही हैं, लेकिन वो जन नेता नहीं हैं और जमीन पर ये साफ दिखाई दे रहा है कि येदियुरप्पा के बाद लिंगायत समुदाय का झुकाव उनके बेटे विजयेंद्रा की ओर ज्यादा है। येदियुरप्पा को नजरअंदाज करने और विजयेंद्रा को टिकट नहीं दिए जाने की अटकलों ने इस समाज को अहसज कर दिया है। यही वजह है कि बीजेपी के चुनाव रणनीतिकार अमित शाह खुद ही इस नुकसान की भरपाई में लगे हुए हैं।

गोधरा ट्रेन अग्निकांड मामले के दोषियों की जमानत पर सुनवाई 10 अप्रैल के लिए टली

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। साल 2002 के गोधरा ट्रेन आगजनी मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कई दोषियों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में 10 अप्रैल तक के लिए टल गई है. हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने एक आरोपी की पत्नी को कैंसर की वजह से उसकी अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ा दी. सुप्रीम कोर्ट 2002 के गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन में आग लगाकर 59 लोगों को जिंदा जलाए जाने के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे अब्दुल रहमान धंतिया, अब्दुल सत्तार इब्राहिम गद्दी समेत कुल 27 दोषियों की तरफ से दाखिल जमानत याचिका पर सुनवाई कर रहा है. सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा हम सुनवाई के लिए सोमवार या बुधवार को लिस्ट करते हैं. एसजी तुषार मेहता ने कहा अगर इसको छुट्टियों के बाद लगाया जाए तो ठीक रहेगा.गुजरात सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया था कि यह केवल पथराव का मामला नहीं था. दोषियों ने साबरमती एक्सप्रेस की एक बोगी को बंद कर दिया था, जिससे ट्रेन में सवार 59 यात्रियों की मौत हो गई थी और सैकडों लोग घायल हुए थे. सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया था कि कुछ लोग कह रहे हैं कि उनकी भूमिका सिर्फ पथराव थी. लेकिन जब आप किसी बोगी को बाहर से बंद करते हैं, उसमें आग लगाते हैं और फिर पथराव करते हैं, तो यह सिर्फ पथराव का मामला नहीं है.

'दिल्ली में बिजली सब्सिडी रोकने की हो रही कोशिश'

मंत्री आतिशी ने लगाया एलजी और सीएस पर ये आरोप

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने हाल ही में मुख्य सचिव नरेश कुमार से कहा था कि वह बिजली विभाग को डीईआरसी का परामर्श मंत्रिपरिषद के समक्ष रखने के निर्देश दें और इस पर 15 दिन के भीतर निर्णय लिया जाए. इस पर दिल्ली की बिजली मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को विधानसाभा में बजट सत्र के दौरान बड़ा बयान दिया है. साथ ही उन्होंने मुख्य सचिव पर आरोप भी लगाया है. आतिशी ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि मुख्य सचिव और अधिकारियों की ओर से षड्यंत्र रचा जा रहा है. बिजली कंपनियों से सांठगांठ करके सब्सिडी रोकने की कोशिश हो रही है और इसे उपराज्यपाल शह दे रहे हैं. बिजली मंत्री ने आगे कहा, ₹एलजी ने इससे जुड़ी एक फाइल मीडिया को दे दी, लेकिन वह पावर मिनिस्टर को नहीं मिली है. मुख्य सचिव के पास है, लेकिन मुझे नहीं मिली. 10 मार्च को वो फाइल मुख्य सचिव को भेजी गई थी और कहा गया था कि पंद्रह दिन में उसे कैबिनेट में रखना है, लेकिन अब तक हमें फाइल नहीं मिली. मैंने किसी तरह से उसकी फोटो कॉपी का प्रबंध किया. यह बड़ा षड्यंत्र है, दिल्ली वालों को फ्री बिजली से वंचित रखने का.

आतिशी ने बीजेपी पर बोला हमला

इसके अलावा आतिशी ने विधानसभा में बीजेपी पर जमकर हमला बोला. उन्होंने कहा कि बीजेपी के पास ऐसी मशीन है, जिसमें भ्रष्ट नेता बीजेपी में शामिल होते ही उनके दाग धुल जाते हैं. बीजेपी का एक फॉर्मूला है, वो है वाशिंग मशीन फॉर्मूल. विपक्षी दलों पर ईडी और सीबीआई छोड़ देती है. नेताओं को पार्टी में ज्वाइनिंग करवाते हैं. हिमंत बिस्वा सरमा और शुभेंदु अधिकारी ये लोग जैसे ही बीजेपी में शामिल हुए, सारे केस धुल गए.

मनीष सिसोदिया को लेकर आतिशी ने कही ये बात

उन्होंने कहा, शुक्रवार को 14 विपक्षी दल एजेंसियों के इस दुरुपयोग को लेकर सुप्रीम कोर्ट गई है. आज पूरा देश देख रहा है कि विपक्ष के खिलाफ एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है. एक तरफ मनीष सिसोदिया हैं, जिनके यहां कुछ नहीं मिला, फिर भी जमानत नहीं मिली. दूसरी तरफ कर्नाटक के विधायक के यहां 8 करोड़ मिला, लेकिन जमानत मिल गई.

महाराष्ट्र में तीन व्यापारियों के साथ लूटपाट, 20 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

ठाणे, 24 मार्च (एजेंसियां)। उत्तरी महाराष्ट्र के धुले जिले में तीन कबाड़ व्यापारियों पर हमला करने और उनसे पांच लाख रुपये से ज्यादा का सामान लूटने के आरोप में नवी मुंबई पुलिस ने करीब 20 लोगों के खिलाफ डकैती का मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पनवेल थाने के एक अधिकारी ने बताया, 'शिकायतकर्ता फरहान खोट को सूचना मिली थी कि धुले जिले में पवन चक्कियों में तांबा की बिक्री होगी और वह इसे खरीदना चाहता था। दो अन्य व्यापारियों के साथ वह तांबा खरीदने के लिए धुले गया।' अधिकारी के मुताबिक, तांबा खरीदने के लिए फरहान ने जिस व्यक्ति से संपर्क किया था उससे मुलाकात के दौरान लगभग 20 लोगों का एक समूह वहां आया और उन लोगों के साथ मार-पीट करने लगा। अधिकारी ने बताया कि फरहान जिन दो लोगों के साथ बातचीत कर रहा था,

बीजेपी ने ममता बनर्जी पर लगाया हिंदू विरोधी काम करने का आरोप

टीएमसी बोली- हमारे लिए राम-रहीम एक समान

कोलकाता, 24 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाए हैं. मुख्यमंत्री के दो दिवसीय धरने को लेकर बीजेपी ने निशाना साधा है. बीजेपी ने ममता बनर्जी पर हिंदू विरोधी काम करने का आरोप लगाया है. बीजेपी ने कहा है कि रामनवमी के मौके पर जानबूझकर विरोध प्रदर्शन करके ममता बनर्जी हिंदू त्योहार और हिंदुओं का अपमान करती हैं. बीजेपी के आरोपों पर तृणमुल कांग्रेस ने पलटवार किया है. टीएमसी की ओर से जारी बयान में कहा गया, हमारे लिए राम और रहीम दोनों सामान हैं. बता दें कि दो दिन पहले ही ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार के खिलाफ दो दिवसीय धरना देने का एलान किया था. सीएम ममता 29 मार्च को कोलकाता में केंद्र सरकार के खिलाफ दो दिवसीय धरने पर बैठेंगी. पश्चिम बंगाल से भेदभाव का आरोप टीएमसी का आरोप है कि केंद्र सरकार का पश्चिम बंगाल के साथ व्यवहार पक्षपातपूर्ण है, सीएम ममता कथित पक्षपातपूर्ण रवैये को लेकर ही 29 और 30 मार्च को केंद्र की बीजेपी नीत एनडीए सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन करेंगी. मुख्यमंत्री ने दावा किया कि केंद्र ने मनरेगा परियोजना, आवास और सड़क विभागों की अन्य पहलों के लिए धन जारी नहीं किया है.

29 मार्च से कोलकाता में धरना प्रदर्शन

मुख्यमंत्री ममता ने कहा, मैं मुख्यमंत्री के रूप में बंगाल के प्रति केंद्र के भेदभाव के विरोध में 29 मार्च से कोलकाता में डॉक्टर बीआर अंबेडकर की प्रतिमा के नीचे धरना प्रदर्शन करूंगी और इसे 30 मार्च की शाम तक जारी रखूंगी. इससे हले, 21 मार्च को टीएमसी के सांसदों अडानी मामले को लेकर राजधानी दिल्ली में प्रदर्शन किया था. उन्होंने कारोबारी गौतम अडानी की गिरफ्तारी की भी मांग की थी.

नहीं थम रहे मासूमों को सलाखों से दागने के मामले फिर दो बच्चों को दागा

शहडोल, 24 मार्च (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के शहडोल संभाग में गर्म सलाखों से दागने के मामले कम नहीं हो रहे हैं। आये दिन नए मामले सामने आ रहे हैं, जिसमें मासूमों को गर्म सलाखों से दागा जा रहा है। फिर इलाज के नाम पर दो मासूमों को गर्म सलाखों से दागा गया है, जिसमें एक बच्चे की मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान मौत हो गई है तो दूसरा गंभीर अवस्था में भर्ती है। जिसका उपचार मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर्स कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार पांच महीने की काव्या को सांस लेने में तकलीफ के चलते इलाज के नाम पर गर्म सलाखों से दागा गया। हालात ज्यादा बिगड़ने पर परिजनों ने उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान मासूम बच्ची की मौत हो गई।

कोरोना ने फिर दी दस्तक

पांच महीने बाद राजधानी में संक्रमण ने फिर पकड़ी रफ्तार

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली में लंबे समय के बाद कोरोना के 117 नए मामले सामने आए हैं। हालांकि जांच बढ़ने से संक्रमण दर में गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली में कोविड के एक्टिव केस 346 है। इनमें से 17 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं जबकि 212 मरीज ओम आइसोलेशन में हैं। अस्पतालों में भर्ती मरीजों में से 11 मरीज आईसीयू में भर्ती हैं। इनमें से ज्यादातर दूसरे बीमारी के मरीज भी शामिल हैं। दिल्ली में बढ़ते कोरोना के मामलों को देखते हुए अब बुखार के सभी मामलों की स्क्रीनिंग भी की जाएगी। जांच बढ़ाने के साथ अस्पतालों को अलर्ट रहने का निर्देश दिल्ली में कोरोना के बढ़ते केस को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने जांच बढ़ाने के साथ अस्पतालों को अलर्ट मोड पर रहने का आदेश दिया है। दिल्ली में पिछले दो दिन (मंगलवार और बुधवार) से 80 से अधिक कोरोना के मामले सामने आ रहे हैं। संक्रमण दर भी 5 फीसदी रही। इसके अलावा मौसमी बीमारी के साथ इन्फ्लूएंजा के मामले भी बढ़ रहे हैं। हालांकि, डॉक्टरों का कहना है कि अभी समस्या गंभीर नहीं हैं, लेकिन सतर्क रहने की जरूरत है। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग में उपसचिव (कोविड) ने आदेश जारी कर कहा कि दिल्ली में कोरोना व एच3एन2 के मामले बढ़ सकते हैं। ऐसी किसी भी समस्या से निपटने के लिए अस्पताल व प्रशासन पूरी तरह से तैयार रहें। जरूरत के आधार पर दवाइयां व अन्य की व्यवस्था रखी जाए। साथ ही जांच का दायरा बढ़ाया जाए। साथ ही कोरोना नियमों का पालन करने को कहा गया है।

राजोरी के ढांगरी में पाकिस्तानी आतंकियों ने किया था हमला- डीजीपी दिलबाग सिंह

जम्मू, 24 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के डीजीपी दिलबाग सिंह ने कहा है कि राजोरी जिले के ढांगरी में साल के पहले व दूसरे दिन हुए आतंकी हमलों को पाकिस्तानी आतंकियों ने अंजाम दिया था सीमा पार से घुसपैठ में कमी आई है। कुछ घुसपैठ की घटनाएं राजोरी-पुंछ सेक्टर में हुई हैं। ऐसे ही एक ग्रुप ने ढांगरी में हमला किया है, जिसमें सात लोग मारे गए थे। कठुआ जिला स्पोर्टस स्टेडियम में आयोजित नार्थ जोन पुलिस मार्टियर्स टी 20 क्रिकेट प्रतियोगिता के 11वें संस्करण के फाइनल मुकाबले के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि घुसपैठ बढ़ी नहीं है। बहरहाल कोशिशें होती हैं। राजोरी पुंछ में कुछ ऐसे मामले हुए जहां कुछ लोगों ने घुसपैठ की ये वही थे जिन्होंने पाकिस्तान की मदद से ढांगरी की वारदात को अंजाम दिया और बेगुनाहों की जान ली। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि जम्मू कश्मीर पुलिस के समक्ष आतंक से भी बड़ी चुनौती नशा तस्करी और नशे की युवाओं में फैलाई जा रही लत है। हर जिले में बड़ी मुहिम चलाकर बहुत से तस्करी के मामलों को पकड़ा। कुछ केसों में ड्रग्स और हथियारों की तस्करी पाकिस्तान की ओर से आती है। ऐसे मामलों में सख्त कदम उठाए गए हैं। कुछ ऐसे भी मामले हैं जो एसआईए, एनआईए और कुछ एनसीबी के साथ जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बार्डर की ग्रिड को मजबूत करने के लिए कुछ और चौकियां खोली जा रही हैं। जल्द ही वो भी काम करना शुरू कर देंगी।

ढांगरी में साल के पहले दिन हुआ था हमला: राजोरी जिले के ढांगरी में

इस वर्ष एक जनवरी को आतंकियों की फायरिंग में दो भाइयों समेत पांच लोगों की मौत हो गई थी, जबकि दो जनवरी की सुबह आईईडी धमाके में दो बच्चों की जान चली गई थी। हमले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) कर रही है। इस मामले में अब तक एनआईए ने दो दर्जन लोगों के बयान दर्ज किए हैं। एनआईए के वरिष्ठ अधिकारी भी राजोरी का दौरा कर लगातार मामले की जांच में जुटे हैं।

वॉक के लिए जा रहे कपल को पकड़ा, बॉयफ्रेंड को पेड़ से बांधकर लड़की से गैंगरेप

पालघर, 24 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पालघर में अपने प्रेमी के साथ शाम की सैर पर निकली एक लड़की के साथ दो लोगों ने कथित तौर पर बलात्कार किया. पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी. कथित घटना बुधवार शाम को हुई जब 22 और 25 साल के दो आरोपियों ने पीड़िता के प्रेमी को एक पेड़ से बांध दिया और वारदात को अंजाम दिया. पुलिस ने बताया कि आरोपियों को एक दिन बाद ही गिरफ्तार कर लिया गया और एक स्थानीय मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया. यहां उन्हें 27 मार्च तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया. पुलिस ने मुंबई के दूर उपनगर विरार के साईनाथ नगर इलाके के निवासियों के खिलाफ गैंगरेप का मामला दर्ज किया है.

अमित शाह आज करेंगे मध्यप्रदेश में कमलनाथ के गृहक्षेत्र का दौरा

कई कार्यक्रमों में करेंगे शिरकत

छिंदवाड़ा, 24 मार्च (एजेंसियां)। गृह मंत्री अमित शाह मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव के बाद कल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के गृहक्षेत्र छिंदवाड़ा के प्रवास पर रहेंगे। पार्टी के नेताओं में से एक शाह के दौरे के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी की सभी तैयारियां अब अंतिम चरण में हैं। प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के पूर्व कांग्रेस के इस मजबूत क्षेत्र में शाह के दौरे को लेकर भाजपा कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही। शाह यहां जिला भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे और राज्य भाजपा इकाई द्वारा आयोजित एक मेगा रैली में भी भाग लेंगे। वे इस आदिवासीबहुल क्षेत्र में आदिवासी समाज के धर्मगुरुओं के आश्रम में उनके दर्शन करने के बाद वहीं भोजन भी करेंगे।

छिंदवाड़ा क्यों भाजपा के लिए जरुरी है जानें

पार्टी सूत्रों का कहना है कि देश में अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों के पूर्व भाजपा का अब पूरा ध्यान पिछले लोकसभा चुनाव में पार्टी के हाथ से फिसली सीटों की ओर है। इसी क्रम में वरिष्ठ नेता यहां पार्टी कार्यकर्ताओं के उत्साहवर्धन की जिम्मेदारी संभाले हैं। इस लिहाज से मध्यप्रदेश का छिंदवाड़ छिंदवाड़ा भाजपा के लिए और भी फोकस का केंद, माना जा सकता है, क्योंकि यहां न केवल लोकसभा सीट, बल्कि यहां की सभी विधानसभा सीटें भी इस समय कांग्रेस के ही खाते में हैं।

छिंदवाड़ा पर कांग्रेस की खास पकड़

छिंदवाड़ा जिले में सात विधानसभा क्षेत्र हैं। इनमें से छिंदवाड़ से कमलनाथ स्वयं विधायक हैं। यहां की जुन्नारदेव, अमरवाड़, चौरई, सौंसर, परासिया और पांढुर्ना भी वर्तमान में कांग्रेस के ही कब्जे में है। आदिवासीबहुल इस क्षेत्र की तीन विधानसभा सीटें अनुसूचित जनजाति और एक सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। वहीं छिंदवाड़ संसदीय सीट से कमलनाथ के पुत्र नकुल नाथ सांसद हैं।

कितनी बार छिंदवाड़ा से कमलनाथ रहे चुके हैं विधायक

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ छिंदवाड़ा से नौ बार सांसद रह चुके हैं। वे यहां से पहली बार 1980 में सांसद चुने गए थे। वे वर्तमान में यहां से विधायक और उनके पुत्र नकुल नाथ सांसद है। छिंदवाड़ा मध्यप्रदेश की एकमात्र वह सीट है, जो 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के खाते में गई थी। श्री कमलनाथ एकमात्र 1997 के उपचुनाव में यहां से हारे हैं।

सदर बाजार में बेच रहा था नकली ब्यूटी प्रोडक्ट, थोक व्यापारी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। बाजार में बड़े ब्रांड के नाम पर नकली सामान पर रोक लगाना प्रशासन के लिए बड़ा सिरदर्द बन गया है। लगभग हर चीज के नामी ब्रांड के फेक प्रोडक्ट बाजार की नसों में भीतर तक घुस चुके हैं। इनपर प्रशासन लगातार नकेल भी कस रहा है। इसी क्रम में कार्रवाई के तहत कल दिल्ली के सदर बाजार इलाके में एक थोक व्यापारी को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि ये शख्स वीएलसीसी और अन्य ब्रांडों के नकली ब्यूटी प्रोडक्ट बेच रहा था। आधिकारिक सूचना के मुताबिक, भारी मात्रा में नकली उत्पाद बरामद किए गए हैं। अधिवक्ता सीरत मीर ने बताया कि वीएलसीसी को सदर बाजार में एक बड़े थोक व्यापारी के बारे में सूचना मिली, जो अन्य विक्रेताओं और उपभोक्ताओं को नकली और सस्ती मात्रा में वीएलसीसी फेशियल किट बेचने और सप्लाई करने में लगा हुआ था। मीर ने कहा, इन नकली फेशियल किट को निर्दोष ग्राहकों को असली वीएलसीसी उत्पादों के रूप में बेचा जा रहा था,

जींद में नशीला पदार्थ खिलाकर लड़की का अपहरण

जींद, 24 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के जींद में सदर थाना क्षेत्र के एक गांव से लड़की के अपहरण का मामला सामने आया है। लड़की की सगाई फिक्स हुई थी। आरोप है कि पड़ोसी गांव खरकरामजी का युवक उसे अगवा कर ले गया। लड़की के पिता की शिकायत पर सदर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लड़की के पिता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बेटी की सोनीपत जिले में सगाई तय की गई है। देर शाम तक तो उसकी बेटी घर पर थी, लेकिन इसके बाद वह अचानक गायब हो गई। उन्होंने आस पड़ोस, रिश्तेदारियों में हर जगह पता किया, लेकिन उसका कहीं सुराग नहीं लगा।

जब मुंबई पहुंची एमपी पुलिस

फडणवीस की पत्नी से फिरौती मांगने वाले आरोपी की ली कस्टडी

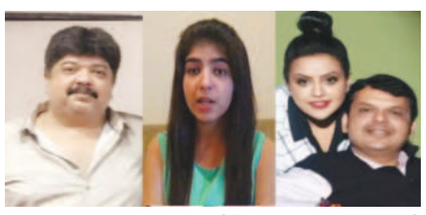

मुंबई, 24 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ब्लैकमेल, धमकी और फिरौती मामले में गिरफ्तार आरोपी अनिल जयसिंघानी की कस्टडी लेने के लिए मध्य प्रदेश पुलिस मुंबई पहुंच गई है. जानकारी के मुताबिक मध्य प्रदेश के धामनोद पुलिस स्टेशन में सट्टे बाज आरोपी अनिल सिंघानिया के खिलाफ शराब की तस्करी करने का मामला दर्ज है. जिसकी वजह मध्य प्रदेश पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है. पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मध्य प्रदेश के धीर जिला में शराब की तस्करी के आरोप में धामनोद पुलिस ने केंद्र शासित राज्य दमन और दीव से दो लोगों को गिरफ्तार किया था. पूछताछ के दौरान उन्हें इस मामले में अनिल जयसिंघानी के बारे में भी पता चला. जिसके बाद पुलिस जयसिंघानी तक पहुंची. अनिल सिंघानिया को मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम ने गुजरात से गिरफ्तार किया था और इस समय अनिल 27 मार्च तक पुलिस कस्टडी में है. अनिल जयसिंघानी एक बड़ा सट्टेबाज है. ठाणे के उल्हासनगर निवासी जयसिंघानी आईपीएल मैचों के दौरान सट्टे लगाया करता था. जानकारी के मुताबिक जयसिंघानी के खिलाफ सट्टेबाजी के 15 केस हैं. उसको तीन बार पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है. पुलिस अधिकारियों को फंसाने, पुलिसकर्मियों को रिश्वत लेते हुए वीडियो बनाने और फिर उन्हें ब्लैकमेल करने का आरोप है. आरोप है कि जयसिंघानी की बेटी अनीक्षा जयसिंघानी ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस को ब्लैकमेल कर फिरौती मांगी. फडणवीस ने अनीक्षा पर एक करोड़ रुपये की रिश्वत देने का आरोप लगाया था. अनीक्षा ने कथित तौर पर ये पेशकश अपने पिता के खिलाफ मामला रद्द करने के लिए की थी.

सु वि चा र: सब्र कोई कमजोरी नहीं होती ये वो ताकत होती है जो सब में नहीं होती।

तेलंगाना पावर यूटिलिटीज कर्मचारियों ने किया विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य विद्युत उपयोगिताओं के कर्मचारियों ने शुक्रवार को अपनी मांगों के समर्थन में विद्युत सौध में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया। तेलंगाना राज्य विद्युत कर्मचारी संयुक्त कार्रवाई समिति द्वारा 'चलो विद्युत सौधा' के आह्वान के जवाब में राज्य के विभिन्न हिस्सों से बिजली उपयोगिताओं के सैकड़ों कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। कर्मचारियों की 29 मांगों को दबाने के लिए विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य मांग वेतन संशोधन आयोग की स्थापना, 1999 से 2004 के बीच नियुक्त कर्मचारियों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि को सामान्य भविष्य निधि में परिवर्तित करना और कारीगरों के मुद्दे थे। टीएस पावर यूटिलिटीज के कर्मचारियों के वेतन और भत्तों में संशोधन 1 अप्रैल, 2022 से प्रभावी हो गया है।

तेलंगाना राज्य विद्युत कर्मचारी संयुक्त कार्रवाई समिति नियमित रूप से प्रक्रिया को पूरा करने और वेतनमान और भत्तों के संशोधन को अंतिम रूप देने के लिए प्रबंधन से अनुरोध कर रहा है कि ज्वाइंट एक्शन कमेटी के संयोजक रत्नाकर राव ने कहा कि जेएसी ने एक महीने पहले प्रबंधन को हड़ताल का नोटिस दिया था, लेकिन प्रबंधन और सरकार दोनों की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

उन्होंने कहा कि हमारे पास अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। हैदराबाद, वारंगलऔर खम्ममजिलों में तेलंगाना राज्य विद्युत कर्मचारी संयुक्त कार्रवाई समिति की बैठकों के बाद विरोध कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया। यूनियन नेताओं ने डिस्कॉम के चेयरमैन और प्रबंध निदेशकों से कई बार बातचीत की, लेकिन कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकला।

खैरताबाद में विरोध प्रदर्शन के कारण यातायात ठप

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हमेशा व्यस्त रहने वाले खैरताबाद में कुछ घंटों के लिए यातायात ठप हो गया, जब राज्य भर के बिजली उपयोगिताओं के सैकड़ों कर्मचारियों ने शुक्रवार दोपहर यहां विद्युत सौधा में विरोध प्रदर्शन किया। तेलंगाना स्टेट पावर एंप्लाइज ज्वाइंट एक्शन कमेटी (जेएसी) ने गुरुवार को 'चलो विद्युत सौधा' कार्यक्रम का आह्वान किया था, जिसमें वेतन संशोधन आयोग, कर्मचारी भविष्य निधि सहित अन्य की मांग की गई। दोपहर तक, हैदराबाद, वारंगल और खम्मम जिलों से बड़ी संख्या में राज्य भर के प्रदर्शनकारियों ने कार्यालय पर धावा बोल दिया, जिससे पंजागुट्टाऔर लकड़ी-का-पुल की ओर जाने वाली सड़कों को अवरुद्ध कर दिया गया। जंक्शन पर पहुंचने वाले सैकड़ों वाहनों, आरटीसी बसों, निजी वाहनों और दोपहिया वाहनों को भारी मशक्कत करनी पड़ी। मौके पर पहुंची यातायात पुलिस व कानून व्यवस्था के कर्मियों ने करीब दो घंटे में जाम को हटाया।

LOST OF PASSPORT

This is to notify that I, Abhishek Tiwari, aged 25 years have lost my original passport document number J7193558 while I was travelling in Banjara Hills road no. 12. The document was lost on 12th March 2023 at 2:45 PM If found please contact on below-mentioned details.
Name: Abhishek Tiwari, Contact Number: 9908688286 Address: 5-1-586, Troop Bazar, jambagh, Syed Jung lane, Hyderabad 500095
Passport number J7193558

वाईएसआरसी के चार विधायक निलंबित

अमरावती, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने गुरुवार को यहां विधायक कोटे के तहत एमएलसी चुनाव में व्हिप की अवहेलना करने और क्रॉस वोटिंग में शामिल होने के आरोप में अपने चार विधायकों को निलंबित कर दिया। वाईएसआरसीपी के महासचिव सज्जला रामकृष्ण रेड्डी ने शुक्रवार को यहां इसकी घोषणा करते हुए कहा कि पार्टी ने पहचान की है कि उन्दावल्ली श्रीदेवी, मेकापति चंद्रशेखर रेड्डी, अनम रामनारायण रेड्डी और कोटम श्रीधर रेड्डी ने क्रॉस वोटिंग का सहारा लिया। हमने क्रॉस वोटिंग प्रकरण की आंतरिक जांच की और जांच के बाद ही कार्रवाई का फैसला किया है। चंद्रबाबू नायडू ने विधायकों को खरीद लिया है। हमारा मानना है कि पैसा बदल गया और चंद्रबाबू ने उनमें से प्रत्येक को 15 करोड़ रुपये से 20 करोड़ रुपये तक की पेशकश की। ऐसा लगता है कि टीडीपी ने उन्हें अगला चुनाव लड़ने के लिए टिकट देने का वादा भी किया होगा।

राहुल की अयोग्यता भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में काला दिन : केसीआर

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस)के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने चार साल पुराने मानहानि मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की अयोग्यता की कड़ी निंदा की और इसे "भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक काला दिन" कहा है। चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को यहां एक बयान में विपक्षी दलों से अपने मतभेदों को दूर करने और देश के लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए एकजुट होकर भाजपा के कुकृत्यों की निंदा करने का आह्वान किया।

एससीआर को मिला 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का यात्री राजस्व

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने इतिहास में पहली बार मूल यात्री राजस्व में 5,000 करोड़ रुपये को पार करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

जोन ने मूल यात्री राजस्व में 5,000.81 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया, जो कि 2019-20 में दर्ज की गई पिछली सर्वश्रेष्ठ कमाई से 881.37 करोड़ रुपये अधिक है। अधिकारियों ने बताया कि राजस्व पिछले साल की तुलना में 21 फीसदी अधिक यानी 4,119.44 करोड़ रुपये रहा।

कोविड लॉकडाउन के बाद एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनों की शुरुआत के बाद से एससीआर निरंतर आधार पर यात्री रुझानों की समीक्षा कर रहा है।

एससीआर अपने अधिकार क्षेत्र में 100 प्रतिशत मेल एक्सप्रेस ट्रेनों को फिर से शुरू करने वाले भारतीय रेलवे के पहले क्षेत्रों में से एक है। दमरे के अधिकारियों के अनुसार, कुछ ट्रेनों में निरंतर मांग को ध्यान में रखते हुए, ज़ोन ने विभिन्न एक्सप्रेस ट्रेनों में 200 कोचों को स्थायी रूप से बढ़ाया है, जिसके परिणामस्वरूप इन ट्रेनों के लिए अधिक संरक्षण प्राप्त हुआ है। इसके अलावा, यात्रियों की मौसमी मांग को पूरा करने के लिए चालू वर्ष के दौरान 200 अतिरिक्त डिब्बे भी अस्थायी रूप से बढ़ाए गए हैं।

वास्तव में, प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को क्लियर करने के लिए प्रतिदिन के आधार पर एक्सप्रेस ट्रेनों में 10,539 कोच जोड़े गए हैं, जिससे 9,83,559 यात्रियों को कन्फर्म बर्थ मिली है, जिससे रेलवे को 81.28 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई हुई है। इसी तरह, त्योहारी और छुट्टियों के मौसम में यात्रियों की अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए, दशहरा, दिवाली, सबरीमाला, क्रिसमस, नव वर्ष, संक्रांति और होली के लिए 3,543 विशेष ट्रेनें चलाई गईं, जिसमें 219.80 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई में 30.42 लाख यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सदस्यता जाने पर

प्रियंका गांधी की पहली प्रतिक्रिया, क्या कहा

लखनऊ, 24 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मानहानि के मामले में सूरत की एक अदालत द्वारा 2 साल की सजा सुनाये जाने के बाद उन्हें लोकसभा की सदस्यता के लिए अयोग्य ठहराया गया है. इस संबंध में लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि उनकी अयोग्यता संबंधी आदेश 23 मार्च से प्रभावी होगा. वहीं इस मामले को लेकर अब उनकी बहन और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की प्रतिक्रिया सामने आई है. प्रियंका गांधी ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि क्या बीजेपी भ्रष्टाचारियों का समर्थन करती है? वहीं प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर लिखा- नीरव मोदी घोटाला- 14,000 ललित मोदी घोटाला- 425 , मेहुल चोकसी घोटाला- 13,500 , जिन लोगों ने देश का पैसा लूटा, बीजेपी उनके बचाव में क्यों उतरी है? जांच से क्यों भाग रही

है? जो लोग इस पर सवाल उठा रहे हैं उन पर मुकदमे लादे जाते हैं. क्या बीजेपी भ्रष्टाचारियों का समर्थन करती है? इससे पहले प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी को सजा सुनाए जाने पर कहा था कि- डरी हुई सत्ता की पूरी मशीनरी साम, दाम, दंड, भेद लगाकर राहुल गांधी की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है. मेरे भाई न कभी डरे हैं, न कभी डरेंगे. सच बोलते हुए जिये हैं, सच बोलते रहेंगे. देश के लोगों की आवाज उठाते रहेंगे. सच्चाई की ताकत व करोड़ों देशवासियों का प्यार उनके साथ है. मानहानि मामले में केरल की वायनाड संसदीय सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे राहुल गांधी को शुक्रवार को लोकसभा की सदस्यता के लिए अयोग्य ठहराया गया है. लोकसभा चुनाव के दौरान रांची के मोराबादी मैदान में रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि सभी मोदी नाम वाले चोर होते हैं. इसके अलाा महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक चुनावी जनसभा में कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा था कि ''मुझे एक बात बताएं, नीरव मोदी, ललित मोदी, नरेन्द्र मोदी सभी के नाम में मोदी कैसे है. कैसे सभी चोरों के नाम में मोदी हैं. राहुल के इस बयान को लेकर बीजेपी नेता ने अपमानजनक बताते हुए अदालत में केस दायर किया था.

भूकंप आपदा को लेकर नोएडा में हुई मॉक ड्रिल, लोगों को किया गया जागरूक

ग्रेटर नोएडा, 24 मार्च (एजेंसियां)। गौतम बुद्ध नगर भूकंप की दृष्टि से अति संवेदनशील सिस्मिक जोन चार में शामिल है। तीन दिन पहले ही यहां भूकंप आया था है। भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए की गई तैयारियों का जायजा लेने के लिए तीन स्थानों पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस मॉक ड्रिल में पुलिस जिला प्रशासन की टीम के साथ एनडीआरएफ, सीआईएसएफ, बीएसएफ, स्वास्थ्य विभाग और फायर डिपार्टमेंट की टीमों ने हिस्सा लिया। इस मॉक ड्रिल एक्सरसाइज में बडी संख्या में स्कूली बच्चे भी शामिल हुए। सुबह 9 बजे का समय ग्रेटर नोएडा के एलजी कम्पनी में भूकंप आने की सूचना पर बजने वाले सायरन की गूंज होने लगी। इससे भगदड़ मच गई। बड़ी संख्या में पुलिस बल, एंबुलेंस, फायर बिग्रेड और रेडक्रास सोसायटी के सदस्य भी पहुंच गए। नजारा ऐसा था जैसे भूकंप आया हो और कई लोग घायल हुए हों। लेकिन सच में ऐसा नहीं हुआ था।

सपा व बसपा की सरकारों ने सहकारिता की संस्थाओं को किया बर्बाद

देवरिया में बोले कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही

देवरिया, 24 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि सपा व बसपा की सरकारों ने सहकारिता से जुड़ी संस्थाओं को बर्बाद किया। दोनों ने अपनी कारगुजारियों से सहकारिता को घाटे में रखा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद संस्थाएं लाभ में हैं। योगी सरकार की कुशलता का नतीजा है कि बीज निगम अब फायदे में चल रहा है। कृषि मंत्री गुरुवार को जनपद थोक केंद्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ लिमिटेड के तत्वावधान में शहर में बनने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय सहकारी बाजार के निर्माण कार्य का शिलान्यास कर रहे थे। निर्माण कार्य पर 46 लाख रुपये खर्च होने हैं। जिला पंचायत सभागार में आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री ने सहकारिता के मूल भाव को साथ लेकर चलते हुए आगे बढ़ने और सहकारिता को आगे बढ़ाने की जरूरत बताई। कहा कि जिन राजनीतिक धुरंधरों ने जनपद में सहकारिता की नींव रखी उनके सिद्धांतों को आत्मसात करना होगा। प्रदेश सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि कृषि विभाग का बीज निगम वर्ष 2017 से पहले 35.93 करोड़ के घाटे में चल रहा था, लेकिन हमारी सरकार ने 2017-18 में ही सात करोड़ रुपये के फायदे में पहुंचाने का काम किया। कार्यक्रम को विधायक जयप्रकाश निषाद, दीपक मिश्र शाका, सुरेन्द्र चौरसिया, भाजपा जिलाध्यक्ष अन्तर्यामी सिंह, निवर्तमान नपा अध्यक्ष अलका सिंह ने भी संबोधित किया। जनपद थोक केंद्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ के अध्यक्ष विश्वंभर मिश्र ने सहकारी समिति के लिए सीएनजी पंप व पेट्रोल पंप की मांग की। कृषि मंत्री ने इस पर शीघ्र विचार करने का आश्वासन दिया। विश्वंभर मिश्र ने अतिथियों का स्वागत अंग वस्त्र भेंटकर किया। संचालन अंगद तिवारी ने किया। अनिरुद्ध मिश्र, विजय कुमार दूबे, मारकंडेय शाही, विजय बहादुर दूबे, पुरुषोत्तम नारायण सिंह, भूपेन्द्र सिंह, कृष्णनाथ राय, अम्बिकेश पाण्डेय, उषा पासवान, जितेंद्र राव आदि मौजूद रहे। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने ब्लाक परिसर में नवसृजित नगर पंचायत बैतालपुर में होने वाले 13 परियोजनाओं का गुरुवार को शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि आज नगर पंचायत बनने से बैतालपुर व आसपास के 12 गांवों का विकास तेज गति से होगा। आज जिन परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ है, वह नगर पंचायत बनने के कारण संभव हुआ है।

इकबाल अंसारी ने की रामचरितमानस को राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित करने की मांग

अयोध्या, 24 मार्च (एजेंसियां)। लंबे समय से बाबरी मस्जिद के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी ने रामचरितमानस को लेकर बड़ा बयान दिया है, पिछले दिनों मानस को लेकर हुए विवाद से वो बहुत आहत है. उन्होंने कहा कि रामचरितमानस को राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित करना चाहिए और इसी के साथ यह कानून भी बनना चाहिए कि किसी भी धर्म के मुख्य ग्रंथ पर टिप्पणी करने वाले को सजा मिले. इकबाल अंसारी आगे कहते हैं कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में रामचरितमानस को राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित नहीं किया गया तो आखिर कब किया जाएगा इकबाल अंसारी ने कहा कि जो लोग किसी भी धार्मिक ग्रंथ पर टिप्पणी करें तो उन पर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, क्योंकि धार्मिक ग्रंथों पर टिप्पणी करने से विवाद होता है. रामचरितमानस पर लोगों ने टिप्पणी की जिससे हिंदू और मुस्लिम में नफरत पैदा हुई. हम चाहते हैं कि धार्मिक ग्रंथ जहां भगवान राम का नाम लिखा हो उस धार्मिक किताब को राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित करना चाहिए.

कानपुर देहात में ऑयल फैक्ट्री में सिलेंडर ब्लास्ट:1 की मौत, 6 गंभीर

कानपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। कानपुर देहात से बड़ी खबर है। यहां शुक्रवार को रनिया इलाके में ऑयल फैक्ट्री में सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई। जबकि 6 गंभीर है। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री में बने एक कमरे में मजदूर सिलेंडर में खाना बना रहे थे। उसी दौरान अचानक ब्लास्ट हुआ। सिलेंडर ब्लास्ट इतना तेज था कि कमरे की दीवार उड़ गई। कई जगह छेद हो गया। छत चटक गई। धमाके के बाद कमरे में आग लग गई। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने झुलसे हुए मजदूरों को बाहर निकाला। पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस ने बताया कि वैभव एडिबल फैक्ट्री में हादसा हुआ है। घटना सुबह 11 बजे की है। एक घायल मजदूर ने बताया कि हम लोग खाना खाने जा रहे थे। तभी तेज धमाका हुआ। हम लोग समझ ही नहीं पाए कि ये हादसा कैसे हुआ। हादसे के बाद मौके पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। घायलों को कानपुर इलाज के लिए भेजा गया है। मरने वाले मजदूर का नाम राजीव कुमार है। उसका इलाज कानपुर हैलेट में चल रहा था। वो हरदोई का रहने वाला था। वहीं गंभीर रूप से घायल 17 साल के नाबालिग को केजीएमयू रेफर कर दिया गया है। बाकी 5 घायलों का कानपुर देहात रायपुर के DS मेमोरियल में इलाज चल रहा है।

गर्भगृह के लिए पहुंची नक्काशीदार पत्थरों की खेप

सागौन की लकड़ी से बनेगा महाद्वार

अयोध्या, 24 मार्च (एजेंसियां)। श्रीराम जन्मभूमि आयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है. इसी क्रम में गुरुवार को मंदिर के गर्भगृह के निर्माण के लिए नक्काशीदार पत्थरों की खेप अयोध्या पहुंची. यह सभी पत्थर मकराना मार्बल के हैं. खुद तीर्थक्षेत्र के महासचिव चंपत राय इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाली हैं. बताया जा रहा है कि गर्भगृह की दीवारें, छत और फर्श में केवल मकराना मार्बल का इस्तेमाल किया जाना है. मंदिर निर्माण में जुटे कारीगरों ने पत्थरों के आने के साथ ही इन्हें लगाने का काम शुरू कर दिया है. बता दें कि तीर्थक्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने गुरुवार को एक ट्वीट किया था. इसमें उन्होंने निर्माणाधीन मंदिर की कुछ तस्वीरें सार्वजनिक की थी. इसमें बताया था कि मकराना मार्बल के पत्थरों पर आकर्षक नक्काशी की गई है. यह पत्थर मंदिर निर्माण स्थल पहुंच गए हैं और इनका इस्तेमाल भी शुरू हो गया है. इससे रामभक्तों में उत्साह का माहौल है. इससे पहले गर्भगृह में चौखट-बाजू की कुछ तस्वीरें सार्वजनिक हुई थीं. बताया जा रहा है कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र समिति की बैठक आगामी 27-28 मार्च को होने वाली है. इस बैठक में मंदिर निर्माण कार्य के प्रगति की समीक्षा की जाएगी. इसी के साथ भावी योजनाओं पर भी विचार किया जाएगा. उम्मीद है कि इस बैठक में समिति के चेयरमैन नृपेन्द्र मिश्र शामिल होंगे.

इसके लिए उन्हें 26 मार्च को अयोध्या पहुंचने की संभवना है. श्रीराम मंदिर का मुख्य गेट जिसे महाद्वार का नाम दिया गया है, इसका निर्माण सागौन की लकड़ी से होगा. यह लकड़ी चंदरपुर महाराष्ट्र के जंगलों से आएगी. इस लकड़ी पर आकर्षक नक्काशी देखने को मिल सकती है. यह जानकारी महाराष्ट्र के वनमंत्री सुधीर मुंगतीवार ने दी. उन्होंने बताया कि इसके लिए 1800 क्यूबिक मीटर सागौन की लकड़ी का इस्तेमाल किया जाएगा. उन्होंने बताया कि लकड़ी की पहली खेप 29 मार्च विधिवत पूजन के बाद रवाना होगी. इस मौके पर बलारपुर से चंद्रपुर तक भव्य रैली भी निकाली जाएगी.

समस्तीपुर में ग्रामीण बैंक से 11 लाख की लूट

बाइक सवार 5 अपराधियों ने की लूटपाट, हथियार के बल पर ले उड़े पैसे

समस्तीपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। समस्तीपुर में शुक्रवार सुबह दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक में 11 लाख की लूट हुई। हथियार के बल पर 5 अपराधियों ने इस घटना को अंजाम दिया। वहीं, सभी बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। वारदात जिले के पूसा थाना क्षेत्र के मोहम्मदा गांव स्थित दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक में घटी। फिलहाल राशि का मिलान किया जा रहा। मिली जानकारी के अनुसार सभी बदमाशों ने हेलमेट पहन रखा था। बदमाशों ने बैंक खुलते ही इस घटना को अंजाम दिया। घटना की सूचना पर पूसा थाना अध्यक्ष के अलावा समस्तीपुर से सदर डीएसपी सेहवान हबीब फखरी मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई है।

बरेली जोन में जबरन धर्मांतरण के मामलों में 71 लोगों को भेजा गया जेल

सालभर में दर्ज हुए 39 मुकदमे

बरेली, 24 मार्च (एजेंसियां)। जबरन धर्मांतरण के मामलों में करीब एक साल में बरेली जोन के नौ जिलों में अब तक बड़ी कार्रवाई हुई है। धर्मांतरण के सबसे अधिक 11 मामले बरेली जिले में दर्ज किए गए और सबसे अधिक गिरफ्तारी भी बरेली जिले में ही हुईं। अब तक 71 लोगों को जेल भेजा जा चुका है। करीब एक साल में बरेली जिले में 11 मामले दर्ज किए, जिसमें 28 लोगों को गिरफ्तार किया गया। जबरदस्ती धर्मांतरण के मामलों में पुलिस ने पिछले साल से अब तक जोन भर में 39 मुकदमे दर्ज किए हैं। इन मुकदमों में 77 लोगों के नाम सामने आए जिसमें पुलिस ने 71 लोगों को गिरफ्तार किया। वहीं छह आरोपियों की गिरफ्तारी होनी बाकी है। जबरन धर्मांतरण के मामलों में बरेली में 28, बदायूं में दो, पीलीभीत में छह, शाहजहांपुर में पांच, मुरादाबाद में नौ, रामपुर में नौ, बिजनौर में चार, अमरोहा में पांच, संभल में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने धर्मांतरण से जुडे. बरेली और संभल के एक-एक मामले में एफआर भी लगाई। वहीं बरेली में दो, पीलीभीत में एक, अमरोहा में दो मामले अभी लंबित हैं। बरेली जोन के एडीजी पीसी मीना ने बताया कि जबरन किसी का धर्म परिवर्तन कराना अपराध है। ऐसे मामलों में पुलिस प्राथमिकता से कार्रवाई कर रही है। सभी पुलिस अधीक्षकों को ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

पीएसी जवान के कंधे से गिर गई बंदूक और चल गई गोली, 6 साल की बच्ची को लगी

कासगंज, 24 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कासगंज में एक पीएसी के जवान की लापरवाही छह साल के मासूम पर भारी पड़ गई. सिढपुरा में आयोजित मेले में तैनात पीएसी जवान के कंधे से गुरुवार की शाम को कारबाइन नीचे गिर गई थी. कारबाइन लोडेड थी, इसलिए गिरते ही गोली चल गई और सामने खड़े एक छह साल के बच्चे को लग गई. गोली बच्चे की पीठ में लगी है. इससे वह जमीन पर गिर कर तड़पने लगा. आनन फानन में उसे आगरा के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है. जानकारी के मुताबिक पीड़ित बच्चा तुषार अपने पिता के साथ गुरुवार की शाम को मेला देखने के लिए आया था. चूंकि यहां आयोजित नुमाइश में काफी भीड़ थी. इसलिए वह भीड़ से बाहर अपने पिता के साथ खड़े होकर देख रहा था.

राहुल गांधी के समर्थन में पहली बार क्यों उतरे अखिलेश यादव?

लखनऊ, 24 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के साथ एकजुटता व्यक्त की है, जिन्हें मानहानि के एक मामले में दो साल की जेल की सजा सुनाई गई है. अखिलेश पहली बार राहुल के समर्थन में उतरे हैं, उन्होंने कहा कि बीजेपी देश, जनता, सद्भाव और संविधान को बदनाम कर रही है और विपक्षी दलों के खिलाफ मानहानि के मामले दर्ज किए जा रहे हैं. अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी विपक्षी नेताओं को छोटे-छोटे मामलों में फंसा रही है, क्योंकि पार्टी विपक्ष की ताकत से डरती है. बता दें कि अभी तक अखिलेश ने कांग्रेस से दूरी बनाए रखी थी और भविष्य में पार्टी से किसी तरह के

गठबंधन से भी इनकार किया है. इस समय राहुल गांधी को मिल रहा समर्थन सत्तारूढ़ बीजेपी के खिलाफ पूरे विपक्ष के एक साथ आने की संभावना को दर्शाता है.

अखिलेश ने बीजेपी पर ये आरोप लगाए

मुक़दमों में फंसाकर अपना राजनीतिक भविष्य साधनेवाली भाजपा विपक्ष की ताक़त से डर गयी है." अखिलेश यादव ने अपने इस ट्वीट के साथ कांग्रेस नेता राहुल गांधी को टैग भी किया है. मालूम हो कि सूरत की एक अदालत ने 'मोदी उपनाम' संबंधी टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ 2019 में दर्ज आपराधिक मानहानि के एक मामले में उन्हें गुरुवार को दो साल कारावास की सजा सुनाई. अदालत ने राहुल गांधी को जमानत दे दी और उनकी सजा पर 30 दिन की रोक लगा दी, ताकि कांग्रेस नेता फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती दे सकें. बीजेपी विधायक और गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत पर राहुल गांधी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था. सपा अध्यक्ष यादव ने ट्वीट कर कहा, "देश की मानहानि, जनता की मानहानि, सौहार्द की मानहानि, संविधान की मानहानि, अर्थव्यवस्था की मानहानि. भाजपा पर उपरोक्त न जाने कितने प्रकार के मानहानि के मुक़दमे होने चाहिए. विपक्ष को नगण्य

घर के बाहर खेल रही डेढ़ साल की बच्ची को घसीटते हुए ले गया आवारा कुत्ता

ग्रेटर नोएडा, 24 मार्च (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा में आवारा कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। सेक्टर बीटा एक के ब्लाक सी में रहने वाली डेढ़ साल की बच्ची को आवारा कुत्ते ने कई जगह पर काट लिया। बच्ची की दादी ने बताया कि वह खेल रही थी। उसके बाबा भी बाहर दरवाजे पर ही बैठे हुए थे। आवारा कुत्ता आया और उसने उसके कई जगह पर काट लिया। जब तक उसके बाबा कुत्ते को भागने के लिए भागे तो वह बच्ची को घसीटे हुए ले गया। अगर बाबा दरवाजे पर बैठे नहीं होते तो बच्ची के साथ कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती थी। बच्ची के बाबा ने बताया कि आवारा कुत्ते को भागने पर वह भी गिर गए और उनके भी कई जगह पर चोट आई है। बच्ची की मां ने बताया कि बिटिया बहुत डर गई है। वह किसी के पास तक नहीं जा रही है। सेक्टर में आए दिन आवारा कुत्तों का शिकार बच्चे और बुजुर्ग बन रहे है। कुछ दिनों पहले बेटा कोचिंग पढ़ने के लिए जा रहा था। उसको भी कुत्तों ने दौड़ा लिया था। सेक्टर में रहने वाले लोगों ने बताया कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को कई बार आवारा कुत्तों की समस्या से अवगत कराया गया है। उसके बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहे है। आवारा कुत्तों को जब सेक्टर के बाहर छोड़ने के लिए ले जाते है तो कुछ पशु प्रेमी आकर इसका विरोध करने लगते है। कोई अधिकारी भी इस समस्या पर कोई कदम उठाते है तो उनकी शिकायत पशु प्रेमी कर देते है। आवारा कुत्तों के आए दिन काटने से सेक्टर के लोग दहशत में है। लोगों का कहना हैं कि आवारा कुत्ते आक्रामक व्यवहार कर रहे है। बड़ों के साथ अब कुत्ते छोटे बच्चों को भी अपना शिकार बना रहे है। इससे सेक्टर में बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है। बच्चे, बुजुर्ग व महिलाएं पार्क में आवाजाही करने से भी डर रहे हैं।

तोते की गवाही पर दो को उम्रकैद! मालकिन की मौत कैसे हुए पता लगाने में यूं की थी पुलिस की मदद

आगरा, 24 मार्च (एजेंसियां)। कहते हैं तोता एक ऐसा पक्षी है जिसकी याददाशत बहुत तेज होती है. अगर वो कुछ एक बार देख ले तो फिर भूलता नहीं है. उत्तर प्रदेश के आगरा में 9 साल पहले हुई विजय शर्मा की पत्नी नीलम की हत्या के मामले में तोते की गवाही के बाद अब कोर्ट ने भांजे आशुतोष गोस्वामी और उसके दोस्त को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और 72 हजार रुपये का अर्थदंड जुर्माना लगाया है. बता दें कि तोते की मौत उसकी मालकिन नीलम की हत्या के 6 महीने बाद ही हो गई थी. लेकिन मरने से पहले तोते ने मालकिन के हत्यारों के नाम पुलिस और घरवालों को बता दिए थे. तोते के द्वारा बताए गए हत्यारों के नाम जानने के बाद पुलिस जांच शुरू की, जिसके बाद अब जाकर दोषियों को सजा मिल सकी है.

इंटर में अच्छे अंक के लिए 40 हजार में सेटिंग

सेकेंड डिवीजन रिजल्ट देख दे दी जान

लखीसराय, 24 मार्च (एजेंसियां)। बिहार बोर्ड ने बीते मंगलवार (21 मार्च) को 12वीं का रिजल्ट जारी किया. रिजल्ट में सेकेंड डिवीजन देखने के बाद लखीसराय के एक छात्र ने अपनी जान दे दी. छात्र शेखपुरा नगर क्षेत्र के कच्ची रोड में रहकर इंटर की तैयारी कर रहा था. लखीसराय के रामचंद्रपुर गांव निवासी गोपाल सिंह के पुत्र राहुल कुमार ने जहर खा कर आत्महत्या करने से पहले सुसाइड नोट भी लिखा है. इसमें उसने परिजनों से माफी मांगी है. इसके साथ ही बड़ा खुलासा भी हुआ है. बताया गया कि मंगलवार को रिजल्ट जारी हुआ और उस दिन रात में उसने जहर खा लिया था. घटना के बाद आनन-फानन में पहुंचे परिजनों ने उसे इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था. अगले दिन बुधवार की सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. मौके पर पुलिस पहुंची. शव को पोस्टमार्टम के लिए शेखपुरा सदर अस्पताल भेजा गाय. पुलिस ने सुसाइड नोट के आधार पर जांच शुरू की है. इधर सुसाइड नोट में छात्र राहुल ने चौंकाने वाली बात लिखी है. राहुल ने सेकेंड डिवीजन से 12वीं की परीक्षा पास की है. हालांकि उसने सुसाइड नोट में फेल होने की बात लिखी है. लिखा कि वह फेल होने की वजह से आत्महत्या कर रहा है. लिखा- बहन मुझे माफ करना. जो भी गलती है अगले जन्म में भी तेरी जैसी बहन मांग लूंगा. खुद को भी संभालना और मम्मी-पापा को भी संभालना. मम्मी-पापा मैं बहुत ही टेंशन में हूं तब जाकर आत्महत्या कर रहा हूं. चाचा-चाची मेरे को माफ कर देना. भाई दोस्त और सारे रिश्तेदारों से हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं. सब मिलकर मेरे मम्मी-पापा और परिवार को संभाल लेना. सुसाइड नोट में राहुल ने लिखा कि वह चंदन दा के कारण आत्महत्या कर रहा है. सेटिंग के नाम पर 27400 रुपये उसने पेटीएम के माध्यम से दिया था. चंदन दा और 12600 मांग रहा था. बातचीत का सारा सबूत मोबाइल में है. घटना के बाद परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है. पिता गोपाल सिंह ने बताया कि राहुल कुमार उनका सबसे बड़ा बेटा था. इस मामले में पुलिस ने यूडी केस दर्ज किया है.

महागठबंधन के मार्च से गायब रही नीतीश कुमार की पार्टी, राहुल गांधी के मामले पर सदन में भी जेडीयू शांत

पटना, 24 मार्च (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा के मुख्य द्वार से लेकर सदन तक महागठबंधन के नेताओं ने राहुल गांधी को हुई सजा के मामले में शुक्रवार को मार्च निकाला. सबसे बड़ी बात यह रही कि इस मार्च से सीएम नीतीश कुमार की पार्टी गायब रही. नेताओं ने विधानसभा परिसर में बैनर-पोस्टर लेकर विरोध जताया गया. इस दौरान खूब नारेबाजी भी की गई. सदन के अंदर भी इस मुद्दे पर जोरदार हंगामा हुआ. सदन में भी जेडीयू की ओर से कुछ नहीं कहा गया. अजित शर्मा (कांग्रेस), जीतन राम मांझी (एचएएम), भाई वीरेंद्र (आरजेडी) ने एक जैसी बात कही. नेताओं ने कहा कि न्यायालय का राजनीतिकरण बंद किया जाए. विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश है. जांच एजेंसियों का दुरुपयोग तो पहले से ही हो रहा है. कहा कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर बीजेपी डरी हुई है इसलिए विरोधियों के खिलाफ षड्यंत्र किया जा रहा. विपक्ष डरने वाला नहीं है.

शादी के इंतजार में गोरखपुर के 1848 जोड़े, तिथि नहीं तय कर पा रहा विभाग

गोरखपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। गोरखपुर जिले में सरकारी सहायता से शादी का इंतजार 1848 जोड़े कर रहे हैं। वधुओं के माता-पिता पंजीकरण करा चुके हैं और शादी की तिथि का इंतजार कर रहे हैं। अब तक 13 एवं 22 मार्च की तिथि उन्हें बताई गई थी, लेकिन आयोजन नहीं हो सका। आवेदकों को अब 27 मार्च की संभावित तिथि बताई जा रही है, लेकिन यह भी अभी तय नहीं है। इस महीने कार्यक्रम आयोजित नहीं हुआ तो बजट वापस हो जाएगा। सरकार की ओर से एक शादी पर 51 हजार रुपये खर्च किए जाते हैं। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम के तहत बेटियों की शादी के लिए मिलने वाली व्यक्तिगत आर्थिक सहायता को बंद कर दिया गया है। अब केवल सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल होने वाले जोड़ों को ही यह सहायता मिलती है। इसके पहले आयोजित कराए गए समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी नवविवाहित जोड़ों

को आशीर्वाद देने पहुंचे थे। मार्च में एक बार फिर आयोजन कराया जाना है। आसपास के जिलों में आयोजन हो भी चुका है। इसके लिए पहले 13 मार्च की तिथि निर्धारित थी, लेकिन कतिपय कारणों से उसे टाल दिया गया। इसके बाद 22 मार्च की तिथि निर्धारित की गई, लेकिन उस तिथि को भी कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया। आवेदकों को अब 27 मार्च की तिथि बताई जा रही है, लेकिन यह भी संभावित ही है। माना जा रहा है कि प्रशासन इस कार्यक्रम में एक बार फिर मुख्यमंत्री को आमंत्रित करना चाहता है। जिला समाज कल्याण अधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह ने बताया कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम की तिथि जल्द तय कर ली जाएगी।

दहेज लेने के बाद बेटी को पिता की संपत्ति में हक मिलना चाहिए या नहीं, जानिए हाईकोर्ट का फैसला

मुंबई, 24 मार्च (एजेंसियां)। हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने पिता की संपत्ति में बेटियों के अधिकार को लेकर एक बड़ा फैसला सुनाया है. कोर्ट' ने तेरेज़िन्हा मार्टिन्स डेविड बनाम मिगुएल गार्डा रोसारियो मार्टिन्स मामले में फैसला सुनाते हुए कहा कि शादी के समय दहेज देने पर भी बेटी का पारिवारिक संपत्ति का अधिकार समाप्त नहीं होगा. न्यायमूर्ति एमएस सोनक ने बेटी के हिस्से की संपत्ति को उसकी सहमति के बिना उसके भाइयों को हस्तांतरित करने के डीड को भी रद्द कर दिया है. न्यायमूर्ति सोनक ने अपने फैसले में कहा कि घर की बेटी को दहेज दिए जाने के कोई सबूत नहीं है. ये मामला हो या कोई और अगर किसी बेटी को कुछ दहेज दिया भी गया हो, तो इसका मतलब ये नहीं होगा कि बेटियों का पारिवारिक संपत्ति में कोई अधिकार नहीं है.

पूरा मामला जानिए

यह मामला चार बहनों और चार भाइयों को मिलाकर 10 सदस्यों वाले परिवार (माता-पिता को मिलाकर) में हुए एक झगड़े से जुड़ा है. बड़ी बेटी ने याचिका दायर करके एक डीड का हवाला दिया था.जिसमें बेटी के दिवंगत पिता ने बेटी को संपत्ति का उत्तराधिकार घोषित किया था. इस याचिका में 8 सितंबर, 1990 की एक दूसरी डीड का भी जिक्र किया गया था. इसमें मां ने परिवार की एक दुकान को भाइयों के नाम ट्रांसफर कर दिया था. याचिका में इस डीड को रद्द करने की मांग की गई थी. ये भी मांग की गई थी कि दुकान को उसकी मर्जी के बगैर भाइयों में ट्रांसफर ना किया जाए.

कोर्ट में भाइयों ने क्या दलील दी

याचिकाकर्ता के भाइयों ने बहस के दौरान ये तर्क दिया कि सभी चार बहनों को शादी के समय पर्याप्त दहेज दिया जा चुका था. ऐसे में याचिकाकर्ता और तीनों बहनों का न तो दुकान और न ही परिवार की किसी संपत्ति पर अधिकार है. मामले की सुनवाई पहले ट्रायल कोर्ट में हुई और फिर मामला हाईकोर्ट पहुंचा.

ट्रायल कोर्ट में क्या हुआ

निचली अदालत ने 31 मई, 2003 को एक फैसले में बेटी के क्लेम को रद्द कर दिया था और पिता की संपत्ति पर बेटों को उत्तराधिकार बरकरार रखा था.

हाईकोर्ट में अपने फैसले में क्या कहा

हाईकोर्ट ने ये संज्ञान लिया कि याचिकाकर्ता ने मुकदमा डीड ट्रांसफर के चार साल बाद दायर किया था क्योंकि उसे मुकदमा दायर करने के 6 हफ्ते पहले ही डीड ट्रांसफर होने की बात का पता लगा था. कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि उसके चारों भाई इस बात को साबित करने में नाकाम रहे हैं कि बहन को डीड ट्रांसफर करने के बारे में पहले से जानकारी थी. इस मामले में, परिसीमा अधिनियम 1963 के अनुच्छेद 59 के प्रावधानों के

मुताबिक किसी भी संपत्ति के ट्रांसफर को रद्द करने की अवधि तीन साल है यानी अगर किसी की संपत्ति को किसी और को ट्रांसफर कर दिया जाए तो कानूनी तौर से तीन साल के अंदर ही इसे रद्द करने का प्रावधान है. कोर्ट ने कहा कि तीन साल के अंदर का समय वो वक्त होता है जब किसी लिखित डिक्री को रद्द करने का फैसला लिया जा सकता है. उसके बाद इसे अवैध माना जाता है. लेकिन इस मामले में बेटी को संपत्ति ट्रांसफर की कोई भी जानकारी 6 हफ्ते से पहले तक थी ही नहीं. अदालत ने भाइयों की तरफ से पेश किए गए सबूतों का जिक्र करते हुए ये कहा कि पेश किए गए सबूत इस बात को नहीं साबित कर पाए हैं कि बहनों को इसकी जानकारी पहले से थी. हाईकोर्ट ने मामले में 1961 में 'केएस नानजी एंड कंपनी बनाम जटाशंकर दोसा' मामले पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जिक्र किया. केएस नानजी एंड कंपनी बनाम जटाशंकर दोसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने ये कहा था कि संपत्ति का ट्रांसफर तभी मुमकिन है जब याचिकाकर्ता तीन साल के अंदर ही डीड ट्रांसफर का केस दर्ज कराए. लेकिन अगर ये साबित हो जाए कि डीड ट्रांसफर कराने वाले याचिकाकर्ता को इस बात की जानकारी ही नहीं थी तो कोर्ट को अपना फैसला बदलना पडेग़ा. बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने पुर्तगाली नागरिक संहिता के आर्टिकल 1867, 2184, 1565, 2177, 2016 पर मामले की जांच की.

इन प्रावधानों का मतलब समझिए

आर्टिकल 1565 में ये कहा गया है कि माता-पिता या दादा-दादी एक बच्चे की सहमति के बगैर दूसरे बच्चे को न तो संपत्ति बेच सकते हैं और न किराए पर दे सकते हैं. कोर्ट ने सुनवाई में साल 2012 के 'पेमावती बसु नाइक एंड ओआरएस' बनाम सुरेश बसु के मामले का भी जिक्र किया. बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा था कि इस मामले में भी आर्टिकल 1565 के तहत फैसला सुनाया गया था. जिसमें माता पिता को बच्चों की जानकारी के बगैर संपत्ति बेचे जाने को गैरकानूनी घोषित किया गया था. इसी तरह संहिता के अनुच्छेद 2177 में प्रावधान है कि एक संपत्ति के दो मालिक होने पर संपत्ति के किसी भी भाग में फेर बदल एक मालिक की मर्जी से नहीं किया जा सकता है. न्यायालय ने अपने फैसले में 1999 के जोस एंटोनियो फिलिप पासकोल दा पीडाडे कार्लोस डोस मिलाग्रेस मिरांडा बनाम अल्बानो वाज मामले का जिक्र किया. जोस एंटोनियो बनाम अल्बानो वाज मामले में अदालत ने कहा था कि अनुच्छेद 2177 के तहत दूसर मालिक की सहमति के बगैर एक मालिक संपत्ति को लेकर कोई भी फैसला नहीं कर सकता. कोर्ट ने ये कहा कि ये नियम सबसे पहले गोवा में लागू किया गया था. फैसले में कोर्ट ने कहा कि इस मामले में आर्टिकल 1565 और 1977 का उल्लंघन हुआ है. कोर्ट ने फैसला बेटी के पक्ष में सुनाया.

क्या बाप की संपत्ति में सिर्फ बेटों का ही अधिकार है ?

आमतौर पर हमारे समाज में बेटे को ही पिता का उत्तराधिकारी माना जाता है लेकिन साल 2005 के संशोधन के बाद कानून ये कहता है कि बेटा और बेटी को संपत्ति में बराबर हक मिलना चाहिए. साल 2005 से पहले तक हिंदू परिवारों में बेटे ही घर का कर्ता-धर्ता माना जाता था. इसलिए पैतृक संपत्ति के मामले में बेटी को बेटे जैसा दर्जा हासिल नहीं दिया जाता था. दिल्ली में वकील ज्योति ओझा ने बीबीसी को बताया कि 20 दिसंबर 2004 से पहले अगर किसी पैतृक संपत्ति का बंटवारा हो गया है तो उसमें लड़की का कानूनी तौर पर भी उस संपत्ति में हक नहीं बनेगा क्योंकि इस मामले में पुराना हिंदू उत्तराधिकारी अधिनियम लागू होगा. यह कानून हिंदू धर्म से जुड़े लोगों के अलावा बौद्ध, सिख और जैन समुदाय के लोगों पर भी लागू होता है.

पैतृक संपत्ति का मतलब समझिए

आमतौर पर किसी भी पुरुष को अपने पिता, दादा या परदादा से उत्तराधिकार में जो संपत्ति मिलती है उसे पैतृक संपत्ति कहते हैं. यानी बच्चा जन्म के साथ ही पिता की पैतृक संपत्ति का अधिकारी हो जाता है. संपत्ति दो तरह की होती है. पहली खुद से कमाई हुई यानी स्वर्जित संपत्ति, दूसरी विरासत में मिली हुई जिसे पैतृक संपत्ति कहते हैं.

पैतृक संपत्ति में कौन होता है हिस्सेदार

कानून के मुताबिक किसी व्यक्ति की पैतृक संपत्ति में उनके सभी बच्चों और पत्नी का बराबर का अधिकार होता है. इसे ऐसे समझे कि अगर किसी परिवार में एक शख्स के तीन बच्चे हैं, तो पैतृक संपत्ति का बंटवारा पहले तीनों बच्चों में होगा. फिर तीसरी पीढ़ी के बच्चे अपने पिता के हिस्से में अपना हक ले सकेंगे. तीनों बच्चों को पिता की संपत्ति का एक-एक तिहाई हिस्सा मिलता है और उनके बच्चों और पत्नी को बराबर-बराबर हिस्सा मिलेगा. वहीं मुस्लिम समुदाय में पैतृक संपत्ति का मालिकाना हक तब तक दूसरे को नहीं मिलता जब तक अंतिम पीढ़ी का शख़्स जिंदा हो.

कब मिलता है बेटियों को पिता की संपत्ति में हिस्सा

एक पिता की खुद से अर्जित की गई संपत्ति में बेटी और बेटों को उसके मरने के बाद ही अधिकार मिलता है. हिंदुओं के मामले में हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम लागू होता है और मुसलमानों के मामले में मुस्लिम पर्सनल लॉ लागू होता है. हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 के तहत बेटे और बेटी को बराबर का अधिकारी माना है.

बेटी शादी के बाद भी पिता की संपत्ति की हकदार होती है

मुसलमानों में मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने बेटी को बेटे से कम अधिकार दिया गया है, लेकिन आजकल न्यायालय इस अवधारणा को नहीं मान रहा है. मुस्लिम बेटियों को भी भारत के कानून भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम का इस्तेमाल करके बेटी को बराबर हक दिलवाया जा रहा है.

बेटियों को कब नहीं मिलता है उत्तराधिकार

कुछ मामलों में बेटियां पिता की संपत्ति की उत्तराधिकारी नहीं भी होती हैं. जैसे कि अगर कोई बेटी खुद को उत्तराधिकार में मिले हक को त्याग कर दे. ऐसे में संपत्ति भले ही उसके पिता की खुद की अर्जित संपत्ति हो या फिर उसके पिता को ये संपत्ति विरासत में ही क्यों ना मिली हो. अगर बेटी में अपने हिस्से का त्याग कर दिया है और किसी पक्षकार को रिलीज डीड लिख दी है और उस रिलीज डीड को रजिस्टर्ड भी करवा दिया गया है तो बेटी किसी भी संपत्ति पर मालिकाना हक नहीं जता सकती है. जब पिता अपनी संपत्ति बेटों को वसीयत कर दे अगर कोई पिता खुद की कमाई सारी संपत्ति को बेटों के नाम वसीयत कर दे और वसीयतनामें में बेटियों को पूरी तरह से खारिज कर दे साथ ही पिता अपने वसीयत को रजिस्टर्ड भी करवा ले तो पिता के न रहने के बाद बेटियों का संपत्ति में किसी भी तरह का कोई कानूनी हक नहीं माना जाता है.

जंगल में छोड़े गए सगे भाई एल्टन और फ्रेडी

दोनों चीते मिलकर करते हैं शिकार,बांटकर खाते हैं

श्योपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से आए चीतों में से दो और मेल चीतों को बड़े बाड़े से खुले जंगल में शाम को साढ़े छह बजे छोड़ दिया गया है, छोड़े गए चीतों में एल्टन और फ्रेडी शामिल हैं। बता दें नामीबिया से आए आठ चीतों में से बचे हुए चार चीते को जल्द ही खुले जंगल में छोड़ दिया जायेगा। जानकारी के अनुसार छोड़े गए चीते बेहतर शिकार कर रहे हैं। अहेरा गेट के पास काफी समय बाद औबान चीता देखा गया और चार से छड़ किमी के क्षेत्र में चीते घूम रहे हैं। कूनो नेशनल पार्क में छोड़े गए चीते एल्टन और फ्रेडी दोनों सगे भाई हैं। खास बात

यह है कि दोनों एक साथ शिकार करते हैं और मिल बैठकर खाते हैं। कूनो में नामीबिया से आठ और दक्षिण अफ्रीका से 12 यानी कुल 20 चीते लाए गए हैं। बड़े बाड़े से चार चीतों को खुले जंगल में रिलीज किया जा चुका है। इनमें तीन नर हैं। कूनो के अधिकारी जल्द ही नामीबिया के चीतों को भी रिलीज करेंगे। एक मादा चीता शाशा किडनी में इन्फेक्शन की वजह से डॉक्टरों की देखरेख में है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका से लाए गए 12 चीतों का क्वारंटाइन पीरियड पूरा हो चुका है। अब इन्हें भी जल्द ही बड़े बाड़े में रिलीज किया जाएगा। जहां निश्चित अवधि तक रखे जाने के बाद चीता टास्क फोर्स के अधिकारी संतुष्टि जाहिर कर देंगे, तब उन्हें भी खुले जंगल में छोड़ा जाएगा। जल्द ही पर्यटकों को चीतों का दीदार होने लगेगा।

ग्वालियर में भूकंप रिक्टर स्केल पर चार मापी गई तीव्रता, जान बचाने भागे लोग

ग्वालियर, 24 मार्च (एजेंसियां)। ग्वालियर जिले में आज सुबह साढ़े दस बजे भूकंप के झटके आये। रिक्टक स्केल पर भूकंप की तीव्रता चार आंकी गई है। मौसम विभाग ने इसका केंद्र ग्वालियर से 28 किमी दूर दक्षिण पूर्व में बताया है। पहला मौका है जब भूकंप का केंद्र ग्वालियर में रहा। भूकंप आने को लेकर मौसम विभाग या प्रशासन को कोई खबर नहीं है, क्योंकि मौसम विभाग के पास इसके विश्लेषण का कोई इंतजाम नहीं है।दिल्ली के मौसम विभाग ने ग्वालियर में चार रिक्टर स्केल की क्षमता वाले भूकंप के केंद्र बिंदु होने की सूचना दी। बता दें, दो दिन पहले जब एनसीआर में भूकम्प के झटके आये थे,

नाले में मिला नवजात बच्ची का शव

मां बोली-दफनाने की जगह नहीं मिली, 200 रुपये में मासूम की लाश को फिकवाया

शिवपुरी, 24 मार्च (एजेंसियां)। शिवपुरी में जिला अस्पताल के पास स्थित एक नाले के पास गुरुवार को एक नवजात बच्ची का शव मिलने से सनसनी फैल गई। यहां पर नाले के किनारे यह शव आसपास के लोगों को दिखा। इसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि नवजात बच्ची के पैर पर लगी पट्टी पर रामदेवी लिखा हुआ था। ऐसे में स्थानीय लोगों व पुलिस ने यह संभावना जताई कि पास में ही जिला अस्पताल में इस बच्ची का जन्म हुआ होगा। इसके बाद पड़ताल की गई तो पता चला कि इस नवजात बच्ची का जन्म जिला अस्पताल में हुआ था। नवजात बच्ची के पैर पर लगी पट्टी पर उसकी मां का नाम रामदेवी लिखा हुआ था। इस आधार पर पड़ताल की तो जिला अस्पताल में पदस्थ डॉ. दिनेश मंगल ने बताया कि जिले के नया आमोला की रहने वाली प्रसूता रामदेवी पत्नी गिरीश लोधी ने 20 मार्च को सुबह 6 बजकर 8 मिनट पर बच्ची को जन्म दिया था। जन्म के बाद बच्ची की हालत खराब थी और इसे बाद में एसएनसीयू में भर्ती कराया गया। यहां पर उपचार के दौरान रात 8 बजकर 50 मिनट पर मौत हो गई। बच्ची की मौत के बाद उसका शव पिता को दिया गया था। बच्ची का शव मिलने के बाद शिवपुरी कोतवाली टीआई अमित भदौरिया ने बताया कि नवजात बच्ची मृत अवस्था में मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शिवपुरी में अमानवीय हालातों में मिली बच्ची के पैर में बंधी पट्टी में उसकी मां का नाम लिखा था। इसी नाम को सर्च करते हुए कोतवाली पुलिस बच्ची की मां तक पहुंची। बच्ची की मां का कहना है कि बेटी की मौत के बाद वे कई घंटे शव को लेकर घूमते रहे, लेकिन दफनाने की कोई जगह नहीं मिली, रात में एक लड़के ने 200 रुपये लेकर उसे नाले में दफनाया था। नाले में मृत अवस्था में मिली नवजात बच्ची के परिजनों से बात की गई तो उसने बताया कि 20 मार्च की रात अस्पताल प्रबंधन ने बेटी का शव मेरे पति को सौंपा। उन्होंने हमें यह नहीं बताया कि बॉडी को कहां दफनाना है। बाद में एक युवक मिला इसके बाद उसने 200 रुपये लिए और शव को पास के नाले के पास ही मिट्टी में दबा दिया।

झूला झूलते समय गर्दन में रस्सी फंसने से नाबालिग की मौत

दमोह, 24 मार्च (एजेंसियां)। दमोह जिले के कुम्हारी थाना के कुलुआ गांव में 14 वर्षीय बालिका की झूला झूलते समय रस्सी में गर्दन फंस गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घर के लोग बाहर निकले तो बच्ची झूले की रस्सी से लटकी थी, अस्पताल ले जाने पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला जांच में लिया है। 14 वर्षीय बालिका दुर्गा पिता लख्खू अहिरवार निवासी ग्राम कुलुवा कक्षा आठवीं में पड़ती थी। मृतिका के भाई दान से बताया की उसके घर के बाहर बिही के पेड़ से बंधी रस्सी से बहन झूला-झूल रही थी और घर के लोग अंदर थे।

भगोड़े अमृतपाल सिंह का देश की राजधानी की तरफ रवाना होने का शक, अलर्ट पर दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। खालिस्तान समर्थक भगोड़ा अमृतपाल सिंह पिछले सात दिन से फरार है. पंजाब पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अमृतपाल सिंह के दिल्ली की तरफ रवाना होने का शक है. बस के अलावा किसी अन्य वाहन के जरिए अमृतपाल का दिल्ली बॉर्डर में घुसने का पंजाब पुलिस ने शक जताया है. ऐसे में दिल्ली पुलिस भी अमृतपाल को लेकर अलर्ट हो गई है. पुलिस सूत्रों की मानें तो अमृतपाल ने पंजाब से हरियाणा तक पहुंचने में चार बार अपना हुलिया बदला. यही वजह रही कि वो पुलिस को चकमा दे गया. पंजाब पुलिस के मुताबिक़, अमृतपाल की आख़िरी लोकेशन हरियाणा ही पता चली थी और अब वह देश की राजधानी के प्रवेश करने की फिराक में है. अमृतपाल सिंह 18 तारीख़ को पंजाब पुलिस को हुलिया और गाड़ियां बदल चकमा देकर गांव की गलियों से हरियाणा 19 मार्च की सुबह पहुंचा. यहां वह रात को शाहबाद हरियाणा में रुका. बलजीत कौर पप्पलप्रीत को ढाई साल से जानती थी. बलजीत कौर को पता था कि अमृतपाल फ़रार है फिर भी उसने अमृतपाल को पनाह दी. हरियाणा के कुरुक्षेत्र शाहबाद क़स्बे का सीसीटीवी फ़ुटेज सामने आया है, जिसमें अमृतपाल काला छाता लेकर जाता नजर आ रहा है, जिसके पीछे कई राज्यों की पुलिस लगी हुई है. अमृतपाल सिंह की तलाश में जुटी पंजाब पुलिस का कहना है कि उन्होंने अब तक 207 लोगों को हिरासत में लिया है, जिसमें से सिर्फ़ 30 को गिरफ़्तार किया जाएगा. अन्य सभी को चेतावनी देकर छोड़ दिया जाएगा. पुलिस अमृतपाल के कुछ साथियों को गिरफ्तार कर असम की जेल में भी भेज चुकी है.

गजब है: चुनाव हारा तो भगवान की मूर्ति कर दी गायब

श्योपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। आपने सुना होगा कि लोग चुनाव हारने की रंजिश में कभी लाठी डंडों से हमला या मारपीट या फिर धमकाने या लड़ाई झगड़े करने जैसे निकालते है, लेकिन चुनावी रंजिश की यह खबर सुनकर आप भी सब हैरत में पड़ जाएंगे। ग्राम मतासुला में दो पक्षों के चुनाव में रामलखन मीणा भारी मतों से जीते थे, और गिर्राज मीणा को हार का सामना करना पड़ा, अब गिर्राज ने चुनावी रंजिश निकालने के लिए गांव में बने ठाकुरजी के मंदिर से भगवान की मूर्ति गायब कर दी और जब गांव वालों ने आसपास पूछा, मूर्ति को ढूंढा तो पता चला कि हारे हुए प्रत्याशी गिर्राज मीणा ने ठाकुर जी की मूर्ती को एक कमरे में ताले में बंद करके रख दिया है। ग्रामीणों पर आरोप भी लगाया है कि मुझे गांव में किसी ने वोट नहीं दिया तो में क्यूँ तुम सब लोगों को पूजा से वंचित न रखूं। ऐसे में पूरा गांव मंदिर में पूजा अर्चना और दर्शन से वंचित रह गया, महिलाएं जो भगवान के सामने बैठकर भजन कीर्तन करती थी, वह अब खाली पड़े मंदिर में भगवान की मूर्ति वापस आने का इंतजार कर रही हैं। अब ग्रामीणों ने थक हार कर जिला प्रशासन से खाली पड़े मंदिर में भगवान की मूर्ति वापस लाने की गुहार लगाई है। मामला रघुनाथ जी महाराज की मूर्ति का है। अब ग्रामीणों की मांग है की वर्षों पुराने मंदिर में ठाकुर जी जैसे विराजित थे, वैसे ही फिर उसी मंदिर में उनकी मूर्ति रखी जाए, जिससे ग्रामीण एवं आसपास के दर्शनार्थी हमेशा की तरह मंदिर में जाकर भगवान की पूजा अर्चना और दर्शन कर सकें।

कर्नाटक में पतन की ओर जा रही बीजेपी

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष का बड़ा हमला

बेंगलुरु, 24 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक में चंद महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं और सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी फिर से जहां सत्ता पर पकड़ बनाने की कोशिश में लगी है, तो वहीं कांग्रेस की कोशिश सत्ता में लौटने की है. बीजेपी के लिए पीएम नरेंद्र मोदी समेत शीर्ष नेताओं की ओर से कर्नाटक का लगातार दौरा किया जा रहा है. तो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार ने कहा कि हम फिर से कर्नाटक में अपना गौरव देखना चाहते हैं. कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने भारतीय जनता पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि कर्नाटक में उनकी पार्टी का पतन हो जाएगा. यह खत्म होने की कगार पर है. बीजेपी के लोग सिर्फ सभी नेताओं और ठेकेदारों

को ब्लैकमेल करने की कोशिश में लगे हैं. उन्होंने पार्टी की फिर से जीत की उम्मीद करते हुए कहा कि हम कर्नाटक के लोगों के साथ हैं और लोग हमारे साथ हैं. उनकी आवाज ही हमारी आवाज है. हम कर्नाटक में फिर से अपना गौरव देखना चाहते हैं. शिवकुमार ने बीजेपी पर हमला करते हुए कहा कि बीजेपी एससी और एसटी समुदाय के लोगों के हितों को लेकर कतई गंभीर नहीं है. बीजेपी कर्नाटक के लोगों को धोखा दे रही है. कांग्रेस राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए जी-तोड़ कोशिश में जुटी है. 2 दिन पहले पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार ने जानकारी देते हुए बताया था कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवारों की पहली सूची इस हफ्ते में जारी की जा सकती है. प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष कुमार ने बताया कि पहले इस लिस्ट को बुधवार को ही जारी करनी थी, लेकिन उसे कुछ समय के लिए टाल दिया गया. लिस्ट जारी करने में हुई देरी को लेकर शिवकुमार ने बुधवार को कहा था, "पार्टी ने उम्मीदवारों की पहली सूची आज (बुधवार) जारी करने जा रही थी, पार्टी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला अभी यहीं पर हैं. साथ में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी यहां पर आए हुए हैं. लिस्ट को एक-दो दिन के अंदर में जारी कर दिया जाएगा." दूसरी ओर, कर्नाटक में भी चुनाव से पहले पार्टी बदलने का खेल जारी है.

पिछले दिनों कर्नाटक विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा देने वाले बीजेपी नेता बाबूराव चिंचानसुर कांग्रेस में शामिल हो गए. वह बुधवार को कांग्रेस में शामिल हुए. चिंचानसुर ने 4 साल पहले 2019 के लोकसभा चुनाव में गुलबर्गा लोकसभा सीट से कांग्रेस के वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की हार में अहम भूमिका निभाई थी. चिंचानसुर से करीब दो हफ्ते पहले एक अन्य बीजेपी विधायक पुत्तन्ना ने भी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस में शामिल हो गए.

'चोर को चोर कहना गुनाह हो गया'

राहुल गांधी की सदस्यता रद्द होने पर उद्धव का कटाक्ष

मुंबई, 24 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द कर दी गई है. लोकसभा सचिवालय की ओर से राहुल गांधी को लोकसभा के सांसद होने के लिए अयोग्य ठहरा दिया गया है. गुजरात के सूरत सेशंस कोर्ट ने मानहानि मामले में उन्हें दो सालों की सजा सुनाई. इसके बाद बीजेपी सांसदों की ओर से लोकसभा में उनकी सदस्यता रद्द करने की मांग की गई. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिर्ला ने इस मांग को स्वीकार कर लिया. इस फैसले पर कटाक्ष करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा है कि इस देश में अब चोर को चोर कहना गुनाह हो गया है. राहुल गांधी की सदस्यता रद्द करने की मांग के लिए जनप्रतिनिधि कानून का आधार लिया गया. यह कहा गया कि कोई भी सदस्य आरोप सिद्ध होने के बाद सदस्य रहने योग्य नहीं है. वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने चार साल पहले कर्नाटक की एक चुनाव प्रचार सभा में कहा था कि हर चोर के नाम के साथ मोदी क्यों जुड़ा हुआ है. दरअसल राहुल गांधी ने करोड़ों का घोटाला करके भागने वाले नीरव मोदी और ललित मोदी का जिक्र किया था. लेकिन उनका अप्रत्यक्ष हमला पीएम मोदी पर था. उन्होंने मोदी सरनेम का इस्तेमाल किया था. इसे प्रधानमंत्री की मानहानि और मोदी नाम के पिछड़े समुदाय के लिए दुर्भावना से प्रेरित समझा गया और इसके खिलाफ गुजरात के एक बीजेपी विधायक पुरनेश मोदी ने सूरत कोर्ट में याचिका दायर की. आज उस मामले में सूरत कोर्ट ने राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई. इसी मुद्दे पर राहुल गांधी की सदस्यता रद्द की गई.

'यह देश में तानाशाही के अंत की शुरुआत, बस लड़ाई को दिशा देने की जरूरत 'उद्धव ठाकरे ने इस मामले में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि चोर को चोर कहना अपने देश में गुनाह ठहराया गया है. चोर और देश को लूटने वाले आज भी छुट्टी घूम रहे हैं और राहुल गांधी को सजा सुनाई गई है. लोकतंत्र का यह हत्याकांड है. सभी सरकारी संस्थाएं दबाव में हैं. तानाशाही के अंत की यह शुरुआत है. सिर्फ लड़ाई को दिशा देने की जरूरत है.

'जब कोर्ट में जज को बदला गया, तभी पता चल गयाजो हुआ, उसमें अचरज क्या'

ठाकरे गुट के सांसद अरविंद सावंत ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें इस कार्रवाई से हैरत नहीं हुई और ना ही सूरत कोर्ट के फैसले से कोई अचरज हुआ. उन्होंने कहा यह तो होना ही था. सूरत कोर्ट में जब न्यायमूर्ति को बदला गया, तभी यह तय हो गया था. उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए ठाकरे गुट कांग्रेस के साथ खड़ा है. साथ ही अरविंद सावंत ने यह भी कह दिया कि जो तत्परता राहुल गांधी के खिलाफ कोर्ट ने दिखाई वो तत्परता अगर शिवसेना के केस को लेकर दिखाई जाती तो अच्छा होता. जब शिवसेना के 16 विधायकों की विधायकी रद्द करने का मामला आता है, तब तत्परता नहीं दिखती.

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 25 मार्च- 2023

आर्थिक मंदी की तरफ दुनिया !

आर्थिक मंदी के संकेत

- विश्व बैंक ने कहा- दुनिया को आर्थिक मंदी की तैयारी कर लेनी चाहिए
- गूगल, अमेजन, एपल, फेसबुक जैसी बड़ी कंपनियों ने नौकरी कम की
- अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई देशों में महंगाई दर में रिकॉर्ड इजाफा

मार्च के पहले पखवाड़े में ही अमेरिका के दो प्रमुख बैंकों- सिग्नेचर बैंक और सिलिकान वैली बैंक के डूबने की खबरों ने दुनिया भर के शेयर बाजारों ने गोता खाना शुरू कर दिया। उधर क्रेडिट सुइस नाम के वित्तीय संस्थान में भी जागी कुछ अनिश्चितताओं ने तो सबको चिंतित कर दिया। यूरोप के कई बैंकों की आर्थिक स्थिरता पर इसका असर पड़ा और इसने उन लोगों में आशंका पैदा कर दी, जिनके वित्तीय हित किसी भी बैंकिंग संस्थान से जुड़े हैं। उल्लेखनीय है कि कई महीने पहले विश्व मुद्रा कोष और कुछ अर्थशास्त्रियों ने आशंका जता दी थी कि 2023 में दुनिया एक बार फिर आर्थिक मंदी झेलने को मजबूर हो सकती है। क्या सचमुच ऐसा होगा?

पाकिस्तान, श्रीलंका की खराब हालात के बाद अब ब्रिटेन में भी महंगाई से लोग त्रस्त

दुनिया कुछ समय पहले ही एक वैश्विक महामारी से उबरी है। कुछ ही दिन बीते जब श्रीलंका में जनता सत्ता के खिलाफ सड़कों पर थी, पाकिस्तान में भी हालात काबू में नहीं हैं। ब्रिटेन में लोग महंगाई से त्रस्त हैं। रूस और यूक्रेन के बीच साल भर पहले शुरू हुए युद्ध में अब दूसरी ताकतें भी कूदती नजर आ रही हैं। खबर है कि अमेरिका, जिसने यूक्रेन को सैन्य मदद दी है, के कट्टर विरोधी देशों रूस, चीन और ईरान ने ओमान की खाड़ी में संयुक्त युद्धाभ्यास शुरू कर दिया है। क्या यह किसी बड़े विप्लव का संकेत है?

याद कीजिए कि 1930 की महामंदी के पहले भी कुछ ऐसे ही हालात थे। बस, वित्तीय संस्थानों के डूबने, महामारी और युद्ध के माहौल के क्रम में कुछ तब्दीली है। सन 1914 से 1918 के बीच पहला विश्वयुद्ध लड़ा गया था। युद्ध खत्म ही हुआ था कि स्पेनिश फ्लू की महामारी फैल गई, जिसमें करीब पांच करोड़ लोगों की जान चली गई। उसके बाद हालात सुधरे तो आर्थिक संपन्नता के मुक्त उल्लास के दिन आए। 1920 के दशक में अमेरिका में पूंजीवाद का उत्थान हुआ। लोग गांव छोड़ कर शहरों की तरफ जाने लगे। उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति बढ़ गई। हर पांचवें घर के बाहर एक नई कार खड़ी हो गई। दरअसल, बैंकों ने लोगों को खुल कर ऋण बांटे थे।

पूंजी बाजार में उतार-चढ़ाव से आम आदमी के लिए खतरा बढ़ा

1920 के दशक में अमेरिका में आई आर्थिक समृद्धि के पीछे एक और कारण था पूंजी बाजार। लोग पैसा लगा कर अपनी राशि को बढ़ते हुए देखने के आदी हो गए। आज भी यह निवेश का एक बड़ा बाजार है। हर आर्थिक वर्ग का आदमी शेयर बाजार में पैसा लगाकर सुनहरे भविष्य के सपने संजोए खड़ा है। अच्छे दिनों के सपने देखना बुरा भी नहीं है, लेकिन दिक्कत तब होती है जब अप्रत्याशित तरीके से शेयर बाजार औंधे मुंह गिर जाता है और कम पूंजी वाले लोग ऐसे भंवर में घिर जाते हैं कि उन्हें बाहर निकलने का रास्ता नजर ही नहीं आता। बैंक अपनी स्थितियों को मजबूत करने के लिए ब्याज दर बढ़ाते हैं, महंगाई बढ़ती रहती है, मुद्रा स्फीति लोगों की उम्मीदों को आंखें दिखाने लगती है।

आंकड़ों से छले जाते लोग, तरक्की की राह पर चल रहे देश को भूख, गरीबी और बेरोजगारी से निजात कब?

1920 के दशक में अमेरिका में आर्थिक उथल- पुथल मची तो अगस्त 1929 तक पहुंचते-पहुंचते बैंकों पर इतना कर्ज चढ़ गया कि उन्हें चुकाना मुश्किल लगने लगा। बाजार में ऋण का प्रवाह कम हुआ तो लोगों की खरीदने की क्षमता कम हुई। इससे उत्पादन घटाना पड़ा। बेरोजगारी बढ़ने लगी। महंगाई को तो बढ़ना ही था। हालात कठिन होते देख कर निवेशकों ने इतने शेयर बेच दिए कि पूंजी बाजार ध्वस्त हो गया। यह प्रवृत्ति बढ़ती गई। आर्थिक हालात बिगड़े तो कई कारखाने बंद हुए। नतीजा यह हुआ कि बेराजगारी चरम पर पहुंच गई। उधार लेकर शान की जिंदगी जीने वाले परिवार कर्ज की दलदल में धंस गए। किसानों के पास खड़ी फसल कटवाने के लिए मजदूरी देने के पैसे नहीं थे।

इस तरह एक तरफ अनाज खेतों में नष्ट हो गया, तो दूसरी तरफ 1930 में अकाल पड़ गया। लोग सरकार की तरफ मदद की आस लगाए देखने लगे। मगर तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति हरबर्ट हूवर लोगों को झूठी दिलासा देते रहे कि यह आर्थिक संकट जल्दी ही खत्म हो जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार का काम नौकरियां पैदा करना या आर्थिक सहयोग देना नहीं है। लोग उनसे नाराज हो गए और परिणाम यह हुआ कि 1933 में अमेरिका की कमान फ्रेंकलिन रूजवेल्ट को दे दी गई। धीरे-धीरे रूजवेल्ट ने कुछ पहल की और हालात सुधरे। मगर तब तक इस महामंदी का असर ब्रिटेन, जर्मनी, कनाडा, जापान और भारत तक फैल चुका था।

1930 की आर्थिक मंदी ने दुनिया को एक नया राजनीतिक तेवर भी दिखाया। मंदी के दौरान लोगों में क्षेत्रीयता बढ़ी। कई देशों में कट्टरपंथी राजनीतिक विचारों को लोगों का समर्थन मिला। यही कारण है कि जर्मनी में उन्हीं दिनों हिटलर का उदय हुआ। 1932 के चुनावों के बाद हिटलर की नाजी पार्टी जर्मनी की संसद में पहुंचने वाली सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी। जब अलग-अलग समूहों की कट्टरता बढ़ती है, तो उनके हित टकराते हैं। ऐसी स्थितियां अगर समय रहते न संभाली जाएं तो विकट युद्ध का रूप धारण कर लेती हैं। वही परिस्थितियां सन 1941 में दूसरे विश्वयुद्ध का कारण बनीं।

एक बार फिर अमेरिका में महत्त्वपूर्ण बैंक डूबे हैं। लोगों को डर है कि कहीं यह वित्तीय संस्थानों के दरकने के सिलसिले की शुरुआत न हो। इसके पहले कई बड़ी कंपनियां अपने कर्मचारियों की छंटनी कर चुकी हैं। जर्मनी, आस्ट्रिया, फ्रांस, हंगरी, इटली और स्पेन जैसे देशों में भी कट्टरवादी राजनीतिक ताकतों ने अपना वर्चस्व बढ़ाया है। मुद्रास्फीति का हाल यह है कि जनवरी 2023 में ही तुर्की की मुद्रास्फीति की दर 55 प्रतिशत से अधिक थी। पिछले अनुभवों को देखते हुए ये स्थितियां आशंकित करती हैं, क्योंकि एक साल की बंदी के बाद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष पहले ही चेतावनी दे चुका है कि इसका असर महामंदी जैसा हो सकता है। सन 2008 में भी मंदी की शुरुआत अमेरिका से ही हुई थी। उस साल वहां की नामी वित्तीय कंपनी लेहमन ब्रदर्स दिवालिया हुई, तो दुनिया भर में उथल-पुथल मच गई थी। उस समय निवेशकों को जितना नुकसान हुआ, वह राशि भारत के सकल घरेलू उत्पाद के बराबर थी

सन 2008 में आई मंदी का असर भारत पर अपेक्षाकृत कम देखने को मिला था, क्योंकि आम भारतीय अब भी अपनी कमाई में से छोटी-छोटी बचत करने का आदी रहा है।

आज भी रसोई के किसी कनस्तर में गृहणी द्वारा बचा कर रखा गया धन देखने को मिल सकता है। बच्चों की गुल्लक में, छोटी आवर्ती जमा योजनाओं में हमारी बचत इतराती है। यह अलग बात है कि अब बड़े संकट में यह राशि बहुत छोटी प्रतीत होती है। नौकरीपेशा आदमी आयकर बचाने के लिए राष्ट्रीय बचत पत्र, किसान बचत पत्र, पीपीएफ जैसी योजनाओं में निवेश करता हैं और कठिन दिनों के लिए अपना आधार तैयार करता है।

बचत का यह स्वभाव भारतीय मध्यवर्ग के अंतस में बहुत गहरे तक पैठा है। पर चिंता की बात यह भी है कि पिछले कुछ दशकों में दुनिया भर में कर्ज लेकर सुख-सुविधाएं जुटाने की प्रवृत्ति बढ़ी है। भारत में भी ऋण लेकर भौतिक सुविधाओं का अर्जन अब उतना बुरा नहीं माना जाता, जितना आज से चार या पांच दशक पहले तक माना जाता था। समय बताएगा कि दुनिया धीरे धीरे आर्थिक मंदी के शिकंजे में फंस रही है या अमेरिका के बड़े वित्तीय संस्थानों पर आया यह संकट केवल दुर्योग है?

संक्रमण पर सतर्कता जरूरी

जब सरकार ने दावा किया था कि देश के अधिकांश लोगों को कोरोना संक्रमण की टीका लगाया जा चुका है तभी से लोग खुद को सुरक्षित महसूस करते हुए मास्क लगाने और आपस में दूरी बनाकर रखने से परहेज करने लगे हैं। अब एक बार फिर विशेषज्ञों ने चेताया है कि तनिक भी लापरवाही घातक सिद्ध हो सकती है। बहरहाल, इन्फ्लूएंजा और कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकार सतर्क हो गई है। पीएम नरेंद्र मोदी ने आनन-फानन में इसके लिए उच्चस्तरीय बैठक बुलाई और संबंधित महकमों को किसी भी तरह की लापरवाही से न बरतने की अपील की। साथ ही मुस्तैदी के साथ जांच बढ़ाने और कोरोना बहुरूपों पर नजर रखने की हिदायत दी है। अच्छी बात है कि समय रहते सरकार ने चौकसी बरतनी शुरू कर दी है। राहत की बात है कि भारत में कोरोना संक्रमण की दर दूसरे देशों की तुलना में काफी कम है। फिर भी हर दिन आठ से नौ सौ के बीच मामले दर्ज हो रहे हैं। इससे इस बात का स्पष्ट संकेत है कि कोरोना का प्रकोप अभी टला नहीं है। जरा सी लापरवाही खतरनाक रूप ले सकती है। अभी इसलिए भी कम मामले दर्ज हो रहे हैं कि कोरोना की लहर थम जाने के बाद अस्पतालों में जांच वगैरह में शिथिलता आ गई थी। जब इन्फ्लूएंजा का प्रकोप बढ़ना शुरू हुआ और जांचें होने लगीं तब कोरोना के भी मामले आने लगे। गनीमत है कि अभी इसके खतरनाक रूप लेने के प्रमाण नहीं मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग के लिए इस आधार पर किसी भी तरह की लापरवाही बरतने की छूट नहीं मिल सकती। भारत ही वह देश है जिसने कोरोना की खतरनाक लहर के वक्त भी उस पर काबू पाने में सफलता हासिल की थी, जबकि तब कोरोना के टीके उपलब्ध नहीं थे। देश उस त्रासद अनुभव को काफी पीछे छोड चुका है। अब तो इस पर काबू पाने के उपाय मौजूद हैं। दवाएं उपलब्ध हैं। कोरोना से निपटने में किसी तरह की अड़चन नजर नहीं आती। मगर समस्या लोगों की आदतों में आए बदलाव की जरूर है। कोरोना की लहर थमने के साथ ही लोग कोरोनोचित व्यवहार छोड़ कर फिर से पुराने ढर्रे पर लौट आए हैं। हाथ धोना, नाक-मुंह न ढंकना, भीड़भाड़ वाले और सार्वजनिक स्थानों पर लापरवाही बरतना आदि आदतें फिर अपना ली गई हैं। इसके चलते कोरोना और इन्फ्लुएंजा के तेजी से फैलने की आशंका बनती जा रही है। हालांकि प्रधानमंत्री ने लोगों से अपील की है कि वे कोरोना से बचाव संबंधी उपायों पर पहले की तरह ही अमल करें, मगर इस दिशा में लोग कितने सतर्क होंगे, कहना मुश्किल है। पहले नाक-मुंह न ढंकने पर जुर्माने का प्रावधान था, फिर भी लोग खुले मुंह घूमने से बाज नहीं आते थे। अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि लोग किस कदर अपनी सुरक्षा के लिए जरूरी उपायों के पालन में भी लापरवाही बरतते हैं। ऐसे में स्वाभाविक ही स्वास्थ्य कर्मियों और दूसरे संबंधित कर्मचारियों पर अतिरिक्त जिम्मेदारी आ जाती है कि वे लोगों को संक्रमण से बचाव के लिए जागरूक बनाएं। जिन समस्याओं पर सामान्य नागरिक बोध और निजी जागरूकता से काबू पाया जा सकता है, यदि उसके लिए भी सरकार को कड़े कानून लागू करने पड़ें तो उसे जागरूक और जिम्मेदार समाज की निशानी नहीं कहा जा सकता। इसलिए सरकारी महकमों की सतर्कता के साथ-साथ आम लोगों से भी अपेक्षा है कि वे इस स्वस्थ रहना चाहते हैं तो निजी तौर पर सहयोग करें। संक्रामक बीमारियों से बचाव का सबसे कारगर तरीका यही है कि लोग खुद अपनी सुरक्षा करें। हालांकि देश की लगभग पूरी आबादी को कोरोना टीके की दोनों जरूरी खुराक दी जा चुकी हैं, बुजुर्ग और कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले बहुत सारे लोगों ने एहतियाती खुराक भी ले ली है। इसलिए अपेक्षा की जाती है कि पहले की तरह कोरोना का प्रभाव लोगों पर नहीं पडेगा। फिर भी बीमारी को खतरनाक रूप लेने में कितना समय लगता है? इसलिए आम नागरिकों की स्वयं की जिम्मेदारी है कि वे इससे बचने के लिए किसी भी उपाय को नजरंदाज न करें।

अंधा बाँटे रेवड़ी....

अंधा बाँटे रेवड़ी फिर-फिर अपनों को देय' - यह उक्ति आज भी उतनी ही सार्थक है जितनी उस समय रही होगी जब किसी ने इसके विषय में विचार किया होगा। इस उक्ति के एक-एक शब्द पर ध्यान दिया जाए तो स्पष्ट होता है कि मनुष्य मोह के कारण स्वार्थ में इतना अंधा हो जाता है कि उसे अपनों के अतिरिक्त और कोई भी दिखाई नहीं देता। इसीलिए बार-बार वह पक्षपात करता हुआ दूसरे योग्य लोगों के प्रति अन्याय करता है। राजनीति, धार्मिक स्थान, सामाजिक कार्य अथवा घर-परिवार आदि कोई भी स्थान हो, हर जगह मानवीय स्वार्थों का ही बोलबाला रहता है। जो कुछ भी पद, कोटा, विशिष्ट कार्य या सम्मान देना है, उसके लिए वही लोग दिखाई देते हैं जो हमारे स्वार्थ की कसौटी पर खरे उतरते हैं अथवा जो भविष्य में किसी भी रूप में हमारे लिए महत्त्वपूर्ण सिद्ध हो सकते हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि दूर की कौड़ी देखकर ही तो सारे खेल खेले जाते हैं। तब ऐसा सब करते हुए मनुष्य अपने मान-सम्मान को भी दाँव पर लगा देता है। उसे यह भी परवाह नहीं रहती कि समाज उसके इस कृत्य के लिए आलोचना करेगा अथवा पानी पी-पीकर उसे कोसेगा। उसके विरोधियों को उसके ऊपर कीचड़ उछालने का मौका मिल जाएगा। आजकल सोशल मीडिया, टीवी व समाचार पत्रों की सुर्खियों में ऐसे कृत्य चर्चा में रहते हैं। विविध टीवी चैनलों पर उनके लिए चर्चाएँ की जाती हैं। कोई भी परिणाम चाहे निकले या न निकले पर वहाँ लम्बी-लम्बी बहस होती हैं। हर विरोधी अपने दूसरे पक्ष पर कीचड़ उछालता हुआ अपने द्वारा लगाया आरोप सिद्ध करने का भरसक प्रयत्न करना चाहता है। ऐसा कार्य करने वाले चिकने घड़े के समान होते हैं जिन पर किसी भी बात का कोई प्रभाव नहीं पड़ता। वे अपनी पोल खुल जाने पर शर्मिन्दा नहीं होते बल्कि बस खीसें ही निपोरते रहते हैं। उसके बाद वे अपने ही विरोधियो को धोबी पछाड़ देने के तथाकथित महत्त्वपूर्ण कार्य में जुट जाते हैं। वे उन सभी तथ्यों को शीघ्र ही बटोरकर सहेज लेना चाहते हैं जिससे उनके विरोधी चारों खाने चित्त हो सकें और फिर वे अपने कुत्सित खेल को सफलता से खेल सकें। साम, दाम, दण्ड और भेद किसी का भी सहारा लेकर झूठ के महल पर वे अपने झण्डे गाढ़ना चाहते हैं। परन्तु मिट्टी की हाँडी की तरह झूठ की हाँडी भी बार-बार नहीं चढ़ती। कभी-कभी उन्हें भी इसका दण्ड भुगतना पड़ता है। वे अपने जिन पर उन्होंने आँख बन्द करके विश्वास होता है यदा कदा धोखा दे जाते है, तो उस समय स्थिति बहुत ही विकट हो जाती है। तब वे उनके रहस्यों को सार्वजनिक करने का प्रयास करते हैं और उनकी छवि धूमिल होती है। वैसे तो इस श्रेणी के लोग मोटी चमड़ी के होते हैं जिन पर इन सब बातों का प्रभाव न के बराबर पड़ता है। वे भूल जाते हैं कि समय बड़ा बलवान है वह किसी को नहीं छोड़ता। वह सबके साथ न्याय करता है। उसके सामने बड़े-बड़े भी धूल चाटते दिखाई देते हैं। जिन योग्य लोगों का हक मारकर वह अयोग्य अपनों को ऊपर उठाना चाहता है उनकी हृदय से उठी हुई हाय भी तो अपना रंग अवश्य दिखाएगी। अपनों को ऊपर अवश्य उठाइए परन्तु स्वार्थ में इतने अंधे मत हो जाइए कि उनके अतिरिक्त आपको कोई और दिखाई ही न दे। आप दीन और दुनिया सबको ही भूल जाएँ।

चन्द्र प्रभा सूद

क्रांति का तकाजा क्या है ? आज़ादी का अर्थ क्या है ?

कैसा विक्षोभ, वितृष्णा, विरूप, विकृति, विषाद की अनुभूति होती है आज ।23 मार्च 2023 शहीदे आजम का बलिदान दिवस था । समाजवाद के सूरज लोहिया की जयंती थी मगर अतीव ग्लानि होती है यह बोध होने पर कि बमुश्किल शून्य दशमलव एक प्रतिशत (केवल तीस हजार) भारतीय ही ब्रिटिश साम्राज्य से लड़े थे। तब (1930 में) भारत की आबादी तीस करोड़ थी। भूभाग विशाल था। तालुकेदार, जमींदार, राजे-रजवाड़े गोरे मालिकों के लिए शोषित किसानों से लगान वसूलते रहे। बाढ़ हो या सूखा। वे लोग आभूषित होते थे राय बहादुर, खान बहादुर, "सर", लार्ड आदि की फर्जी, ढोंगी उपाधियों से। संत तुलसीदास ने पांच सदी पूर्व ही ऐसी दास प्रजा के बारे में लिखा था : "को नृप हो हमें का हानि ?" गजनी, गोरी, बाबर जैसे बटमार ही का राज क्यों ना हो। मगर यह सवाल पिछली पीढ़ियों से सदा पूछा जाता रहेगा कि अगर विदेशी शासकों का सक्रिय विरोध संभव नहीं था अथवा खौफनाक था, तो उससे सहयोग तो कदापि नहीं करना चाहिए था। यही प्रश्न उठा था न्यायमूर्ति शाह आयोग के समक्ष 1977 में कि इंदिरा गांधी की हिंसक तानाशाही की आलोचना या भर्त्सना खुलकर क्यों नहीं कर सके ? बजाय झुकने के तानाशाह के सामने रेंगने क्यों लगे थे ? इन पहलुओं पर सदा विचार और मंथन होते रहना जरूरी है क्योंकि स्वतंत्रता की रक्षा में सतर्कता शाश्वत होनी चाहिए ताकि ऐसा खतरा फिर न उभरे। आज जब भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरु को लुके छिपे, गोपनीय रीति से चुपके से लाहौर जेल में फांसी पर चढ़ाने की घटना याद करते हैं तो हर भारतीय को शर्म, लाज, अवसाद, शोक भी होना चाहिए। सौ साल पुरानी आज की खबर को चेन्नई दैनिक "दि हिन्दू" आज भी प्रकाशित की है। इसकी पुरानी फाइलों से उद्धृत खबर कृपया नीचे फोटो में देखें। इसमे वर्णित है कि जलियांवाला बाग के इस हत्यारे सर माइकेल ओ डायर के नाम पर तब एक संस्थान की स्थापना की गई थी। इसका आयोजन किया था ब्रिटिश फौज के पंजाबी ठेकेदार सैय्यद वजीर अली ने। गवर्नर माइकेल ओ डायर के नामवाले इस समारोह का उद्घाटन तत्कालीन लेफ्टिनेंट गवर्नर सर एडवर्ड डग्लस मैकलागन ने किया था। उस दौर में सैय्यद वजीर अली नामक इस व्यापारी ने अंग्रेज सेना को रसद आदि की आपूर्ति का ठेका लिया था। आज उन्हीं के नाम पर (वजीर अली उद्योग समूह) एक विशाल व्यापारी साम्राज्य इस्लामी पाकिस्तान में फलफूल रहा है। तो यह मुस्लिम ठेकेदार वजीर अली हत्यारे गवर्नर माइकल ओ डायर के सेवक, गुलाम, झंडाबरदार रहे। उसी वक्त आम मुसलमान अली बंधुओं के नेतृत्व में खिलाफत आंदोलन द्वारा ब्रिटिश साम्राज्य के विरोध में संघर्ष कर रहा था। ये वजीर अली बाद में मोहम्मद अली जिन्ना के संपर्क में आए। विभाजित पंजाब में भी पलते रहे, ब्रिटिश-गुलाम पंजाब में तो थे ही। अतः आजाद भारत में आजादी के अमृत काल में नई पीढ़ी के युवजन तो यह सवाल पूछेंगे ही कि सम्पूर्ण भारत क्यों ब्रिटिश राज के विरुद्ध नहीं संघर्षरत था ? भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस जिसके पुरोधाओं ने आजाद भारत में (15 अगस्त 1947 के बाद) तीन दशक राजयोग भोगा, उनसे यह सवाल है। मसलन आजादी मिलने के बाद भी जवाहरलाल नेहरू क्यों अंग्रेजी शोषकों (माउंटबैटन कुटुंब) के भले बने रहे ? क्यों उनके चचाजान, भाई, भतीजे और अन्य नेहरू कुलनामधारी (बीके, आरके आदि) आई. सी. एस. में भर्ती होकर गोरों की गुलामी बजाते रहे ? तभी बापू का नारा था : अंग्रेजी राज को "न एक भाई, ना एक पाई" देना है। अर्थात संपूर्ण असहयोग। इसीलिए आज शहीद दिवस मनाने वाले और विशेषकर गोवा मुक्ति संग्राम के प्रथम प्रेणता लोहिया के लोग एक वाजिब मुद्दा उठाते हैं कि जिन लोगों ने अपने ही लोगों पर लाठी भांजी थी, गोली चलाई थी, उन्हें नेहरू काल में प्रश्रय क्यों मिला ? कृपापात्र कैसे बने रहे ? आत्मावलोकन करना होगा। साथ में प्रायश्चित भी। यहां सरदार उधम सिंह का उल्लेख अनिवार्य हो। यह क्रांतिवीर दशकों तक इंग्लैंड में छिपा रहा। मौका मिला तो कैक्स्टन हाल (लंदन) में इसी राक्षस माइकेल डायर को गोलियों से भून दिया था। फांसी पर हंसता हुआ चढ़ा था। यहां एक निजी प्रसंग भी जोड़ दूं ताकि मेरी आत्मा संतुष्ट हो सके। तेलुगुभाषी समाज में नियोगी ब्राह्मण बड़ी सीमित संख्या में हैं। अतः सजातीय वर-वधू मिलना बहुत दुश्वार होता है। तब मेरा पाणिग्रहण संस्कार होना था। एक शिक्षिता संपन्न युवती जो नियोगी अर्थात सजातीय हमवतनी थी से बात चली। मैंने स्वीकार नहीं किया। आत्मा ने गवाही नहीं दी। उसके पिता (मेरे प्रस्तावित ससुर) आई. सी. एस. के आला अफसर थे। शादी से मेरे इंकार करने से मेरे परिवारजन बड़े रुष्ट हुए। उनका तर्क था कि हम एक मध्यमवर्गीय, साधारण पृष्ठभूमि के लोग हैं। एक ऊंचे, अमीर खानदान की सजातीय वधू मिल रही है। मेरा जवाब बहुत सीधा और भावनात्मक था। क्योंकि मैं सेवाग्राम (बापू के दौर) में रहा था। गांधी जी के पैर छू चुका था। जब मेरे पिता ब्रिटिश राज में लखनऊ जेल में यातना भुगत रहे थे तो इस युवती के आईसीएस पिता कहीं कलक्टर होकर गांधीवादी सत्याग्राहियों पर लाठी भांज रहे होंगे, गोली चलवा रहे होंगे। भावनात्मक और वैचारिक विषमता के कारण हमारा वैवाहिक जीवन नरक हो जाएगा। फिर मैंने एक साधारण परिवार के काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफ़ेसर सीजी विश्वनाथन की कनिष्ठ पुत्री डॉ सुधा (रेल विभाग की चिकित्सका) से शादी की। वे लोग कुलपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के संबंधी रहे। आज मेरा सर ऊंचा है फख्र से। कारण यही कि जब 1942 का गांधीवादी स्वाधीनता आंदोलन चला तो मेरे पिता अगली पंक्ति में रहे। फिर जब तानाशाही के खिलाफ भारतीय जनता ने 1975-77 में दूसरी जंगे आजादी लड़ी तो मैं स्वयं पांच जेलों में यातना भुगतता रहा। मेरे बच्चे शान से कह तो सकते हैं कि उनके दादा पहली आजादी के लिए युद्धरत रहे। फिर तानाशाही आई (1975-77) तो पिता झुके नहीं, रेंगे नहीं। भारत को दोबारा मुक्त कराने के जनसंघर्ष में सैनिक रहे। आजादी का यही मतलब है।

-के. विक्रम राव

विलुप्ति की कगार पर है-पुरातन अनाज भंडारण व्यवस्था कोठ्यार

सुनील कुमार महला

भारत एक कृषि प्रधान और अनाज के मामले में आत्मनिर्भर देश है। अनाज भंडारण आज भी हमारे देश में एक विकट समस्या ही है और भंडारण की समुचित व्यवस्था न होने के कारण बहुत सा अनाज खराब हो जाता है। अन्न को वैसे भी भारतीय संस्कृति में ब्रह्म का दर्जा दिया गया है। आइए हम जानते हैं कि प्राचीन समय में हमारे यहाँ के किसान किस प्रकार से बुआई-कटाई से ले कर अनाज के भण्डारण तक की समुचित व्यवस्था करते थे, जिसे आज भी अपनाये जाने की आवश्यकता है, ताकि अनाज को खराब या बर्बाद होने से बचाया जा सके।प्राचीन समय से ही हमारी कृषि, पशुपालन के साथ ही हमारे देश की अनाज भंडारण व्यवस्था बहुत ही विकसित और उन्नत थी।सिंधु घाटी सभ्यता में अन्न भंडार हड़प्पा और मोहनजोदड़ो के शहरों में पाए गए थे। वास्तव में, सच तो यह है कि मोहनजोदड़ो और हड़प्पा की खुदाई से पता चला कि साढ़े चार हजार साल पहले सिंधु घाटी की सभ्यता में गेहूं की खेती हो रही थी और उस समय तब गेहूं के भंडारण की भी क्षमता प्राप्त कर ली गई थी। जानकारी मिलती है कि 2600 ईसा पूर्व आते आते नगरों की शुरुआत हो गई थी और इसी काल में लोगों ने बड़ी-बड़ी दीवारें और चारदीवारी बनाकर अनाज के भंडारण की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। यहाँ तक कि मिट्टी के बर्तन बनना भी अब तक शुरू हो चुके थे। वास्तव में, हमारी प्राचीन सभ्यता आहड़ (सभ्यता-संस्कृति) में अनाज रखने के बड़े मृदभांड (मिट्टी से बने बरतन) प्राप्त हुए हैं। इन मृदभांडों को 'गोरे बंकोठ' कहा जाता था। वैसे कालीबंगा पुरास्थल में 'जुते हुए खेत' मिले हैं। समय,काल व परिस्थितियों के साथ साथ हमारे देश की प्राचीन संस्कृति, धार्मिक परम्परा व रीति रिवाजों में आमूल चूल परिवर्तन आए हैं। लेकिन गांवों में आज भी कई रीति रिवाज व परम्पराएं सदियों से चली आ रही है। अनाज भंडारण परंपरा भी इनमें से एक है। अनाज भंडारण के लिए प्राचीन समय में टोकरियों, बोरियों और जार, मृदभांड आदि का उपयोग किया जाता था। कुछ समुदायों के पास एक अलग गोदाम(मिट्टी, गोबर, चिकनी मिट्टी, के लेप से बना) होता था जहाँ वे एक बड़े ढेर में अनाज रखते थे। प्राचीन काल में और आज भी बहुत से गांवों में बाजरा, गेहूं, मोंठ, मूंग व अन्य अनाजों को गोबर, चिकनी मिट्टी व लकड़ियों, घास-फूस से बनी कोठियों जिन्हें राजस्थान के ग्रामीण इलाकों विशेषकर चूरू,झुंझुनूं, सीकर(शेखावाटी) में 'कोठी' या 'कुठला' के नाम से जाना जाता है, में वर्षों तक सुरक्षित भंडारण किया जाता था। कोठी के अनाज में राख मिलाकर कीट-कीटाणुओं से बचाकर रखा जाता है। वहीं इसके निचले हिस्से में एक छेद रखा जाता है, जिससे अनाज को आवश्यकतानुसार उपयोग में लिया जाता है। कोठी के ऊपर के भाग से अनाज को रखा जाता है। राजस्थान के गांवों में आज भी अनेक स्थानों पर इन मिट्टी, गोबर, चिकनी मिट्टी के लेप से बनी कोठियों तीज-त्यौहारों व विभिन्न अवसरों पर इन पर मांडने(पशु-पक्षी,फूल-पत्तियाँ, बेल, मोर,रंगोली, हाथी अल्पना) बनाए जाते हैं। इस झोपड़ीनुमा अनाज कोठी(कुठला) को घास से ढ़ककर इसकी साज-सज्जा की जाती थी।

आकृति में यह बीच में से पेट की तरह मोटा, और ऊपर व नीचे से पतला रखा जाता था और इसका आधार जमीन पर टिका रहता था। राजस्थान के चूरू, सीकर, झुंझुनूं जिलों के साथ सरदारशहर(चूरू) में आज भी मिट्टी से बने कुठले देखने को मिल जायेंगे। वैसे प्राचीन समय में 'ओबरी' या 'ओबरों' में भी अनाज रखा जाता था लेकिन ओबरी में चार या पांच पाये होते हैं और ये पाये अंदर से थोथे (यानी कि खाली) रखे जाते थे और इनमें अनाज भर दिया जाता था। ओबरी के एक किवाड़(लकड़ी) भी रखा जाता था। प्राचीन समय में ओबरियों,कुठलों में बारिश व आंधी में भी अनाज सुरक्षित रहता है। चूहों से व अन्य जीव-जंतुओं से भी अनाज की सुरक्षा होती थी। स्थानीय भाषा में इन्हें 'कोठ्यार'(अनाज भंडारण गृह) कहा जाता है। वैसे आज भी गांव घरों में शादी-ब्याह में मिठाई रखे जाने वाले कमरों, स्थान को भी कोठ्यार कहा जाता है। राजस्थान ही नहीं पहाड़ी क्षेत्रों में भी इनमें(कुठलों, कोठ्यारों, ओबरों) धान, गेंहू, कोदू, झंगोरा, चौलाई या दालें सुरक्षित रखी जाती है। पहाड़ी क्षेत्रों में इन्हें (कोठ्यार) 'कोल्ड स्टोर' भी कहा जाता है।

इज्जत का दरवाज़ा

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

उसके घर बैंक वाले आए थे। लोन देने के लिए नहीं वसूलने के लिए। बहुत देर की जिरह के बाद उन्होंने उसके घर का दरवाज़ा उखाड़ दिया। उसे अपने साथ ले जाने लगे। मुझे लगा हो न हो इस दरवाज़े में कुछ खास है। इतने दिन उसके घर आया गया हूँ उधारी में बहुत सारी चीज़ें ली भी हैं, लेकिन कभी दरवाज़े पर ध्यान नहीं दिया। लंबवत आयताकार वाला दरवाज़ा सागवान की लकड़ी का बना हुआ था। एक अरसा हुआ उसे रंगे हुए लेकिन अभी भी मजबूत था। बैंक वाले दरवाज़ा क्या ले गए मानो उसकी जान ले गए। घर वाले छाती पीट-पीटकर रोने-बिलखने लगे। ये पुरानी चीज़ें भी कब कूड़ा-कचरे की कैटगरी से उठकर मीठी यादें बन जाती हैं, पता ही नहीं चलता। पुरानी चीज़ों का तिरस्कार बड़ा दुखदायी होता है, क्योंकि हर एक नई चीज़ कभी न कभी पुरानी पड़ती ही है। नए के चक्कर में पुराने से मुँह मोड़ना संवेदना की कमी का प्रतीक है। मैंने उससे पूछा कि बैंक वाले दरवाज़ा क्यों ले जा रहे हैं? तो उसने रोते हुए कहा – क्या बताऊँ तुम्हें कि मुझ पर क्या बीत रही है? मैंने बैंक वालों से एक लाख रुपए का कर्जा लिया था। कर्जा देते समय उन्होंने मुझे मुस्कुराते हुए लाख हिदायतें दी थीं कि समय पर कर्जा चुका देना। वरना ब्याज बढ़ने का चक्कर हमेशा बना रहता है। ब्याज और लड़की देखते-देखते बढ़ जाते हैं। मैं फसल के भरोसे था। असमय बरसात के चलते सारी फसल बर्बाद हो गई। सरकार ने इस नुकसान की भरपाई के लिए मुआवजा दिया। उसमें मैं नहीं था। वह क्या था कि उनकी नजर में गरीबों की फसल कभी बर्बाद नहीं होती, होती है तो केवल अमीरों की। मुआवजा अमीरों को मिला और मुझे लानत। कमाल की बात तो यह थी कि मुआवज़ा उन अमीरों को भी मिला जिनकी ढेर सारी बंजर जमीनें थीं। सच है मुआवज़ा फसल की बर्बादी देखकर नहीं लोगों की हैसियत देखकर दिया जाता है। वह आगे कहने लगा – "मैं बैंक वालों का कर्जा चुकाने में असमर्थ था। बाजार से जो कर्जा लिया था उसे चुकाने के लिए गाय-गोरू सब बेच दिए। अब मेरे पास कुछ नहीं था। बैंक वाले कई दिनों से धमका रहे थे। सोचा बैंक वाले हैं आज नहीं तो कल माफ कर ही देंगे। लेकिन मैं गलत था। मैं कर्ज लेने से पहले उनकी नजर में किसान था। कर्ज लेने के बाद ऋणी बना। ऋण चुकाने की असमर्थता ने कब मुझे उनकी नजर में चोर, उचक्का और नक्सली बना दिया, पता ही नहीं चला। आए दिन उनका घर पर आना। मुझे और बीवी-बच्चों का डराना अब हमारी खुराक का हिस्सा हो गए थे। जब उन्हें लगा कि मैं कर्जा नहीं चुका सकता तो आज वे दरवाज़ा उखाड़ ले गए।"

"ऐसा क्या खास था उस दरवाजे में? कहीं इसमें सोना-चाँदी तो नहीं जड़ा था? या फिर पुरातत्व विभाग इसके पीछे लगा था?"

52 शक्तिपीठों में से एक चंद्रपुर में विराजी है मां चंद्रहासिनी

छतीसगढ़ के सबसे प्राचीन मंदिरों में से एक जांजगीर चांपा जिले के चन्द्रपुर की छोटी सी पहाड़ी के ऊपर विराजिती है मां चंद्रहासिनी। साथ ही यहां बने पौराणिक व धार्मिक कथाओं की सुंदर झाकियां, लगभग 100 फीट विशालकाय महादेव पार्वती की मूर्ति, आदि मां चंद्रहासिनी के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं का मन मोह लेती है।

चारों ओर से प्राकृतिक मनमोहक सुंदरता से घिरे चंद्रपुर की खूबसूरती देखने लायक है। महानदी व माण्ड नदी के बीच बसे चंद्रपुर में मां दुर्गा के 52 शक्तिपीठों में से एक स्वरूप मां चंद्रहासिनी के रूप में विराजित है। पहले यहां बलि प्रथा का प्रचलन था लेकिन समय के साथ इस पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

मंदिर में है सुंदर और अद्भुत झांकिया

मंदिर के प्रांगण में अर्धनारीश्वर, महाबलशाली पवन पुत्र, कृष्ण लीला, चिरहरण, महिषासुर वध, चार धाम, नवग्रह, सर्वधर्म सभा, शेषनाग बिस्तर और अन्य देवी-देवताओं की भव्य मूर्तियाँ दिखाई देती है। इसके अलावा, शीश महल, तारा मण्डल, मंदिर के मैदान पर एक चलती हुई झांकी महाभारत काल को जीवंत तरीके से दर्शाती है। जिससे आगंतुकों को महाभारत के पात्रों और कथानक के बारे में जानने को मिलता है। वहीं माता चंद्रहासिनी की चंद्रमा के आकार की मूर्ति के दर्शन मात्र से ही भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है।

मां चंद्रहासिनी मंदिर का इतिहास

चंद्रमा के आकार की विशेषताओं के कारण उन्हें चंद्रहासिनी और चंद्रसेनी मां के नाम से जाना जाता है। बताया जाता है कि चंद्रसेनी देवी ने सरगुजा को छोड़ दिया और उदयपुर और रायगढ़ होते हुए महानदी के किनारे चंद्रपुर की यात्रा की। महानदी की पवित्र शीतल धारा से प्रभावित होकर माता रानी विश्राम करने लगीं। इसके बाद उन्हें नींद आ गई। वर्षों व्यतीत हो जाने पर भी उनकी नींद नहीं खुली। एक बार संबलपुर के राजा की सवारी यहां से गुजरी। चंद्रसेनी देवी पर गलती से उनके पैर लग जाने से चोट लग गई, जिससे वे जाग गए। फिर एक दिन देवी ने उन्हें एक सपने में दर्शन दिए और उन्हें एक मंदिर बनाने और वहां एक मूर्ति स्थापित करने के लिए कहा। हर साल चैत्र नवरात्रि के अवसर पर सिद्ध शक्तिपीठ मां चंद्रहासिनी देवी मंदिर चंद्रपुर में महाआरती के साथ 108 दीपों की पूजा की जाती है।

108 दीपों के साथ महाआरती

कहा जाता है कि नवरात्रि पर्व के दौरान 108 दीपों के साथ महाआरती में शामिल होने वाले भक्त मां के अनुपम आशीर्वाद का हिस्सा बनते हैं। सर्वसिद्धि की दाता मां चंद्रहासिनी की पूजा करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। नवरात्रि उत्सव के दौरान भक्त नंगे पांव मां के दरबार में पहुंचते हैं और कर नापकर मां की विशेष कृपा अर्जित करते हैं।

श्री पंचमी व्रत कल

समृद्धि और सौभाग्य के लिए चैत्र नवरात्रि के पांचवे दिन लक्ष्मी पूजा और व्रत करने का विधान

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी को लक्ष्मीजी की पूजा और व्रत किया जाता है। इसे श्रीपंचमी या श्रीलक्ष्मी व्रत भी कहते हैं। इस बार ये व्रत 26 मार्च, रविवार को है। इस व्रत से धन व ऐश्वर्य मिलता है।

पंचमी पर ग्रहों की शुभ स्थिति से प्रीति और रवियोग बन रहा है। जिससे इस दिन की गई लक्ष्मी पूजा से सुख और समृद्धि बढ़ेगी। वहीं, खरीदारी और निवेश का फायदा लंबे समय तक मिलेगा।

लक्ष्मी पंचमी व्रत मार्गशीर्ष महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी पर भी करते हैं। जिसका महत्व भी अलग होता है। लेकिन हिंदु नववर्ष की पहली श्री पंचमी होने से चैत्र महीने की इस पांचवी तिथि को बहुत खास माना गया है।

चैत्र नवरात्रि का पांचवां दिन

नवरात्रि की पांचवी तिथि देवी स्कंदमाता की पूजा करने का विधान है। वहीं, इस तिथि के स्वभाव के मुताबिक लक्ष्मीजी की भी पूजा करनी चाहिए। ज्योतिष में इसे पूर्णा तिथि कहा गया है। यानी इसमें किए गए कामों में सफलता मिलना लगभग तय होता है।

पूजा विधि

चतुर्थी तिथि को नहाकर साफ कपड़े पहने और व्रत का संकल्प लें।

घी, दही और भात खाएं। पंचमी को नहाकर व्रत रखें और देवी लक्ष्मी की पूजा करें।

पूजा में धान्य (गेहूं, चावल, जौ आदि), हल्दी, अदरक, गन्ना व गुड़ चढ़ाकर कमल के फूलों से हवन करने का भी विधान है।

कमल न मिले तो बेल के टुकड़ों का और वे भी न हों तो केवल घी का हवन करें।

इस दिन कमल से युक्त तालाब में स्नान करके सोना दान करने से लक्ष्मीजी अति प्रसन्न होती है।

व्रत और पूजा का महत्व

श्रीपंचमी का व्रत करने से महिलाओं को सौभाग्य प्राप्ति होती है। घर में समृद्धि और सुख बढ़ता है। दरिद्रता और रोग नहीं होते। इस व्रत के प्रभाव से परिवार के सदस्यों की उम्र बढ़ती है। कई जगह ये व्रत मनोकामना पूरी करने के संकल्प के साथ किया जाता है। चैत्र माह के शुक्लपक्ष की पंचमी तिथि को लक्ष्मी जी पूजा और व्रत करने से हर तरह की सिद्धि प्राप्त होती है और सोचे हुए काम भी पूरे हो जाते हैं।

इस दिन से शुरू हुआ शश महापुरुष राजयोग, 3 राशियों की चमकेगी किस्मत

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार 17 जनवरी को शनि देव ने अपनी स्वराशि कुंभ में प्रवेश कर लिया है। कुंभ राशि को शनि की मूल त्रिकोण राशि माना जाता है और इस राशि में शनि के गोचर करने से शश महापुरुष राजयोग का निर्माण होता है। यह योग 9 मार्च 2023 से शुरू हो चुका है। ज्योतिष शास्त्र में इस योग को बहुत ही शुभ और फलदाई माना जाता है। इस योग के निर्माण से लगभग सभी राशियों पर इसका प्रभाव देखने को मिलता है, लेकिन कुछ राशियां ऐसी भी हैं जिनके जीवन में इस योग का कुछ खास प्रभाव देखा जा सकेगा, इस विषय में हमें ज्यादा जानकारी दे

मेष राशि : शनि के अपनी स्वराशि कुंभ में उदय होने के कारण मेष राशि के जातकों को आर्थिक रूप से शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। शनि देव मेष राशि वालों की कुंडली के ग्यारहवें भाव में उदित हो रहे हैं। इसे आय और धनलाभ का भाव माना जाता है। इसलिए इस दौरान आपकी आर्थिक तरक्की होगी, नौकरी पेशा लोगों के लिए यह राजयोग वरदान से कम नहीं है।

सिंह राशि : सिंह राशि के जातकों को शश महापुरुष राजयोग के शुभ लक्षण दिखाई देंगे। यह योग सिंह राशि के जातकों के लिए शुभ होगा। यह योग सिंह राशि के जातकों के कुंडली में सप्तम भाव में बनने जा रहा है। इसे पार्टनरशिप और वैवाहिक जीवन का स्थान माना जाता है। इसलिए आपके अपने जीवन साथी के साथ संबंध पहले से मजबूत होंगे। अविवाहित लोगों के रिश्ते की बात बन सकती है। नौकरी पेशा लोगों को अपनी नौकरी में पदोन्नति व वेतन वृद्धि मिल सकती है। आपके कई दिनों से रुके हुए काम जल्द ही बनेंगे।

कुम्भ राशि : शनि ग्रह के अपनी स्वराशि कुंभ में उदय होने से शश महापुरुष राजयोग का निर्माण हो चुका है। ऐसे में इस राजयोग से कुंभ राशि के जातकों के अच्छे दिन शुरू होने वाले हैं। ये राजयोग कुंभ राशि के जातकों की राशि के लग्न भाव में बनने जा रहा है। इसके बनने से कुंभ राशि के जातकों को अपने जीवन साथी का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही जीवन में तरक्की पाएंगे, भाग्य भी साथ देगा। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

अयोध्या में आज भी विराजमान हैं माता सीता की कुलदेवी

मंदिर और मूर्तियों के शहर अयोध्या में कई ऐतिहासिक और पौराणिक मठ मंदिर स्थित हैं। इतना ही नहीं धर्म नगरी अयोध्या विश्व में सर्वश्रेष्ठ तीर्थ स्थलों में से एक है। इसी अयोध्या में एक ऐसा भी मंदिर स्थित है जहां माता सीता की कुलदेवी विराजमान हैं।

लिहाजा एक तरफ जहां देश में नवरात्र की धूम है तो वहीं धर्म नगरी अयोध्या में छोटी देवकाली मंदिर पर दूरदराज से आए श्रद्धालु माता सीता की कुलदेवी की पूजा-आराधना में लीन हैं। चलिए जानते हैं क्या है मान्यता और परंपरा।

धार्मिक ग्रंथों के मुताबिक श्री छोटी देवकाली मंदिर को लेकर ऐसी मान्यता है कि जब भगवान राम माता सीता के साथ विवाह किए और जनकपुर से माता सीता अयोध्या आईं तब उन्होंने अपने साथ कुलदेवी मां पार्वती की प्रतिमा भी साथ लेकर आईं। इतना ही नहीं चक्रवर्ती राजा दशरथ में कनक महल के ईशान कोण पर माता पार्वती का मंदिर भी बनाया गया जहां माता पार्वती की मूर्ति की स्थापना की गई, जिसे आज छोटी देवकाली मंदिर के नाम से जाना जाता है।

शारदीय नवरात्र या फिर चैत्र नवरात्र को इस मंदिर पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ता है। इतना ही नहीं मंदिर को लेकर मान्यता भी है कि इस स्थान पर पूजा-आराधना करने से मांगी गई सभी प्रकार की मन्नतें-मुरादें पूरी होती हैं।

भक्तों की हर मुराद होती है पूरी

मंदिर के पुजारी अजय द्विवेदी बताते हैं की अयोध्या में माता सीता की कुलदेवी के रूप में माता पार्वती विराजमान है। विशेषकर नवरात्र में यहां पर सुबह 6:00 बजे से भक्त पूजन अर्चन करते हैं। इतना ही नहीं दूर दराज से भक्त छोटी देवकाली पर दर्शन पूजन करने आते हैं। वहीं मंदिर में चढ़ावा और पूजा-अर्चना के लिए पहुंची श्रद्धालु श्यामा देवी बताती हैं कि यहां आने वाले सभी भक्तों पर मां जानकी और मां पार्वती की समान कृपा रहती है। यहां पर आने वाला कोई भी भक्त खाली हाथ नहीं लौटता है।

ब्रेकअप या तलाक चाहते हैं? इस देवी मंदिर में करें पूजा

लखनऊ. क्या आप ब्रेकअप चाहते हैं और हो नहीं पा रहा है या आपका तलाक का मुकदमा कोर्ट में फंसा हुआ है, लेकिन उसका समाधान नहीं हो पा रहा या अनचाहे रिश्तो में उलझ गए हैं, जिनसे छुटकारा पाना चाहते हैं? तो आपको इन सभी समस्याओं से बाहर निकालती हैं लखनऊ के छोटे काशी में स्थित बंदी मां! सुनने में थोड़ा अटपटा जरूर लगता है लेकिन यही यहां की मान्यता है। अगर आप यहां दर्शन करना चाहते हैं तो चौपटिया के कटरा पहुंच जाएं। चार धाम मंदिर के ठीक पीछे ही यह मंदिर है।

यहां की प्रबंधक सुशीला बाजपेई ने बताया बंदी मां के दर्शन करने से लोग अनचाहे रिश्तों से बाहर निकल आते हैं। रिश्तों से मुक्ति दिलाती है बंदी मां। बंधनों से कोई मुक्ति चाहता है तो यहां दर्शन करें। बंधन चाहे जैसा भी हो अगर उससे भक्त परेशान हैं, तो यहां दर्शन करने से उसकी सभी समस्याओं का समाधान होता है। यह मंदिर कटरा रानी के नाम से भी मशहूर है।

बंदी मां को चढ़ाई जाती है पायल

जब लोगों की मन्नतें पूरी हो जाती हैं तो मां के पैरों में पायल अर्पित करते हैं और उन्हें सुहाग का सामान अर्पित किया जाता है। इसके अलावा उन्हें मिठाई का भोग लगाया जाता है। उन्होंने बताया कि ब्राह्मणों में एक जाति है बाजपेई, उनकी कुलदेवी भी बंदी मां है।

बाजपेई लोगों के घरों का कोई भी शुभ काम यहां दर्शन किए बगैर पूरा नहीं होता। मां का मुख उत्तर में है। उन्होंने बताया कि मंदिर बेहद प्राचीन है। मां की प्रतिमा यहां कैसे आई यह किसी को नहीं पता है लेकिन यह मंदिर उनके पूर्वजों द्वारा स्थापित की गई है। जिनका नाम बंदी दन बाजपेई था। वह मां के बड़े भक्त थे उन्होंने यहां इस मूर्ति की स्थापना कराई थी।

मां दुर्गा को सबसे प्रिय हैं ये 4 सरल मंत्र

1* सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके। शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणि नमोऽस्तुते।।

2* ॐ जयन्ती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी। 3 दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोऽस्तुते।।

* या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

* या देवी सर्वभूतेषु लक्ष्मीरूपेण संस्थिता, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

* या देवी सर्वभूतेषु तुष्टिरूपेण संस्थिता, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

* या देवी सर्वभूतेषु मातृरूपेण संस्थिता, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

* या देवी सर्वभूतेषु दयारूपेण संस्थिता, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

* या देवी सर्वभूतेषु बुद्धिरूपेण संस्थिता, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

* या देवी सर्वभूतेषु शांतिरूपेण संस्थिता, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

4* नवार्ण मंत्र 'ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चै' का जाप अधिक से अधिक अवश्य करें।

राजस्थान के इस मंदिर में अपनी 7 बहनों के साथ विराजमान हैं मां दुर्गा

भीलवाड़ा . प्रदेश सहित भीलवाड़ा जिले भर में चैत्र नवरात्रि की शुरुआत हो चुकी है। 9 दिनों तक चलने वाले नवरात्रि का समापन 30 मार्च को होगा। हिंदू धर्म का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार माने जाने वाला चैत्र नवरात्रि के अंतर्गत 9 दिनों में माता दुर्गा के 9 अलग-अलग रूपों की पूजा-अर्चना की जाती है।आज हम आपको भीलवाड़ा जिले के एक ऐसे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसमें भक्तों को एक साथ 7 देवियों को दर्शन करने को मिलते हैं। क्योंकि इस मंदिर में दुर्गा माता अपनी 7 बहनों साथ विराजमान हैं।

भीलवाड़ा शहर के सबसे प्राचीन कहे जाने वाले मंदिर खेड़ा कूट माताजी मंदिर भीलवाड़ा जिले का सबसे बड़ा कन्या भोज भी आयोजित किया जाता है, जिसमें हजारों की संख्या में कन्याओं को एक साथ भोजन करवाया जाता है।

करीब छह सौ वर्ष पुराना है ये मंदिर

इतिहासकार कैलाश साहू कहते हैं कि भीलवाड़ा शहर के पुराना भीलवाड़ा क्षेत्र में स्थित जूनावास में खेड़ा कूट माताजी का मंदिर स्थित है यह। मंदिर लगभग 500 से 600 वर्ष प्राचीन है यहां पर कई पीढ़ियों से भक्त निरंतर दर्शन करने के लिए आ रहे हैं। इस मंदिर में माता रानी के साथ उनके साथ बहनें भी विराजमान हैं। यहां पर साल के 365 दिन ही भक्तों दर्शन करने के लिए आते हैं और नवरात्रि के समय यहां पर भक्तों का तांता लगा रहता है। मान्यता है कि माता रानी के अरदास लगाने से भक्तों की मनोकामना पूरी हो जाती है। यही नहीं दावा किया जाता है कि अगर किसी

व्यक्ति को लकवे की बीमारी हो जाती है तो मंदिर में परिक्रमा करने से उनकी बीमारी काफी हद तक ठीक हो जाती है।

सभी मन्नतें यहां पर पूरी होती हैं

मंदिर के पुजारी उदय लाल सालवी ने बताया कि उनके पूर्वज कई सालों से माता जी की सेवा पूजा कर रहे हैं। और जब इस शहर की नींव रखी गई थी उससे पहले का यह मंदिर है। यहां पर कई श्रद्धालु अपनी मन्नत लेकर आते हैं और उनकी सभी मन्नतें यहां पर पूरी होती हैं।

सत्संग का आयोजन

नवरात्रि के 9 दिनों तक माता जी के यहां महिला मंडल द्वारा सत्संग का आयोजन किया जाता है 9 दिन तक माताजी का अलग-अलग श्रंगार किया जाता है वही श्रद्धालु सत्यनारायण तोतला ने कहा कि यहां पर प्रतिवर्ष साल में एक बार जिले का सबसे बड़ा कन्या भोज का आयोजन किया जाता है जिसमें हजारों की संख्या में कन्याओं को भोजन करवाया जाता है 9 दिनों तक देवी दुर्गा के भक्त तरह-तरह के विधि विधान और अनुष्ठान करके माता दुर्गा को प्रसन्न करने की कोशिश करते हैं।

नई मुसीबत में फंसते दिख रहे हैं सलमान खान

जर्नलिस्ट के साथ बदसलूकी मामले में आएगा फैसला

सलमान खान एक नई मुसीबत में फंसते दिख रहे हैं। 2019 में अंधेरी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने जर्नलिस्ट के साथ बदसलूकी के आरोप में उन्हें समन भेजा था। सलमान ने इस समन के खिलाफ हाईकोर्ट का रुख किया था। अब चार साल बाद 30 मार्च को बांबे हाईकोर्ट अपना फैसला सुनाएगी।

दरअसल एक जर्नलिस्ट ने 2019 में सलमान खान और उनके बॉडीगार्ड्स पर मारपीट का आरोप लगाया था। जर्नलिस्ट का आरोप था कि सलमान और उनके बॉडीगार्ड्स ने उनका मोबाइल फोन छीन लिया था। ये तब हुआ जब सलमान साइक्लिंग करने के लिए सड़क पर निकले थे।

मामला चार साल पुराना है। सलमान अक्सर साइक्लिंग करने के लिए मुंबई की सड़कों पर निकलते हैं। उनके पीछे-पीछे पर्सनल बॉडीगार्ड्स भी दौड़ते हैं। 24 अप्रैल, 2019 को जब वो साइक्लिंग कर रहे थे तभी जर्नलिस्ट अशोक पांडे ने उनका वीडियो शूट करने की कोशिश की। अशोक पांडे का कहना था कि उन्होंने इसके लिए सलमान की सिक्योरिटी से परमिशन भी ली थी। हालांकि जब उन्होंने वीडियो शूट करने की कोशिश की तो उनके साथ बदसलूकी की गई।

जर्नलिस्ट अशोक पांडे के मुताबिक, सलमान और उनके बॉडीगार्ड्स ने उनका फोन छीन लिया और मारपीट करने लगे। अशोक ने कहा कि सलमान ने भी उनके साथ मारपीट की थी। अशोक पांडे अपनी शिकायत लेकर पुलिस स्टेशन पहुंचे थे। वहां पुलिस ने उनकी शिकायत लेने से ये कहते हुए मना कर दिया कि ये कोई क्राइम नहीं है। तब अशोक ने कोर्ट का रुख किया। उन्होंने अंधेरी मजिस्ट्रेट के सामने अपनी समस्या रखी। बाद में सलमान पर आईपीसी की धारा 504 और 506 के तहत केस दर्ज किया गया।तस्वीर में दिख रहे शख्स जर्नलिस्ट अशोक पांडे हैं। इन्होंने ही सलमान खान के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

22 मार्च, 2022 को सलमान खान को अंधेरी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने समन भेजा। उन्हें पेश होने के लिए 5 अप्रैल 2022 की डेट दी गई। हालांकि सलमान ने बिना पेश हुए इस समन के खिलाफ हाईकोर्ट में एक याचिका लगा दी।

अब चार साल बाद इस मामले में फैसला आने वाला है। इस सुनवाई के दौरान जस्टिस भारती डांगरे ने कहा, 'सबकी अपनी प्राइवेसी होती है। चाहे वो फिल्म एक्टर हो या कोई पत्रकार हो। इनमें से कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। सबको कानून का पालन करना ही होगा।'

पहले भी कई मामलों में फंस चुके हैं सलमान

सलमान खान हमेशा किसी न किसी मुसीबत में फंसे रहते हैं। वो कई बार जेल भी जा चुके हैं। उन्हें एक बार काले हिरण का शिकार करने पर 5 साल की सजा हुई थी। दरअसल सलमान ने 1998 में फिल्म 'हम साथ साथ हैं' की शूटिंग के दौरान राजस्थान के जंगलों में काले हिरण का शिकार किया था।

दीपिका पादुकोण ने रणवीर को किया इग्नोर?

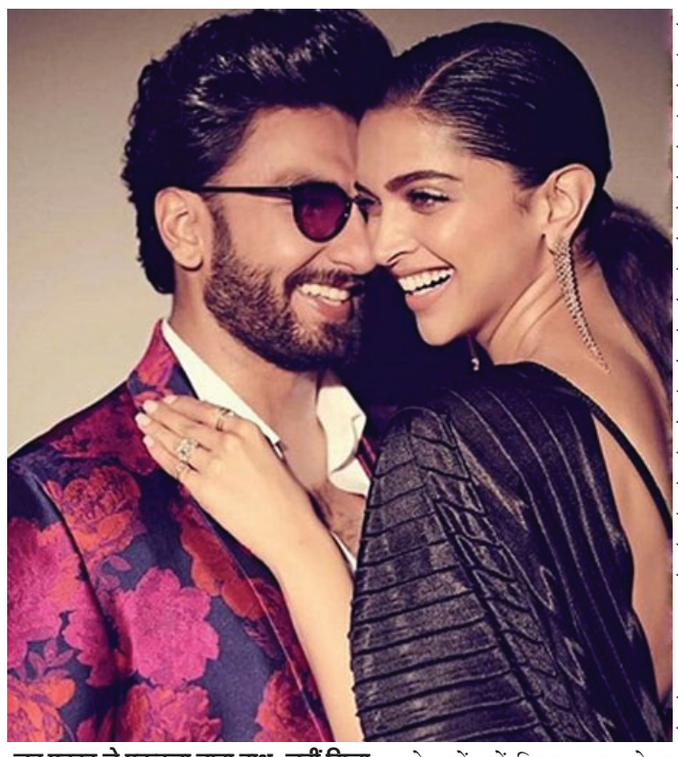

जब एक्टर ने पकड़ना चाहा हाथ, नहीं मिला रिस्पॉन्स, फैंस बोले- कुछ तो गड़बड़ है

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह हाल ही में इंडियन स्पोर्ट्स ऑनर्स अवॉर्ड 2023 में पहुंचे जिसका एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में रणवीर दीपिका का हाथ पकड़ना चाह रहे हैं लेकिन एक्ट्रेस उन्हें नजर अंदाज करती दिख रही हैं। दीपिका के इस बर्ताव को देखकर लोग कह रहे हैं कि दोनों के बीच कुछ गड़बड़ है।

सबके सामने किया इग्नोर

दीपिका ब्लैक साड़ी में नजर आईं। जैसे ही वह रेड कार्पेट पर अपनी कार से बाहर उतरी तो रणवीर उनका इंतजार करते दिखे। इसके बाद वो दीपिका का हाथ थामने की कोशिश करते हैं ले कि न दीपिका उन्हें इग्नोर कर देती हैं और पापा प्रकाश पादुकोण से साथ आगे निकल जाती हैं।

फैंस ने दिए रिएक्शन

वी डि यो सामने आते ही एक यूजर ने कमेंट में लिखा, कुछ तो गड़बड़ है ऐसा लग रहा है कि रोमांस जल्द ही खत्म हो गया।' तो वहीं दूसरे ने लिखा, 'दीपिका गुस्से में है, उसने हाथ नहीं पकड़ा है'।

पहले भी उड़ी थी अफवाह

पिछले साल भी दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह के बीच खटपट की अफवाहें उड़ी थी जिसे सुनकर उनके फैंस हैरान रह गए थे।

सोशल मीडिया पर एक ट्वीट में दावा किया गया था कि दोनों के बीच सब ठीक नहीं चल रहा है। हालांकि कपल की तरह से कोई रिएक्शन सामने नहीं आया था।

राघव चड्ढा को डेट कर रही हैं परिणीति चोपड़ा? 24 घंटे में दो बार साथ देखा गया

क्या एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा डेट कर रहे हैं? 23 मार्च की रात को उन्हें साथ में घूमते देखा गया तो यही सवाल दिमाग में आया। हालांकि सच्चाई ये है कि राघव और परिणीति सिर्फ एक अच्छे दोस्त हैं।

परिणीति और राघव को इससे पहले बुधवार को गोरेगांव के वेस्टिन होटल में डिनर करते देखा गया था। अगले ही दिन दोपहर में दोनों ने बांद्रा के एक रेस्टोरेंट में लंच किया। बैक टू बैक आउटिंग से फैंस के बीच सच जानने की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है।

दोनों को साथ में मिला था अवॉर्ड, तभी हुई जान पहचान

रिपोर्ट्स की मानें को परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा दोनों ने लंदन से पढाई की हैं। वो काफी समय से दोस्त हैं। वो दोनों सोशल मीडिया पर एक दूसरे को फॉलो भी करते हैं। दोनों को घूमना पसंद हैं। परिणीति चोपड़ा सिंगल हैं, और फिलहाल किसी को भी डेट नहीं कर रही हैं।

वहीं राघव चड्ढा भी 34 साल की उम्र में सिंगल हैं। परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा को 'भारत यूके आउटस्टैंडिंग अचीवर ऑनर्स' के सम्मान से नवाजा गया था। वहीं पर दोनों की मुलाकात हुई थी।

सांसद होने के साथ चार्टेड अकाउंटेंट भी राघव चड्ढा

बता दें कि राघव चड्ढा पंजाब से राज्यसभा सांसद हैं। वो आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के काफी खास माने जाते हैं। वो पेशे से चार्टेड अकाउंटेंट हैं।

उन्हें पिछले साल पंजाब सरकार का सलाहकार बनाया गया था जिसका विपक्षी दलों ने कड़ी आलोचना की थी। विपक्षियों का कहना है कि राघव पंजाब के वर्किंग सीएम हैं जबकि भगवंत मान सिर्फ एक शो-पीस सीएम हैं।

फिल्म कैप्सूल गिल और चमकीला में नजर आएंगी परिणीति

परिणीति चोपड़ा की लेटेस्ट फिल्मों की बात करें तो वो कोड नेम तिरंगा और ऊंचाई जैसी फिल्मों में नजर आई थीं। उनकी अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वो जल्द ही चमकीला और कैप्सूल गिल में नजर आएंगी। परिणीति ने अपने करियर की शुरुआत अर्जुन कपूर के साथ फिल्म इश्कजादे से की थी। उन्होंने हंसी तो फंसी, दावत-ए- इश्क, किल दिल और गोलमान अगेन जैसी कई फिल्मों में काम किया है।

अपनी एक्स वाइफ से सुलह करना चाहते हैं नवाजुद्दीन

बच्चों से मिलने दिया तो केस वापस लेंगे; लॉयर बोला- बच्चों की पढ़ाई बर्बाद हो रही..

तमाम लड़ाई-झगड़े के बाद नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपनी एक्स वाइफ आलिया के साथ सुलह करना चाहते हैं। नवाजुद्दीन अपने बच्चों से मिलना चाहते हैं इसी वजह से उन्होंने ये फैसला लिया है। रिपोर्ट्स की माने तो नवाजुद्दीन ने एक शर्त रखी है। शर्त ये है कि अगर उन्हें अपने बच्चों से मिलने दिया गया तो वो आलिया के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट में दायर याचिका वापस ले लेंगे। वहीं दूसरी तरफ आलिया के वकील का कहना है कि नवाज खुद अपने बच्चों से मिलना नहीं चाहते, उन्हें रोका किसने है।

बच्चों की खातिर सुलह चाहते हैं नवाज

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, कोर्ट में नवाज का केस लड़ रहे वकील प्रदीप थोराट का कहना है कि उनके (नवाज) बच्चों की पढ़ाई काफी प्रभावित हो रही है। उनका भविष्य खतरे में है इसलिए नवाज चाहते हैं कि उन्हें एक बार बच्चों से मिलने दिया जाए। उन्हें अपने बच्चों से दूर रखा गया था इसलिए उन्होंने हैबियस कार्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) की याचिका दायर की थी। बच्चों की पढ़ाई दुबई से हो रही है, इसलिए उन्हें एक बार फिजिकली बच्चों से मिलना दिया जाए। इसके बाद याचिका वापस ले ली जाएगी।

'नवाज के दावे गलत, वो खुद बच्चों से मिलना नहीं चाहते'

वहीं आलिया का केस लड़ रहे वकील शिखर खंडेलवाल ने कहा, 'मेरा मुवक्किल मामले को निपटाने के लिए तैयार है। आलिया तो नवाज के मां के घर पर ही अपने बच्चों के साथ रह रही है। तो फिर नवाज को कैसे नहीं पता होगा कि उनके बच्चे कहां हैं। वो अपने बच्चों से मिलने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र हैं। हालांकि सच्चाई ये है कि नवाज खुद ही अपने बच्चों से मिलना नहीं चाहते।' नवाजुद्दीन ने कुछ दिन पहले इस मामले में पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट शेयर करते हुए लिखा 'अपनी चुप्पी की वजह से मैं हर जगह गलत साबित हुआ। मैं इतने दिनों से इसलिए शांत था, क्योंकि इस तमाशे से मेरे बच्चों पर गलत असर पड़ता। नवाज ने आगे लिखा, 'क्या किसी को पता है कि मेरे बच्चे बीते 45 दिनों से इंडिया में बंधक हैं और स्कूल नहीं जा रहे हैं। उनके लगातार गैरहाजिरी की वजह से स्कूल की तरफ से मुझे रोज लेटर आ रहे हैं। '

'आलिया को हर महीने 10 लाख रुपए देता था, सिर्फ पैसों के लिए करती हैं मुकदमें'

नवाज ने आलिया पर गंभीर आरोप लगाए हैं। नवाज का कहना है कि आलिया ये सब पैसों के लिए कर रही हैं। उन्होंने लिखा, 'बच्चों की अच्छी परवरिश के लिए पिछले 2 सालों में मैं उसे 10 लाख रुपए हर महीना देता था। जब वो मेरे बच्चों के साथ दुबई गई थी तो मैं स्कूल फीस, मेडिकल और ट्रैवल खर्चे के अलावा 5-7 लाख रुपए हर महीना उसे भेजता था।

मैंने उसकी 3 फिल्मों को फाइनेंस किया था, जिसकी कीमत करोड़ों थी। मैंने ऐसा इसलिए किया था, क्योंकि वो मेरे बच्चों की मां है। बच्चों के लिए लग्जरी गाड़ी भी दी गई, लेकिन आलिया ने उसे बेच दिया और उससे मिले सारे पैसे खुद पर खर्च कर लिए।' आलिया को और ज्यादा पैसे चाहिए था, जिसकी वजह से उसने मुझ पर और मेरी मां पर आरोप लगाए और केस भी फाइल किया। उसने पहले भी ऐसा किया था और पैसे मिलने पर केस वापस ले लिया था।'

क्यों शुरू हुआ विवाद?

नवाजुद्दीन सिद्दीकी और आलिया की लड़ाई उस समय शुरू हुई थी, जब आलिया ने नवाज की मां पर मारपीट का आरोप लगाया था। आलिया का कहना था कि नवाज के परिवार वाले उनका शोषण कर रहे हैं और उन्हें अपनी प्रॉपर्टी से बेदखल कर रहे हैं।आलिया का ये भी कहना था कि नवाज से तलाक के बाद भी दोनों रिलेशनशिप में रहे थे और दूसरे बच्चे का जन्म भी तलाक के बाद ही हुआ था, लेकिन नवाज ने कभी उनकी इज्जत नहीं की। वहीं नवाज की मां ने आलिया पर आरोप लगाते हुए कहा कि दूसरा बच्चा नवाज का न होकर किसी और का है। इसके अलावा आलिया ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी पर रेप का भी केस दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि नवाज की मां उनके कैरेक्टर पर सवाल उठाती है और नवाज चुपचाप सुनते रहते हैं।

कोरोना वायरस की चपेट में आईं पूजा भट्ट

एक बार फिर इंडस्ट्री पर छाया महामारी का साया

देश में कोरोना वायरस का संकट एक बार गहराने लगा है. बॉलीवुड एक्ट्रेस पूजा भट्ट ने बताया कि वो कोविड-19 पॉजिटिव पाई गई हैं. 2020 में कोरोना वायरस की पहली लहर के दौरान बर्तन पीटते एक बच्चे के वीडियो पर रिएक्शन देते हुए पूजा भट्ट ने खुद के कोरोना वायरस संक्रमित होने की जानकारी दी. पूजा भट्ट पहली बार कोरोना के चपेट में आई हैं, उनसे पहले अर्जुन कपूर, अमिताभ बच्चन, ऐश्वर्या राय और कनिका कपूर समेत कई हस्तियां महामारी की चपेट में आ चुकी हैं. पूजा भट्ट के संक्रमित होने के बाद एक बार फिर इंडस्ट्री पर कोरोना का साया मंडराने लगा है.

ट्विटर यूजर ने एक वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा, 'तीन साल पहले आज ही के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर भारतीय बर्तन बजाकर कोरोना वायरस को देश से भगा रहे थे!' इस पर कमेंट करते हुए पूजा ने लिखा, 'और ठीक 3 साल बाद, मैंने पहली बार कोविड पॉजिटिव टेस्ट कराया है. लोगों को मास्क पहनाओ! कोविड अभी भी बहुत करीब है और पूरी तरह से टीका लगाए जाने के बावजूद आप तक पहुंच सकता है. उम्मीद है कि मैं जल्द ही ठीक हो जाऊंगी.' कोरोना संक्रमण की जानकारी मिलने के बाद इंडस्ट्री के कई दोस्त और फैंन पूजा के जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं.

फिल्म निर्माता ओनिर ने पूजा के लिए लिखा, 'जल्दी ठीक हो जाओ पूजा. आपको

प्यार.' इस पर पूजा ने जवाब देते हुए कहा, 'आह! थैंक्यू ओनिर!' बता दें कि कोरोना वायरस के मामले मुंबई में तेजी से बढ़ रहे हैं. एच3एन2 और बीमारियों को देखते हुए अलर्ट जारी कर दिया गया है. महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत ने कुछ दिनों पहले बयान जारी कर कहा था कि प्रदेश में एच3एन3 वायरल फैल रहा है, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है. लोगों को भीड़ वाली जगह नहीं जाना चाहिए और मास्क पहनकर रखें. राज्य में H3N2 और कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

डायरेक्टर प्रदीप सरकार का निधन, 'मर्दानी' और 'परिणीता' से जीता था दिल

फिल्म निर्माता प्रदीप सरकार का 68 वर्ष की आयु में निधन हो गया है. 24 मार्च को सुबह 3.30 बजे उन्होंने आखिरी सांस ली है. खबरों के मुताबिक, वे डायलेसिस पर थे. उनका पोटेशियम लेवल बहुत तेजी से गिरा, जिसके बाद प्रदीप सरकार को देर रात अस्पताल ले जाया गया. मगर डॉक्टर उन्हें बचा नहीं पाए. लोकप्रिय फिल्म निर्माता प्रदीप सरकार को परिणीता, लगा चुनरी में दाग, मर्दानी और हेलीकॉप्टर ईला जैसी हिट फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है. रिपोर्ट्स की मानें तो प्रदीप सरकार डायलिसिस पर थे और उनका पोटैशियम लेवल काफी गिर गया था, जिसके बाद अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और अस्पताल में आज उनका निधन हो गया.

फिल्म मेकर हंसल मेहता और नीतू चंद्रा ने 'परिणीता' के निर्देशक के निधन की पुष्टि की है. फिल्म मेकर हंसल मेहता ने ट्वीट कर लिखा- प्रदीप सरकार दादा RIP. वहीं आज शाम 4 बजे सांताक्रूज के एक श्मशान घाट में अंतिम संस्कार की व्यवस्था की गई है. प्रदीप ने परिणीता, हेलीकॉप्टर ईला और मर्दानी सहित कई फिल्मों का डायरेक्शन किया था. रिपोर्ट्स की मानें प्रदीप का पोटेशियम लेवल कम हो गया था. इसके बाद वो डाइलिसिस पर थे. हालांकि कड़ी मशक्कत के बाद भी डॉक्टर्स उन्हें बचा नहीं पाए.

सेलेब्स ने दी श्रद्धांजलि

एक्ट्रेस नीतू चंद्रा ने डायरेक्टर के निधन की खबर को कंफर्म किया है. उन्होंने ट्वीट कर ये दुखद खबर बताई. एक्ट्रेस ने लिखा 'हमारे प्यारे डायरेक्टर दादा अब नहीं रहे. मैंने अपना करियर उनके साथ शुरू किया था. उनका टैलेंट गजब का था. उनकी फिल्में लार्जर देन लाइफ होती थीं. उन्हें बहुत याद किया जाएगा'. इसके साथ ही एक्टर डायरेक्टर के निधन से सेलेब्स शॉक्ड हैं. मनोज बाजपेयी, हंसल मेहता ने उनकी आत्मा को शांति मिलने की दुआ की है.

आदित्य रॉय कपूर ने बताया कब करेंगे शादी, अनन्या पांडे संग डेटिंग पर कही ये बात

अभिनेता आदित्य रॉय कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म गुमराह को साथ ही स्टार अनन्या पांडे को लेकर खासे चर्चा में बने हुए हैं. पिछले कई महीनों से आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे की डेटिंग की खबरें बाजार में फैली हैं. दोनों को हाल ही में लैक्मे फैशन वीक में एक साथ रैंप वॉक करते हुए स्पॉट किया गया था. ऐसे में हाल ही में एक्टर की फिल्म 'गुमराह' का ट्रेलर लॉन्च हुआ है. इस मौके पर आदित्य मीडिया संग रूबरू हुए. ट्रेलर लॉन्च पर आदित्य ने अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ी कुछ बातें की और शादी को लेकर अपने प्लान बताए हैं.

शादी पर कहा मुझे खुद को नहीं पता

बता दें कि आदित्य की फिल्म गुमराह के ट्रेलर लॉन्च हुआ था और इस दौरान वो अपने को-स्टार संग स्पॉट किए गए थे.इस खास मौके पर होस्ट ने आदित्य रॉय कपूर से शादी को लेकर सवाल पूछा. होस्ट का कहना था कि 'अब आदित्य इस इंडस्ट्री के मोस्ट एलिजिबल बैचलर है, तो क्या वो भी अपने दोस्तों की तरह जल्द ही शादी करेंगे?' तो ऐसे में एक्टर ने कहा, "मुझे लगता है कि हर कोई शादी कर रहा है, पर मुझे इस बात को लेकर कुछ भी महसूस नहीं होता है. तो ऐसे में मैं अपना टाइम लूंगा और तभी शादी करूंगा जब सही वक्त होगा. अब सही वक्त कब आएगा, इसके बारे में तो मुझे खुद को नहीं पता है."

अनन्या के प्यार में हैं आदित्य

बता दें आदित्य और अनन्या पांडे के अफेयर के चर्चे इन दिनों हर जगह पर सुनाई दे रहे हैं और इसे हवा करण जौहर के शो कॉफी विद करण से मिली थी. अनन्या संग इन्हें कई बार पार्टीज और सेलिब्रेशन्स में स्पॉट किया जाता रहा है. कृति सेनन की दिवाली पार्टी में अनन्या और आदित्य दोनों पहली बार साथ में स्पॉट हुए थे. इसके बाद हला ही में रैंप वॉक किया था. हालांकि, दोनों में से आजतक किसी ने भी डेटिंग की खबरों पर क्लैरिटी नहीं दी है.

दोनों सितारे जमकर कर रहे हैं काम

वर्कफ्रंट की बात करें तो आदित्य जल्द ही फिल्म 'गुमराह' में नजर आने वाले हैं. इस फिल्म में आदित्य के साथ मृणाल ठाकुर लीड रोल में दिखाई देंगी जो एक पुलिस ऑफिसर के किरदार में हैं. . इसके अलावा एक्टर आजकल वेब सीरीज 'द नाइट मैनेजर' की सक्सेस को भी काफी एन्जॉय कर रहे हैं.अनन्या की बात करें तो उनकी एक वेब सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है, जिसमें वे वरुण धवन संग नजर आ रही हैं. वेब सीरीज का नाम है 'कॉल मी बे'. इसके साथ ही वो जल्द ही ड्रीम गर्ल 2 में नजर आने वाली हैं.

तेलंगाना में पीएमएफबीवाई लागू करने की मांग को लेकर बीजेपी पर बरसे हरीश

देश के लगभग 10 राज्यों और पांच केंद्र शासित प्रदेशों ने योजना का विरोध किया

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) से बाहर निकलने के लिए राज्य सरकार के खिलाफ टिप्पणी पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय की आलोचना की। उन्होंने बताया कि गुजरात सहित कई राज्यों ने इस योजना से बाहर होने का विकल्प चुना है।

तेलंगाना में पीएमएफबीवाई को लागू करने की संजय की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए हरीश राव ने कहा कि देश के लगभग 10 राज्यों और पांच केंद्र शासित प्रदेशों ने इस योजना का विरोध किया है। इस बात को खुद केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने संसद में स्वीकार किया है। वित्त मंत्री ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष से सवाल किया कि वे बताएं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य गुजरात इस योजना को लागू क्यों नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर रावने किसानों को राहत सहायता के रूप में प्रति एकड़ 10,000 रुपये देने की घोषणा की थी, लेकिन विपक्षी नेताओं को यह एक छोटी राशि लग रही है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि बंडी संजय जैसे विपक्षी नेता किसानों की दुर्दशा को नहीं समझते हैं। उनके पास विवादास्पद कृषि कानूनों को लाने का इतिहास है, जिसके कारण सैकड़ों किसानों की मौत हो गई और फिर उन कानूनों को केवल माफी मांगकर वापस ले लिया। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने का वादा करके सत्ता में आई भाजपा सरकार ने बदले में अडानी की आय दोगुनी कर दी। उन्होंने कहा, उन्हीं भाजपा नेताओं को चंद्रशेखर राव सरकार की आलोचना करने की कोशिश करना बेतुका है, जो किसानों की सरकार है।

लॉरी ने आरटीसी बस को टक्कर मारी, क्लीनर की मौत व चालक घायल

यदाद्री-भोंगिर, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के चौटुप्पल मंडल के लिंगीजीगुडेम में गुरुवार रात को एक लॉरी के चालक दल के सदस्य की मौत हो गई और चालक घायल हो गया जब उनकी लॉरी ने टीएसआरटीसी बसको पीछे से टक्कर मार दी। सड़क हादसे में लॉरी के क्लीनर की मौके पर ही मौत हो गई। लॉरी चालक और बस में सवार एक अन्य व्यक्ति भी घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार, सड़क दुर्घटना रात 1.10 बजे हुई जब एक लॉरी ने टीएसआरटीसी की बस को पीछे से टक्कर मार दी, जिसे चालक ने कुछ यात्रियों के नेचर कॉल में शामिल होने के अनुरोध पर सड़क किनारे रोक दिया। घटना में क्लीनर व चालक लॉरी के केबिन में कुचल गए। पुलिस को उन्हें केबिन से बाहर निकालने में दो घंटे लग गए। अस्पताल ले जाते समय लॉरी क्लीनर की मौत हो गई।

तेलंगाना में कानून व्यवस्था को पुख्ता बनाने के लिए सीएम प्रयासरत : महमूद अली

गृहमंत्री ने बचुपल्ली में आधुनिक पीएस का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अरबिंदो फार्मा फाउंडेशन ने बचुपल्ली में अत्याधुनिक आधुनिक पुलिस स्टेशन के निर्माण के लिए 3.5 करोड़ रुपये प्रायोजित किए हैं। पुलिस स्टेशन आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है और सुरक्षा और सुरक्षा चिंताओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए साइबराबाद पुलिस का समर्थन करेगा। अत्याधुनिक पुलिस स्टेशन 21,000 वर्ग फीट क्षेत्र में फैला है और इसमें 37 कमरे हैं। अरबिंदो फार्मा लिमिटेड की परोपकारी और सीएसआर शाखा अरबिंदो फार्मा फाउंडेशन ने तेलंगाना के बच्चुपल्ली में आधुनिक पुलिस स्टेशन के निर्माण के लिए 3.5 करोड़ रुपये प्रायोजित किए हैं। पुलिस स्टेशन का उद्घाटन आज गृह, कारागार और अग्निशमन सेवा मंत्री मोहम्मद महमूद अली ने चौधरी की उपस्थिति में किया। शुभारंभ के बाद गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली ने कहा कि वह साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय सीमा में दो पुलिस थाना भवन, बचुपल्ली पुलिस थाना और नरसिंगी पुलिस थाना खोलकर खुश हैं। उन्होंने कहा कि पुलिसिंग में तेलंगाना देश में नंबर 1 पर है और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कानून व्यवस्था बनाए रखने में मदद करने के लिए पुलिस को सभी नवीनतम सुविधाएं और उपकरण प्रदान किए हैं।

पुलिस राज्य में सभी मोर्चों पर बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है। पुलिस विभाग को आवश्यक सभी सुविधाएं राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाती हैं। कुछ और थाना भवन निर्माणाधीन हैं और जल्द ही इनका उद्घाटन किया जाएगा। इस अवसर पर अरबिंदो फार्मा लिमिटेड के निदेशक एम. मदन मोहन रेड्डी ने कहा, एक संगठन के रूप में, हम सामाजिक गतिविधियों के लिए गहराई से प्रतिबद्ध हैं और आज का कार्यक्रम समाज के कल्याण में एक महत्वपूर्ण योगदान देता है। हम इस क्षेत्र में इस मुद्दे की गंभीरता को समझते हैं और हमें विश्वास है कि यह नया पुलिस स्टेशन इस क्षेत्र में रहने वाले लोगों को आवश्यक आश्वासन और सुरक्षा प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि भरोसा का मुख्य उद्देश्य बलात्कार के पीड़ितों और पॉक्सो अधिनियम के तहत दर्ज मामलों का समर्थन करना है। इस अवसर पर श्रम, रोजगार, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री मल्लारेड्डी, सुनकारी राजू, सरकारी सचेतक और एमएलसी, वाणी देवी, एमएलसी, शांबीपुर राजू, एमएलसी, के. नवीन राव, एमएलसी, के.पी. विवेकानंद, विधायक, कुतुबुल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र; एम मदन मोहन रेड्डी, कोलेटी दामोदर, अध्यक्ष टीएसपीएचसी, निदेशक, अरबिंदो फार्मा लिमिटेड और एस सदानंद रेड्डी, सीएसआर प्रमुख, अरबिंदो फार्मा फाउंडेशन और साइबराबाद पुलिस आयुक्त स्टीफन रवींद्र, आईपीएस, साइबराबाद संयुक्त सीपी अविनाश मोहंती, आईपीएस, बालानगर डीसीपी टी. श्रीनिवास राव, आईपीएस, एडमिन डीसीपी योगेश गौतम, आईपीएस, कुकटपल्ली एसीपी चंद्रशेखर राव, नीला गोपाल रेड्डी, मेयर, निजामपेट नगर निगम, एम. शरत चंद्र रेड्डी, जेडपी अध्यक्ष, मेडचल-मलकजगिरी जिला, शनिगला धनराज यादव, उप महापौर, निजामपेट नगर निगम निगम, कसनी सुधाकर मुदिराज, डिवीजन 19 के कॉरपोरेटर, निजामपेट नगर निगम, एडीसीपी, एसीपी, एससीएससी के महासचिव कृष्णा येदुला, बचुपल्ली इंस्पेक्टर नरसिम्हा रेड्डी, और पुलिस विभाग और सरकार के कई अन्य गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

चिंतल सूर्यानगर स्थित काग निवास पर आयोजित गणगौर उजवणा कार्यक्रम में उपस्थित सुन्दरबाई-मांगीलाल काग, सेमीबाई-कालुराम काग, रमाबाई-भुराराम काग, सुरेश-पिंकी, हेमन्त-महिमा, नरेश-पूजा, रेखा-ओमप्रकाश राठौड़ व अन्य महिलाएं।

अग्रवाल समाज दोमलगुड़ा का रजत जयंती उत्सव कल

अग्रवाल समाज दोमलगुड़ा का रजत जयंती उत्सव के संदर्भ में जानकारी देते हुए डॉ दिलीप पंसारी, अनिल गर्ग, प्रतीक अग्रवाल, विजय कुंछल, सरला अग्रवाल, पूजा गुप्ता, रश्मि अग्रवाल और सीमा अग्रवाल व अन्य।

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर शाखा का रजत जयंती उत्सव कल रविवार 26 मार्च को धूमधाम से मनाया जाएगा।

शाखा की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शाखा अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने बताया कि सांय 6:30 बजे रेड हिल्स लकड़ी का पुल स्थित एफटीसीसीआई के केऐलन प्रसाद ऑडिटोरियम में संपन्न होने वाले उक्त कार्यक्रम में प्रमुख उद्योगपति और समाजसेवी तथा अग्रवाल समाज, तेलंगाना (पूर्व में आंध्र प्रदेश) के संस्थापक अध्यक्ष शरद बी पित्ती मुख्य अतिथि और अग्रवाल समाज, तेलंगाना के अध्यक्ष एके अग्रवाल और प्रख्यात गजल-भजन गायक शरद गुप्ता विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे।इसी क्रम में अग्रवाल समाज तेलंगाना के मानद मंत्री कपूर चंद गुप्ता. संयुक्त मंत्री सतीश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राकेश जालान के साथ ही अन्य विशेष आमंत्रित सम्मानित अतिथि के रूप मे होंगे। अग्रवाल समाज, तेलंगाना की समस्त शाखाओं के पदाधिकारी और केंद्रीय समिति सदस्य , दोमलगुडा शाखा के सदस्य और पूर्व पदाधिकारी के साथ ही विशेष आमंत्रित लोग उक्त कार्यक्रम में उपस्थित हो सकेंगे। इस अवसर पर प्रख्यात कवि अमन अक्षर के द्वारा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का काव्य चित्रण कार्यक्रम की प्रमुख विशेषता होगी।

शाख के मंत्री योगेश अग्रवाल ने उक्त कार्यक्रम में सभी आमंत्रित को समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया है।

जिलास्तरीय युवा उत्सव आयोजित

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आजादी के अमृत महोत्सव समारोह के हिस्से के रूप में एवी कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स में दोमलगुडा में राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (रा.भा.चि.सं.सं.), हैदराबाद ने नेहरू युवा केंद्र, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित जिला स्तरीय युवा उत्सव-अमृतकाल का पंचप्राण में भाग लिया।

रा.भा.चि.सं.सं. ने वर्तमान परिदृश्य में आयुष के विकास के बारे में युवाओं को जागरूक करने और रा.भा.चि.सं.सं. की उपलब्धियों और गतिविधियों के बारे में सूचना का प्रसार करने के लिए एक स्टाल स्थापित किया, जो भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद के तहत है। इस स्टॉल का उद्घाटन पेराला शेखर राव, पूर्व सदस्य, केवीआईसी और पूर्व उपाध्यक्ष, एनवाईकेएस, एम. वेंकटेश्वरुलु, अपर समाहर्ता (एडिश्नल कलेक्टर), श्रीमती ए.आर. विजया राव, एनवाईके निदेशक, अनूप कुमार यामा, अर्जुन अवार्डी, रोलर स्केटिंग, डॉ. सीएच राजलिंगम, प्राचार्य, एवी कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज, डॉ. पद्मा, वाइस प्रीन्सिपल, श्रीमती एस. डब्ल्यू और खुशबू गुप्ता, जिला युवा अधिकारी, एनवाईके, हैदराबाद के शुभ हाथों से किया गया। गणमान्य व्यक्तियों को रा.भा.चि.सं.सं., हैदराबाद द्वारा संचालित अन्य अनुसंधान गतिविधियों के साथ-साथ प्रकाशनों और विभिन्न अनुसंधान पोर्टलों जैसे अमर, साही, ई-मेधा, सीटीआरआई और नमस्ते के बारे में भी जानकारी दी गई। छात्रों और आम जनता के लाभ के लिए आईईसी सामग्री का वितरण और संशमनीवटी (प्रतिरक्षा बूस्टर) का वितरण भी किया गया। इस युवा उत्सव में डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक के मार्गदर्शन में टीम का नेतृत्व डॉ. संतोष माने, अनुसंधान अधिकारी (आयु.), श्री. के श्रीनिवास राव, पुस्तकालय सूचना सहायक, जी. रविबाबू, छाया-चित्रकार, विजय कुमार, पुस्तकालय परिचारक और श्री शेखर, एमटीएस ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं।

भट्टी ने लोकसभा से राहुल की अयोग्यता को लोकतंत्र पर एक तमाचा बताया

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस विधायक दल के नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने आज अपनी पार्टी के नेता राहुल गांधी को लोकसभा से अयोग्य ठहराए जाने को देश के लोकतंत्र पर तमाचा करार दिया। उन्होंने कहा कि वह आपराधिक मानहानि के मामले में राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाने की खबर सुनकर स्तब्ध हैं। सीएलपी नेता ने कहा कि राहुल गांधी की अयोग्यता भी देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने के खिलाफ सत्ताधारी पार्टी के नेताओं की साजिश थी। उन्होंने लोकतंत्र के समर्थकों, धर्मनिरपेक्ष और प्रगतिशील नेताओं से एक स्वर में राहुल गांधी को लोकसभा से अयोग्य ठहराए जाने की निंदा करने का आह्वान किया। उन्होंने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार से पूछा कि इस मुद्दे पर लाखों लोग राहुल गांधी के साथ हैं। उन्होंने अपनी चल रही पदयात्रा के हिस्से के रूप में आसिफबास मंडल के वादीगुड़ा में एक सभा को संबोधित करते हुए ये टिप्पणियां कीं। भट्टी ने कहा कि राहुल गांधी ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक देश को एकजुट करने के लिए अपनी भारत जोड़ो पदयात्रा की थी। उन्होंने राहुल गांधी को लोकतंत्र का असली पैरोकार करार दिया। उन्होंने साफ किया कि राहुल गांधी पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से उन्हें जेल भेजने की धमकियों से डरने वाले नहीं हैं. उन्होंने कहा कि देश की अस्मिता और एकता के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाली पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का खून राहुल गांधी की रगों में बह रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी और अमित शाह ने साजिश रची और आपराधिक मानहानि के मामले में राहुल गांधी को दोषी ठहराया।

राहुल की अयोग्यता पर बीआरएस नेताओं ने हंगामा किया

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को संसद से अयोग्य ठहराए जाने पर भारत राष्ट्र समिति ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में देश ने राजनीति में एक नया निचला स्तर देखा है। केंद्र सरकार के अधिनियम की निंदा करते हुए, आईटी और उद्योग मंत्री के टी रामाराव ने कहा कि राहुल गांधी की अयोग्यता संविधान की एक गलत व्याख्या थी।

उन्होंने ट्वीट किया कि इस मामले में दिखाई गई जल्दबाजी बेहद अलोकतांत्रिक है। मैं इसकी निंदा करता हूं। वित्त मंत्री टी हरीश राव ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासन में देश में लोकतंत्र और संवैधानिक अधिकार गंभीर खतरे में हैं। शुक्रवार को अपने ट्विटर हैंडल पर पोस्ट किए गए एक बयान में हरीश राव ने कहा कि यह फैसला तानाशाही की राजनीति और भाजपा के अहंकार का एक आदर्श उदाहरण है। इस बीच, राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष बी विनोद कुमार ने राहुल गांधी की अयोग्यता के लिए केंद्र सरकार की गलती पाई और इसे जल्दबाजी में लिया गया फैसला करार दिया। विनोद कुमार ने कहा कि संसद सदस्य से अयोग्य ठहराने का फैसला असंवैधानिक है और यह लोकतंत्र में एक काला दिन है। समाज कल्याण मंत्री सत्यवती राठौड़ ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार विपक्षी दलों की आवाज दबा रही है और वह दिन नजदीक आ गया है जब लोग भाजपा को सबक सिखाएंगे।

नरेंद्र मोदी सरकार पर स्वचालित तरीके से काम करने का आरोप लगाते हुए, पंचायत राज मंत्री एर्राबेल्ली दयाकर राव ने कहा कि देश में "अघोषित आपातकाल जैसी स्थिति" बनी हुई है। इस बीच, मंत्रियों कोप्पुला ईश्वर, गंगुला कमलाकर, जगदीश रेड्डी, सिंगरेड्डी निरंजन रेड्डी और अन्य नेताओं ने संसद से राहुल गांधी की अयोग्यता की निंदा की और कहा कि यह अधिनियम लोकतंत्र की सीधी हत्या थी।

अग्रवाल समाज मियांपुर महिला शाखा द्वारा हिंदू नव वर्ष आयोजित

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना मियांपुर महिला शाखा द्वारा हिंदू नव वर्ष का आयोजन किया गया। शाखा अध्यक्ष हेमलता वर्षा अग्रवाल द्वारा कहा गया कि इस अवसर पर नववर्ष का स्वागत केवल मानव ही नहीं पूरी प्रकृति कर रही होती है। इसके पश्चात शाखा द्वारा गणगौर का बिंदौरा निकाला गया। सभी महिलाओं ने सबसे पहले गणगौर माता व ईसर भगवान की झांकी सजाई तथा उन्हें पारम्परिक गहनों से शृंगारित किया। समारोह में उपस्थित शाखा के अध्यक्ष हेमलता, वर्षा अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुलोचना मित्तल, मन्त्री सरिता अग्रवाल, सहमन्त्री अलका अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुमन गर्ग, केंद्रीय समिति सदस्य रुचि अग्रवाल एवं निर्मला, ज्योति, वंदना, हेमा, सुनीता, अनीशा, लक्ष्मी, कुसुम, सरंचना, सविता अग्रवाल, हेमा, मीनू जिंदल, उर्मिला, शोभा, पूजा, ममता, सोनम, शारदा, अलका, चांदनी, आरती, सुनीता, सुनीता विनोद गोयल आदि महिलाएं उपस्थित थी।

उत्तरी तेलंगाना में बीएसएनएल की सेवाएं बाधित

करीमनगर, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार देर रात करीमनगर में टॉवर सर्कल के पास बीएसएनएल की मुख्य शाखा में आग लगने के बाद सेवा प्रदाता का नेटवर्क ऑफलाइन हो जाने के कारण बीएसएनएल सेवाएं बाधित हो रही हैं। बीएसएनएल की तकनीकी टीम नेटवर्किंग सिस्टम को दुरुस्त करने में जुटी है। चूंकि पूरा उपकरण जलकर राख हो गया था, इसलिए अधिकारी नए सॉफ्टवेयर लगाने के अलावा नए उपकरण भी ठीक कर रहे हैं। बीएसएनएल के सूत्रों ने कहा कि सेवाओं को बहाल करने में 24 घंटे लगेंगे। नेटवर्किंग कंट्रोलिंग सिस्टम को ठंडा करने के लिए लगे एसी में शार्ट सर्किट से आग लग गई। परिणामस्वरूप, संपूर्ण नेटवर्किंग नियंत्रण प्रणाली पूरी तरह से जल गई।

विभिन्न सरकारी विभागों के सीयूजी मोबाइल फोन के अलावा, पूर्ववर्ती करीमनगर, आदिलाबाद, और वारंगल और निजामाबाद जिलों के कुछ हिस्सों में बीएसएनएल सेवाओं का उपयोग करने वाले लगभग तीन लाख मोबाइल फोन भी प्रभावित हुए थे। बीएसएनएल ब्रॉडबैंड सेवाएं भी ठप हो गईं क्योंकि नेटवर्क की कमी के कारण 3,000 लैंड फोन काट दिए गए थे। नेटवर्क नहीं होने से विभिन्न बैंकों में भी गतिविधियां ठप हैं। बताया जा रहा है कि अगलगी की घटना में करीब पांच से छह करोड़ रुपये की संपत्ति जलकर खाक हो गयी।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

मंडी खाने से 12 लोग बीमार पड़े, फूड स्टॉल को सील कर दिया गया

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने एक शिकायत के बाद सनतनगर में एक भोजनालय को सील कर दिया है कि वहां परोसी गई मंडी खाने के बाद 12 लोग बीमार हो गए। जीएचएमसी के अधिकारियों के मुताबिक, होटल माशा अल्लाह में खाना खाने वाले 12 लोगों को उल्टी और अन्य बीमारियां थीं और उन्हें गुरुवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अधिकारी ने कहा कि इलाज के बाद उन्हें शुक्रवार को छुट्टी दे दी गई और उनका स्वास्थ्य अब स्थिर है।

जीएचएमसी के अधिकारियों ने जगह का निरीक्षण किया और खाद्य नमूनों को जांच के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ प्रिवेंटिव मेडिसिन (आईपीएम) भेजा और इसे सील कर दिया। हम एक सप्ताह के भीतर नमूनों के परिणाम प्राप्त करेंगे।

प्रबंधन द्वारा हमसे रेस्तरां को फिर से खोलने का अनुरोध करने के बाद, हमने शुक्रवार को एक वचन लिया और दोपहर 1 बजे तक रिपोर्ट जारी होने तक उन्हें फिर से खोलने की अनुमति दी।

केसीआर किसानों के ब्रांड एंबेसडर : मंत्री

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री सिंगरेड्डी निरंजन रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव तेलंगाना में कृषि क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न पहल करके किसानों के लिए ब्रांड एंबेसडर बन गए हैं।

शुक्रवार को यहां मिलेट सम्मेलन-2023 को संबोधित करते हुए मंत्री निरंजन रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले आठ वर्षों के दौरान कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों पर लगभग 4.50 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं और तेलंगाना देश में कृषि क्षेत्र के लिए धन की बड़ी राशि आवंटित करने वाला एकमात्र राज्य है।

नरंजन रेड्डी ने कहा कि केसीआर एक दूरदर्शी नेता हैं जिन्होंने कृषि क्षेत्र के महत्व और देश के लिए पर्याप्त खाद्यान्न की आवश्यकता की पहचान की है। उनके नेतृत्व में, तेलंगाना बड़े पैमाने पर किसानों को प्रोत्साहित करके अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श बन गया है। किसानों की उपेक्षा करने के लिए केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला करते हुए मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास कृषि क्षेत्र के लिए कोई विजन नहीं है और किसानों को प्रोत्साहन से इनकार कर एक कच्चा सौदा किया जा रहा है।

रामकोट स्थित जैन भवन फंक्शन हॉल में पांचलोड़ राजपुरोहित परिवार द्वारा आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में उपस्थित आयोजक मोतीसिंह, सुमेरसिंह, योगेन्द्रसिंह राजपुरोहित, श्री अभा राजपुरोहित संस्थान पुष्कर भवन अध्यक्ष गजेन्द्रसिंह निम्बोल, श्री महादेव देवासी समजा ट्रस्ट अध्यक्ष केवलराम लुणी, लक्ष्मणसिंह निमाज, रुपसिंह, छोटुसिंह, महावीर, नैतिक, दिव्यांश राजपुरोहित, चन्दनकंवर, शारदाकंवर, वसन्ताकंवर, पायलकंवर, किरनकंवर, कुसुम राजपुरोहित व अन्य।

सरकारी कर्मचारियों के लिए एनपीएस को बनाया जाएगा और आकर्षक

वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने किया कमिटी गठित

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा में वित्त विधेयक के पास किए जाने के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने एलान किया है कि सरकारी कर्मचारियों के लिए नेशनल पेंशन स्कीम को और आकर्षक बनाया जाएगा।इसके लिए उन्होंने नेशनल पेंशन स्कीम को लेकर कमिटी बनाये जाने का एलान किया है।

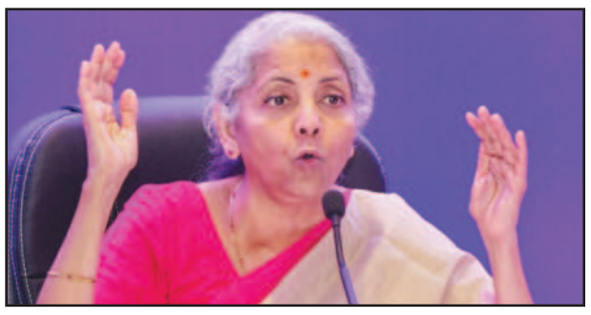

वित्त सचिव की अध्यक्षता में इस कमिटी का गठन किया जाएगा।वित्त मंत्री ने कहा कि इस कमिटी की सिफारिशों को केंद्र सरकार के कर्मचारियों और राज्य सरकार के कर्मचारियों समेत सभी पर लागू होगा। वित्त विधेयक पर चर्चा के दौरान वित्त मंत्री ने लोकसभा में कहा कि, मैं वित्त सचिव की अध्यक्षता में पेंशन के मुद्दे पर विचार करने और आम नागरिकों की रक्षा करते हुए फिस्कल प्रूडेंस को बनाए रखते हुए कर्मचारियों की जरूरतों को पूरा करने वाले दृष्टिकोण को विकसित करने के लिए कमिटी बनाने की घोषणा करती हूं।वित्त मंत्री ने कहा कि कमिटी की सिफारिशें होंगी उसे केंद्र सरकार और राज्य सरकारों दोनों द्वारा अपनाने के लिए तैयार किया जाएगा।दरअसल नेशनल पेंशन स्कीम लेकर केंद्र और विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों के बीच घमासान छिड़ा हुआ है।केंद्र सरकार समेत राज्य सरकार के कर्मचारी इन दिनों नेशनल पेंशन स्कीम को विरोध करते हुए पुरानी पेंशन स्कीम को फिर से बहार करने की मांग कर रहे हैं।विवाद इसलिए भी एनपीएस को लेकर गहराता जा रहा है कि क्योंकि कांग्रेस शासित राज्य जैसे हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, छतीसगढ़ जैसे राज्यों में पुरानी पेंशन स्कीम को फिर से बहाल कर दिया गया है।

जिसके बाद एनपीएस की समीक्षा करने का सरकार पर दबाव बढ़ता जा रहा था।मोदी सरकार के एनपीएस को लेकर कमिटी बनाने का राजनीतिक पहलु भी है।बीजेपी शासित राज्यों में भी सरकारी कर्मचारी ओपीएस की बहाली की मांग कर रहे हैं। एक साल बाद लोकसभा चुनाव होने वाला है।

सरकारी कर्मचारियों के पेंशन का मसला राजनीतिक मुद्दा बनता जा रहा है। यही वजह है कि केंद्र सरकार ने एनपीएस में सुधार करने के लिए कमिटी बनाने का फैसला किया है।

अडानी के बाद अब जैक डोर्सी भी करेंगे हिंडनबर्ग पर केस, नई रिपोर्ट पर आई प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी शॉर्ट सेलर कंपनी हिंडनबर्ग एक बार फिर से चर्चा में है। दो महीने पहले भारत के अडानी समूह के खिलाफ विवादास्पद रिपोर्ट लाने वाली इस कंपनी को अब नए मुकदमों का सामना करना पड़ सकता है।अब हिंडनबर्ग के खिलाफ जैक डोर्सी की पेमेंट कंपनी ब्लॉक इंक कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है.हिंडनबर्ग का विवादों से पुराना नाता रहा है।यह कंपनी अब तक दुनिया भर की कई अन्य कंपनियों के खिलाफ टारगेटेड रिपोर्ट ला चुकी है।हिंडनबर्ग किसी कंपनी को निशाना बनाकर उसके खिलाफ रिपोर्ट लाती है और वहीं दूसरी ओर निशाने पर ली गई कंपनी के शेयरों को शॉर्ट कर कमाई करती है।इस साल की शुरुआत में कुछ ऐसा ही अडानी समूह के साथ किया गया था और अब उसके निशाने पर ट्विटर के को-फाउंडर जैक डोर्सी की नई कंपनी ब्लॉक है।डोर्सी पेमेंट कंपनी के को-फाउंडर भी हैं और अभी सीईओ का पद संभाल रहे हैं.हिंडनबर्ग ने अपनी ताजी रिपोर्ट में ब्लॉक के ऊपर यूजर्स की संख्या बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने का आरोप लगाया है।रिपोर्ट की मानें तो ब्लॉक ने जानबूझकर अपने यूजर्स की संख्या बढ़ाकर दिखाई, ताकि नए यूजर्स को अपने साथ जोड़ने की लागत कम बताई जा सके।इसके अलावा हिंडनबर्ग ने ब्लॉक के सीईओ डोर्सी को भी निशाने पर लिया है।उसका कहना है कि डोर्सी ने महामारी के दौरान अपने हिस्से के शेयरों को बेचकर मोटी कमाई की.वहीं ब्लॉक ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया।

7 लाख रुपये से ज्यादा इनकम वालों को नए टैक्स रिजिम के तहत वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने दी मामूली राहत

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2023-24 के वित्त विधेयक को लोकसभा से मंजूरी मिल गई है।लेकिन उसके पहले विधेयक पर बोलते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने टैक्सपेयर्स को बड़ी राहत दी है।टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है लेकिन जिनकी सालाना आय 7 लाख रुपये से थोड़ा ज्यादा है उन्हें राहत दी गई है।आइए आपको विस्तार से बताते हैं कैसे टैक्सपेयर्स को राहत मिलने वाली है।नए टैक्स रिजिम के तहत 7 लाख रुपये तक सालाना आय पर टैक्सपेयर्स को कोई टैक्स नहीं चुकाना होगा।लेकिन जिनकी सालाना आय मान लिजिए 7 लाख रुपये से थोड़ा ज्यादा है उन्होंने 7 लाख रुपये तक के इनकम पर मिलने वाला 25,000 रुपये के टैक्स रिबेट का लाभ नहीं मिलता।उदाहरण के लिए मान लिजिए किसी टैक्सपेयर्स की इनकम 7 लाख रुपये से उसे 25,000 रुपये टैक्स की बचत होगी।लेकिन किसी की सालाना आय 7,00,100 रुपये (7 लाख 100 रुपये) है उसे केवल 100 रुपये ज्यादा आय होने पर 25,010 रुपये टैक्स चुकाना पड़ता।वित्त मंत्री ने वित्त विधेयक पारित होने के दौरान ऐसे टैक्सपेयर्स को मामूली राहत देने का एलान किया है।नए प्रस्ताव के मुताबिक अगर किसी टैक्सपेयर्स की सालाना इनकम 7,00,100 रुपये है उन्हें 25,010

रुपये टैक्स नहीं बल्कि केवल 100 रुपये टैक्स चुकाना होगा।भले ही सरकार ने टैक्स छूट के दायरे को बढ़ा दिया हो लेकिन अगर किसी टैक्सपेयर्स की आय 7,01,000 रुपये सलाना होगी तो 25,000 रुपये टैक्स रिबेट का लाभ नहीं मिलेगा और ऐसे टैक्सपेयर्स को 25,100 रुपये और सेस को मिलाकर 26,140 रुपये टैक्स चुकाना होगा।यानि केवल 7 लाख रुपये के ऊपर केवल 1,000 रुपये के अतिरिक्त आय होने पर टैक्सपेयर्स को 26,140 रुपये टैक्स का भुगतान करना होगा।अगर किसी व्यक्ति की सालाना आय 7,29,000 रुपये है तो उसे 29,016 रुपये टैक्स का भुगतान करना होगा।यानि 7 लाख रुपये से ज्यादा जितनी आय होगी वो टैक्स के भुगतान में ही चला जाएगा।इन टैक्सपेयर्स के पास एक ही विकल्प है कि वे 7 लाख रुपये से ज्यादा जितनी भी आय है उसे लेने से इंकार कर दें तभी उन्हें नए टैक्स रिजिम के तहत 7 लाख रुपये तक के आय पर कोई टैक्स नहीं चुकाने का लाभ मिलेगा।

वायदा बाजार में सोने की चमक पड़ी फीकी

जानें क्या है चांदी का हाल? चेक करें प्रमुख शहरों के गोल्ड-सिल्वर रेट्स

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के दाम में आज बढ़त देखी जा रही है, मगर इसका असर घरेलू बाजार पर नहीं दिख रहा है। शुक्रवार 24 मार्च, 2023 को गोल्ड के दाम में गिरावट दर्ज की गई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर 24 कैरेट सोना 59,490 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला है।इसके बाद इसमें गिरावट देखी जा रही है और दिन 12.30 मिनट तक यह 59,275 रुपये पर पहुंच गया है। वायदा बाजार में सोने की गिरावट का सबसे बड़ा कारण है मुनाफा वसूली। वहीं कल की बात करें तो सोना एमसीएक्स 59,565 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

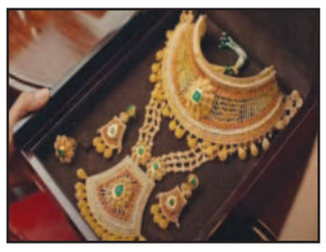

एमसीएक्स में क्या है चांदी का दाम?

सोने के दाम में गिरावट दर्ज के साथ ही चांदी की चमक भी आज फीकी हो गई है। चांदी मार्केट खुलने पर 70,093 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। इसके बाद सिल्वर के दाम में और गिरावट देखी गई है और यह दिन में 12.30 बजे तक इसके दाम में थोड़ी गिरकर 70,074 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया है। कल चांदी 70,212 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

देश के प्रमुख शहरों में सोने-चांदी का दाम- दिल्ली- 22 कैरेट सोना 54,950 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 72,600 प्रति किलोग्राम मुंबई-22 कैरेट सोना 54,200 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 72,600 रुपये प्रति किलोग्राम कोलकाता-22 कैरेट सोना 54,200 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 72,600 रुपये प्रति किलोग्राम चेन्नई-22 कैरेट सोना 54,700 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 75,400 रुपये प्रति किलोग्राम बेंगलुरु-22 कैरेट सोना 54,850 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 75,400 रुपये प्रति किलोग्राम इंटरनेशनल मार्केट में सोने और चांदी दोनों के दाम में तेजी देखी जा रही है। सोने के दाम में आज 1.03 डॉलर की बढ़त के बाद यह 1,992.88 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी की बात करें तो इसमें 0.04 डॉलर की बढ़त दर्ज की गई है और यह 23.09 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है।अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की चमक का असर घरेलू मार्केट पर आज नहीं दिख रहा है और फिलहाल सोना लाल निशान पर कारोबार कर रहा है।

अडाणी ग्रुप के 10 में से 7 शेयरों में गिरावट

सेंसेक्स 398 अंक गिरकर 57,527 पर बंद, निफ्टी 131 अंक गिरा

मुंबई, 24 मार्च (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार (24 मार्च) को भारतीय शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 398 अंक की गिरावट के साथ 57,527 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 131 अंक की गिरावट रही। यह 16,945 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 24 शेयरों में गिरावट और 6 में तेजी रही।

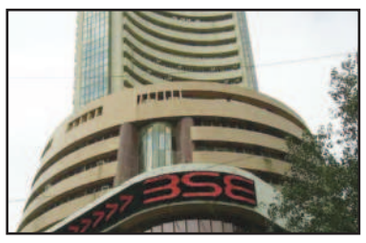

अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 2.68% लुढ़का

आज के कारोबार में अडाणी ग्रुप के 10 में से 7 शेयरों में गिरावट देखने को मिली। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 2.68% लुढ़का। अडाणी पोर्ट्स, विल्मर, पावर, अंबुजा सीमेंट, एसीसी और एनडीटीवी के शेयरों में भी गिरावट रही। वहीं अडाणी ग्रीन एनर्जी में 5.00%, ट्रांसमिशन में 4.20% और टोटल गैस में 2.44% की तेजी देखने को मिली।

गुरुवार को सेंसेक्स 289 पॉइंट गिरा था

गुरुवार (23 मार्च) को शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 289 अंक गिरकर 57,925 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 75 अंकों की गिरावट रही। यह 17,076 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 17 शेयरों में गिरावट और सिर्फ 13 में तेजी देखने को मिली।

बिना पंजीकरण सोशल मीडिया पर शेयर की खरीद-बिक्री की सलाह देने वालों पर सेबी सख्त, चार कंपनियों पर कार्रवाई

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। बाजार नियामक सेबी ने सोशल मीडिया पर गैर-पंजीकृत निवेश सलाहकारों पर शिकंजा कसना शुरू किया है। कम-से-कम चार कंपनियों पर कार्रवाई की गई है। ये कंपनियां निवेशकों को शेयरों की खरीद-बिक्री की सलाह दे रही थीं। नियमों के मुताबिक, इन कंपनियों पर प्रतिभूति बाजार में कारोबार करने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने के साथ जुर्माना भी लगाया जा सकता है। साथ ही इस तरह की गलत सलाह से जो भी कमाई की गई है, उसे भी लौटाना पड़ सकता है। हालांकि, अभी सेबी इन सबकी जांच कर रहा है। सेबी ने एक साल में ऐसे चार आदेश पास किए हैं। इनका मकसद खुदरा निवेशकों को बचाना है और ऐसे गैर-पंजीकृत लोगों की वित्तीय सलाहों पर नकेल कसना है। नियमों के मुताबिक, शेयरों की खरीद फरोख्त की सलाह वही दे सकते हैं, जो सेबी में पंजीकृत हैं।सेबी के मुताबिक, देश के फ्यूचर एंड ऑप्शन (एफएंडओ) बाजार में खुदरा निवेशकों की संख्या वित्त वर्ष 2018-19 से 2021-22 के बीच 500 फीसदी बढ़ गई है। इस दौरान हर 10 में से 9 निवेशकों को घाटा हुआ है। सेबी ने स्टॉक एक्सचेंजों और एसेट मैनेजमेंट कंपनियों से भी कहा है कि वे ऐसे गैर-पंजीकृत समूहों की पहचान करें, जो ऑनलाइन निवेश की सलाह दे रहे हैं।उधर, मारुति सुजुकी इंडिया व होंडा कार्स के वाहन अप्रैल से महंगे होने वाले हैं। मारुति सुजुकी ने बृहस्पतिवार को कहा, नियामक जरूरतों और महंगाई के असर को आंशिक रूप से घटाने के लिए उसे दाम बढ़ाने पड़ रहे हैं। हालांकि, कंपनी ने यह नहीं बताया कि मूल्य वृद्धि कितनी होगी। कंपनी ने कहा, वाहनों के दाम अप्रैल, 2023 से बढ़ाए जाएंगे और यह मूल्य वृद्धि विभिन्न मॉडल के लिए भिन्न होगी। वहीं, होंडा कार्स ने कहा, वह एक अप्रैल से अपनी शुरुआती स्तर की कॉम्पैक्ट सेडान अमेज के दाम 12,000 रुपये तक बढ़ाएगी।

केनरा बैंक ने रूस ज्वाइंट वेंचर में एसबीआई को बेची हिस्सेदारी, 121 करोड़ रुपये में हुई डील

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। साल 2003 के दौरान कमर्शियल इंडो बैंक एलएलसी में 60 फीसदी एसबीआई और 40 फीसदी हिस्सेदारी केनरा बैंक के साथ शुरू किया गया था. 11 नंवबर 2022 को बेगलुरु बेस्ड कंपनी अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचने को लेकर एग्रीमेंट किया था।अब बैंक ने इसे सेल कर दिया है।

11 नवंबर को ट्रांसफर किए गए थे शेयर

फाइलिंग में केनरा बैंक ने कहा कि इस पूरी डील के लिए 121.29 करोड़ रुपये मिले हैं।पीटीआई के रिपोर्ट के मुताबिक, केनरा बैंक की हिस्सेदारी एसबीआई बैंक को कुल हिस्सेदारी बेचने की घोषणा जनवरी के दौरान की गई थी, जबकि एग्रीमेंट के मुताबिक, केनरा बैंक की पूरी हिस्सेदारी एसबीआई को ट्रांसफर 11 नंबवर 2022 को कर दिए गए हैं।सभी शेयर रूस के सेंट्रल बैंक की सहमति पर जारी किए गए हैं।

मूडीज ने रेटिंग को किया अपग्रेड

मूडीज इंवेस्टर्स सर्विस ने पब्लिक सेक्टर के बैंक

ऑफ बड़ौदा , केनरा बैंक और पंजाब नेशन बैंक के लॉन्ग टर्म रजिडेंश और विदेशी मुद्रा बैंक जमा रेटिंग को भी अपग्रेड किया है।रेटिंग फर्म ने भारतीय स्टेट बैंक की दीर्घकालिक स्थानीय और विदेशी मुद्रा बैंक जमा रेटिंग को भी बीएए3 कैटेगरी में रखा है।

केनरा बैंक ने बढ़ाया होम लोन रेट

पब्लिक सेक्टर के कर्जदाता ने इस साल 12 मार्च से होम लोन रेट्स और अन्य कर्ज रेट में भी बढ़ोतरी की है। एमसीएलआर को केनरा बैंक ने 45 बीपीएस तक बढ़ाया है और अब ये रेट्स 7.55 फीसदी से लेकर 8.60 फीसदी तक कर दिया गया है।

झट से सुलझ जाएंगे जीएसटी से जुड़े विवाद

लोकसभा ने अपीलीय न्यायाधिकरण को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। वस्तु एवं सेवा कर में होने वाले विवादों के निपटारे के लिए जल्द ही अपीलीय न्यायाधिकरण का गठन किया जा रहा है। लोकसभा ने इसके लिए शुक्रवार को वित्त विधेयक में बदलाव की मंजूरी दे दी है। इसका मतलब है कि जीएसटी विवादों का अब झट से निपटारा हो सकेगा। शुक्रवार को लोकसभा द्वारा पारित वित्त विधेयक 2023 में प्रस्तावित संशोधनों के अनुसार, जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण की पीठ हर राज्य में स्थापित की जाएगी, जबकि दिल्ली में एक प्रधानपीठ होगी, जो आपूर्ति का स्थान से

संबंधित अपीलों की सुनवाई करेगी। जीएसटी को देश में लागू किए पांच साल से भी ज्यादा का समय हो गया है। इस वजह से इससे जुड़े कई कानूनी मामले जमा हो गए हैं, जो सुनवाई के इंतजार में हैं। ऐसे में अपीलीय न्यायाधिकरण का गठन से इन मामलों को सुलझाने में तेजी आएगी। साथ ही, उच्च न्यायालयों, सर्वोच्च न्यायालय का बोझ कम हो सकेगा। कहा जा रहा है कि जीएसटी अ पी ली य न्यायाधिकरण की पीठ हर राज्य में स्थापित की जाएगी, जिसमें 4 सदस्यीय टीमें होंगी। प्रत्येक राज्य अपीलीय न्यायाधिकरण में दो तकनीकी सदस्य होंगे, जिसमें एक केंद्र और एक राज्यों से अधिकारी होंगे। दो न्यायिक सदस्यों वाली एक खंडपीठ होगी, जिसमें एक सदस्य तकनीकी होगा और एक न्यायिक।

दिल्ली आए अजय बंगा कोरोना संक्रमित हुए

पीएम मोदी और वित्त मंत्री सीतारमण से मुलाकात कैंसिल, रिपोर्ट आने के बाद आइसोलेट किया

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। वर्ल्ड बैंक के प्रेसिडेंट पद के उम्मीदवार अजय बंगा कोरोना से संक्रमित हो गए हैं। वे बुधवार (23 मार्च) को दिल्ली आए थे और आज (गुरुवार) को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करने वाले थे, लेकिन उससे पहले ही कोरोना की रूटीन जांच में पॉजिटिव पाए जाने के बाद उनकी सभी मीटिंग को कैंसिल कर दिया गया है। अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने कहा कि बंगा का दिल्ली आने के पहले कोविड टेस्ट किया गया था, तब उनकी रिपोर्ट निगेटिव आई थी। उनमें कोरोना के कोई भी लक्षण नहीं है, लेकिन पॉजिटिव पाए जाने के बाद स्थानीय दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए उन्हें आइसोलेट कर दिया गया है। बता दें कि भारत में पिछले दो हफ्तों में देश में इन्फ्लूएंजा और कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। बुधवार को देश में कोरोना के 1134 नए मामले दर्ज किए गए। इसके साथ ही सक्रिय मामलों की संख्या 7,026 हो गई है। बंगा तीन हफ्ते के वैश्विक दौरे के अंतिम पड़ाव में भारत पहुंचे हैं। आज उनकी दिल्ली यात्रा का आज अंतिम दिन है। इससे पहले वह अफ्रीका, यूरोप, लैटिन अमेरिका की यात्रा कर चुके हैं, जहां वह गवर्नमेंट ऑफिसर्स, एंटरप्रेन्योर्स, बिजनेस लीडर्स, डेवलपमेंट एक्सपर्ट और नोबेल पुरस्कार विजेताओं से मुलाकात कर चुके हैं।अजय बंगा वर्ल्ड बैंक के नए प्रेसिडेंट बन सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उन्हें पिछले महीने नॉमिनेट किया था। वे इसके लिए नॉमिनेट होने वाले भारतीय मूल के पहले व्यक्ति हैं। वर्ल्ड बैंक के वर्तमान प्रेसिडेंट डेविड मालपास के अप्रैल 2024 से पहले ही पद छोड़ने के ऐलान के बाद उन्हें नॉमिनेट किया गया।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन में	मीन...	05-48 बजे
चंद्र-	मेष में	मेष--	07-24 बजे
मंगल	मिथुन में	वृष--	09-09 बजे
बुध-	मीन में	मिथुन..	11-11 बजे
गुरु-	मीन में	कर्क...	13-21 बजे
शुक्र-	मेष में	सिंह...	15-34 बजे
शनि-	कुंभ में	कन्या..	17-41 बजे
राहु-	मेष में	तुला	19-46 बजे
केतु-	तुला में	वृश्चिक.	21-55 बजे
		धनु.....	00-09 बजे
		मकर..	02-16 बजे
		कुंभ...	04-06 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल --अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी **- 16 -23** उपरान्त पंचमी
मास - चैत्र शुक्ल पक्ष , शनिवार **Mar 25**
नक्षत्र - भरणी **- 13 -18** तक उपरान्त कृत्तिका
योग - विष्कुंभ **-00 - 18 -** तक उप - प्रीति
करण- विष्टि **- 16 - 23 -** तक उप- बव
विशेष:- श्रीगणेश दमनक चतुर्थी व्रत
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:20 से 10:51 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	06:20 - 07:49 अशुभ	लाभ	18:24 - 19:56 शुभ
शुभ	07:49 - 09:20 शुभ	उत्पात	19:56 - 21:24 अशुभ
रोग	09:20 - 10:51 अशुभ	शुभ	21:24 - 22:53 शुभ
उत्पात	10:51 - 12:22 अशुभ	अमृत	22:53 - 00:22 शुभ
चंचल	12:22 - 13:53 शुभ	चंचल	00:22 - 01:51 शुभ
लाभ	13:53 - 15:24 शुभ	रोग	01:51 - 03:19 अशुभ
अमृत	15:24 - 16:56 शुभ	काल	03:19 - 04:48 अशुभ
काल	16:56 - 18:24 अशुभ	लाभ	04:48 - 06:20 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,

आज आप एक बहुत बड़ी साझेदारी को अंतिम रूप देने वाले हैं लेकिन आपको अपने पार्टनर को अपने मिशन और लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट बता देना चाहिए । यदि कोई विवाद हुआ भी तो आपके भावनाओं में बह जाने की सम्भावना है,इस प्रवृति पर नियंत्रण रखें । आप दिन का अंतिम हिस्सा किसी बौद्धिक कार्यकलाप या कलाकारी सम्बन्धी रूचि में लगा सकते हैं ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

बदलाव आपके कैरियर में संकेत दे रहे है, लेकिन ये परिवर्तन आपको आनंद देगा । आपको नयी नौकरी की पेशकश मिल सकती है , या एक नए विभाग में आपको स्थानांतरित किया जा सकता है । पदोन्नति का भी संकेत मिल रहा है । आप अपनी नई जिम्मेदारियों से प्यार करेंगे और अपने आप को साबित करने के लिए उत्साह से भर जाएंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,

आज बोलने में सावधानी रखें। आप जिसे अपना करीबी समझते हैं,वो आपकी गुप्त बात को उजागर कर सकता है । बोलने से पहले सोच लें,अपनी बातचीत का विषय अपने और सामने वाले तक ही सीमित रखें । किसी तीसरे के बारे में बात करने से बचें । किसी दूसरे शहर की यात्रा और इसके दौरान किसी पुराने दोस्त से मुलाकात की सम्भावना है,पुराने पलों को याद करेंगे ।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,

आपको आज भावनात्मक और वित्तीय ,दोनों तरह का नुकसान हो सकता है । हालाँकि ,आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं । आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें जो पिछली बातों से आपको मिले हैं ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

अपने वादों का सम्मान करें ।आपको इसके लिए अपने मजे तथा आनंद के समय से समझौता करना पड़ सकता है परन्तु अगर आप दूसरों को दुःख नही पहुंचना चाहते तो आपको यह करना पड़ेगा । आपकी कल्पनात्मक शक्ति आपको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करेगी । आप मानवीय आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं, आपकी प्रगति तय है ।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ट, पे ,पो,

आज आपका मूड बदलता रहेगा । आप खुद भी यह नही समझ पायेंगे कि आप ऐसा क्यों महसूस कर रहे हैं और इस स्थिति को कैसे बदलें ? आपके इस प्रकार के व्यवहार से दुसरे भी उलझन में रहेंगे । फिर भी,किसी भी स्थिति में इमानदार बनें रहें क्योंकि इसी से आपको अपने लक्ष्य पूरे करने में मदद मिलेगी ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आप खुद की जरुरत से अधिक आलोचना करने के मूड में हैं |आपको भी पता है कि आपकी अधिकतर चिंताएं निरर्थक हैं,फिर भी आप चिंता करते रहते हैं । इसका एकमात्र समाधान यह है कि अपने किसी ऐसे करीबी से सा अपनी चिंताओं के बारे में बात करें जो आपको सहारा दे सके । इससे पहले कि आप विकर्षित अनुभव करें ,आपको किसी विश्वसनीय व्यक्ति से सलाह लेनी चाहिए ।

वृश्चिक लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,

आप पुराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपना रहे हैं । आज कुछ अलग ना सोचें,इसका प्रभाव औरों पर अच्छा न पड़ेगा । कोई भी काम करने से पहले ये मूल्यांकन दुबारा कर लें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं।घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए नया वाहन और दूसरी चीजें खरीदने हेतु समय उपयुक्त है ।

धनु ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे

आप एक साधारण आदमी हैं और इसीलिए आप संबंधों में कोई चालाकी नही करते । इससे आपको कई बार नुक्सान भी उठाना पड़ता है लेकिन यह सब अधिक समय तक नही चलेगा ,आखिर में चालाकी के स्थान पर आपकी सरलता की ही जीत होगी । अपनी संवेदनाओं को नियंत्रण में रखें । करीबियों के साथ अच्छा वक़्त बिताने की सम्भावना बनी हुई है ।

मकर मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी

आज आप अपने घर की साज सज्जा ,कपड़ों और सौंदर्य प्रसाधनों पर काफी खर्च कर सकते हैं । हालाँकि आप अपने खर्च को फिजूलखर्ची की सीमा तक पहुचने से पहले नियंत्रित कर पायेंगे । अपने किसी ख़ास को कोई कीमती उपहार दे सकते हैं,जो उसे बहुत अच्छा लगेगा । हालांकि अपनी भावनाओं को बोलकर व्यक्त करने से आपकी बात अधिक सार्थक लगेगी ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,

आज के दिन की खासियत आपकी किसी प्रभावी व्यक्ति से मुलाकात रहेगी जिसका प्रभाव आपके जीवन पर पर काफी लम्बे समय तक रहेगा । आप किसी ऐसीस्थिति या व्यक्ति के संपर्क में भी आ सकते हैं जहाँ आपको विपरीत दृष्टिकोणों का सामना करना पड़ सकता है ।आपको रचनात्मक आलोचना को सही तरीके से ही लें और बदतमीज हुए बिना ही अपनी बात को समझाने से कोशिश करें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आप फिलहाल अपने जीवन की केन्द्रीय समस्या को सुलझाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं । ऐसा भी संभव है कि आप इसे सुलझाने के लिए अपनी सामजिक और वित्तीय जिम्मेदारियों से भी छुट्टी ले लें । हालाँकि आपको यह भी समझना है कि आपके जल्दी मचने से इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकलेगा । आपको धीरज से काम लेना होगा ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

गजवा-ए-हिंद मामले में 7 ठिकानों पर रेड

गली-गली इस्लाम का परचम या झूठा कैंपेन

नई दिल्ली, 24 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 23 मार्च 2023 को एनआईए ने एक साथ गजवा-ए-हिंद मामलों से जुड़े 3 राज्यों के 7 ठिकानों पर छापा मारा है। इनमें महाराष्ट्र के 3, गुजरात के 3 और मध्य प्रदेश का 1 ठिकाना है। 8 महीने पहले 22 जुलाई 2022 को बिहार में दर्ज केस में एनआईए ने ये कार्रवाई की है।

गजवा का अर्थ होता है- इस्लाम को फैलाने के लिए की जाने वाली जंग। इस युद्ध में शामिल इस्लामिक लड़ाकों को 'गाजी' कहा जाता है। इस तरह मोटे तौर पर गजवा-ए-हिंद का मतलब भारत में युद्ध के जरिए इस्लामिक राज्य की स्थापना करने से है। स्कॉलर्स के बीच मतभेद यह है कि गजवा-ए-हिंद का विचार हदीस का हिस्सा है या नहीं? क्या वाकई में भारत में ऐसा कोई युद्ध होने की आशंका है या साजिश रची जा रही है? आखिर गजवा-ए-हिंद चुनावों के समय ही चर्चा में क्यों आता है?

इन सवालों के जवाब जानने से पहले यह जान लें कि हदीस क्या है। दरअसल, कुरान के बाद हदीस ही इस्लामिक धर्म, शिक्षा, रीति-रिवाज का सबसे बड़ा जरिया है। हदीस पैगंबर मोहम्मद की उन बातों का संग्रह है जो उन्होंने सहाबा (पैगंबर के सहयोगी) से उनके किसी सवाल के जवाब में कही थीं।

सवाल है कि आखिर गजवा-ए-हिंद है क्या? तो जवाब है कि गजवा का मतलब है-इस्लाम की स्थापना के लिए किया जाने वाला युद्ध। माना जाता है कि इस्लाम की स्थापना का अर्थ सिर्फ इस्लामिक सरकार की स्थापना भर नहीं है, बल्कि सभी लोगों का इसमें मुसलमान हो जाना भी जरूरी है।

लेखक और ब्रिटिश मसीहा फाउंडेशन इंटरनेशनल के सह संस्थापक यूनुस अलगोहर कहते हैं कि गजवा-ए-हिंद को हदीस से जोड़कर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। गजवा-ए-हिंद में हिंदुओं, सिखों या इस्लाम कबूल नहीं करने वालों के कत्ल की कोई बात नहीं की गई है। गजवा उसे कहते हैं जिसमें मोहम्मद साहब खुद जिस्मानी तौर पर शामिल हों। इसका मतलब ये हुआ कि न तो गजवा हुआ है और न ये है जो अब लोग कह रहे हैं, लेकिन अगर इस तरह की कोई चीज होती है और उसमें मोहम्मद साहब शामिल नहीं होते तो ये गजवा नहीं बल्कि कत्लेआम होगा।

हदीस में जब भारत को लेकर गजवा-ए-हिंद की बात कही गई थी तो उस समय तो पाकिस्तान था ही नहीं। ऐसे में पाकिस्तान अगर भारत पर हमला करता है तो यह तो भारत का भारत पर हमला होना माना जाएगा, क्योंकि पाकिस्तान तो भारत का अंग रहा है। वहीं, जो आतंकी गजवा-ए-हिंद करना चाहते हैं वे खुद ये मानते हैं कि मोहम्मद साहब इस दुनिया में नहीं हैं। ऐसे में वे कैसे गजवा-ए-हिंद करेंगे? वे लोगों को हदीस के नाम पर सिर्फ गुमराह कर रहे हैं। गली-गली इस्लाम का परचम है इसका मकसद

पॉलिटिकल कमेंटेटर पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ कहते हैं कि गजवा-ए-हिंद हदीस का हिस्सा है। गली-गली में इस्लाम का परचम इसका मुख्य मकसद है। कुछ लोगों का मानना है कि जब तक भारत में इस्लाम का परचम फहराया नहीं जाता, इस्लाम संपूर्णता को प्राप्त नहीं कर सकता। हमारा पड़ोसी मुल्क बताता है कि नबी साहब कहकर गए हैं कि यह तो होकर रहेगा। इसके साथ ही गाजी का मतलब होता है जो लड़ते-लड़ते नॉन बिलीवर, यानी उसके धर्म को न मानने वाले को मार देता है उसे गाजी का दर्जा मिलता है।

गजवा-ए-हिंद का मतलब साफ है कि जब तक पूरी दुनिया में इस्लाम का परचम नहीं फहरेगा, तब तक इस्लाम अधूरा है। इस्लाम का मानना है कि तकरीबन पूरी दुनिया में इस्लाम का परचम फहरा दिया गया है, लेकिन 700-800 सालों से भारत में इस्लाम का परचम नहीं फहराया जा सका है। जब तक भारत की गली-गली, मोहल्ले-मोहल्ले में इस्लामिक कानून नाफिस नहीं हो जाता, इस्लाम के

मानने वालों की सरकार नहीं बन जाती, तब तक गजवा-ए-हिंद का सपना पूरा नहीं होगा।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अरशद मदनी कहते हैं कि हिन्दुस्तान में तो पहले ही गजवा-ए-हिंद हो चुका है। बाबर के जमाने में हो चुका है। बाबर ने यहां आकर डेरा डाल दिया था। हिंदुस्तान के अंदर मुसलमानों की जंग ही गजवा-ए-हिंद है। यह जंग तो पहले ही हो चुकी है। 800 साल तक जो हिंदुस्तान पर हुकूमत की गई वह यही तो था।ये तो पहले ही हो चुका है। अब कौन आएगा गजवा-ए-हिंद करने। जानबूझकर वैमनस्य पैदा करने के लिए ये बातें उछाली जाती हैं। क्या ये मुमकिन है कि पाकिस्तान आकर हिन्दुस्तान पर हुकूमत करेगा? क्या बांग्लादेश आकर भारत पर कब्जा कर लेगा। कौन सा ऐसा मुल्क है जो हिन्दुस्तान पर कब्जा कर लेगा। क्या चीन गजवा-ए-हिंद करेगा। यह कुछ नहीं है। सिर्फ इसके जरिए मुसलमानों के खिलाफ दीवार खड़ी करने की कोशिश हो रही है। गजवा-ए-हिंद का जिक्र किसी भी ढंग की किताब में नहीं, यह केवल भ्रांति है । केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान बताते हैं कि देश में गजवा-ए-हिंद के नाम से एक झूठा कैंपेन चलाया जा रहा है। इसका मकसद लोगों के दिमाग में यह बात भरना है कि मुसलमान भारत के टुकड़े कर देंगे। इसे कौन स्वीकार कर लेगा? कोई भी स्वीकार नहीं करेगा। गजवा-ए-हिंद की बात करने वालों को यह भी नहीं पता कि गजवा उन लड़ाइयों को कहा जाता है जिसमें मोहम्मद पैगंबर खुद मौजूद थे। लगातार पिछले दो तीन साल से गजवा-ए-हिंद की बात हो रही है। शुरुआत पाकिस्तान से हुई है, लेकिन हमारे यहां भी कुछ लोग कह रहे हैं कि यह हदीस में है। मैं कहता हूं कि किसी भी अथॉरिटेटिव बुक में इस बारे में कुछ नहीं है। यह भ्रांति फैलाई जा रही है।

धर्म के नाम पर मौलवियों का एक पूरा नेटवर्क खड़ा किया गया

अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत रहे और हडसन इंस्टीट्यूट के 'इस्लाम और लोकतंत्र' प्रोजेक्ट के मुखिया रहे हुसैन हक्कानी अपने एक लेख में लिखते हैं कि हदीसों का सहारा लेकर मुस्लिम नौजवानों को जिहादी आतंकवाद के लिए उकसाने की प्रवृत्ति अफगान-सोवियत युद्ध के दौरान शुरू हुई। अफगान-सोवियत युद्ध के खत्म होने के बाद तमाम जिहादी गुटों ने मध्य और दक्षिण एशिया में अपनी गतिविधियां शुरू कीं। 1989-90 के इस दौर में कश्मीर में आतंकवाद ने अपने पांव पसारे और 'गजवा-ए-हिंद' नाम से इस दुष्प्रचार की शुरुआत हुई कि कश्मीर में जिहाद दीन का आदेश है और इसमें शहीद होने वाले को जन्नत नवाजी जाएगी। धर्म के नाम पर मौलवियों का एक पूरा नेटवर्क खड़ा किया गया, जिसने जिहाद के शहीद को जन्नत में 72 हूरें मिलने जैसी बातें भी जोड़ीं। लश्कर-ए-तैयबा तो उस समय गजवा-ए-हिंद की व्याख्या कश्मीर से भारत की आजादी के तौर पर करता था और इसे दीन का हुकुम बताता था। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर जैद हामिद जैसे पत्रकार पाकिस्तानी मीडिया में गजवा-ए-हिंद के तौर पर मशहूर रवायतों की आधुनिक व्याख्या हिंदू भारत और मुस्लिम पाकिस्तान के बीच युद्ध के तौर पर बताते थे। वे कहते थे कि पाकिस्तान बना ही दुनिया में इस्लामिक मुखालफत कायम करने के लिए है। मसूद अजहर जैसे आतंकी भी ऐसी रवायतों की मनगढ़ंत व्याख्या करते हैं। उमैया खिलाफत के शासकों ने पैगंबर के बाद अपने हित के लिए इसे लिखवाया। देवबंद से दीन की शिक्षा लेने वाले और जामिया मिलिया विश्वविद्यालय से इस्लामिक इतिहास में मौलाना वारिस मजहरी कहते हैं कि दुनिया में 'गल्बा-ए-इस्लाम' के लिए कुरान-हदीस के उद्धरण देना गलत है, क्योंकि कुरान में 'गजबा-ए- इस्लाम' से मतलब किसी तरह के सियासी निजाम को स्थापित करना नहीं है, बल्कि इस्लाम के पैगाम से दुनिया को मुतासिर करना है। गजवा-ए-हिंद का जिक्र हदीसों के छह प्रामाणिक संग्रहों में केवल एक में मिलता है। साथ ही गजवा-ए-हिंद से संबंधी रवायतों में केवल एक ही सहाबी अबू हुरैरा का ही जिक्र आता है। ऐसे में लगता है कि यह रवायत सही नहीं है और पैगंबर के काफी बाद उमैया खिलाफत के शासकों द्वारा इस मकसद से लिखवाई गई है कि वे अपनी आक्रमण और विस्तार की नीति को इस्लाम का जामा पहना सकें और उन्हें तर्कसंगत ठहरा सकें।

इस्लामिक इतिहास के मुताबिक पैगंबर मोहम्मद के बाद तक हदीस का कोई औपचारिक संग्रह नहीं मिलता। तब तक यह मौखिक इतिहास के तौर पर ही रहा। इसके बाद इसे लिपिबद्ध किया गया, लेकिन स्कॉलर्स का कहना कि हदीसों के संकलन के दौरान इसमें कुछ सुनी-सुनाई बातें भी शामिल हो गईं। पाकिस्तान में मौजूद आतंकी संगठन भी समय-समय पर भारत में हमला करने के लिए गजवा-ए-हिंद की बात करते हैं। 2019 में पुलवामा हमले से करीब एक साल पहले जैश-ए-मोहम्मद की बैठक में भारत के खिलाफ गजवा-ए-हिंद जारी रखने का फैसला किया गया था।

वहीं, 2011 में पाकिस्तान के लाहौर में एक रैली में आतंकी हाफिज सईद ने कहा था कि 'अगर कश्मीरियों को आजादी नहीं दी गई तो हम कश्मीर सहित पूरे भारत पर कब्जा कर लेंगे। हम गजवा-ए-हिंद की शुरुआत करेंगे। गजवा-ए-हिंद यानी भारत पर कब्जे के लिए लड़ाई।'

अमित शाह का बस्तर दौरा, नक्सली हुए एक्टिव

सुकमा में हमले की थी तैयारी, अंदरूनी इलाकों में ले रहे बैठक, प्रेस नोट जारी कर जताया विरोध

जगदलपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज से 2 दिवसीय बस्तर दौरे पर रहेंगे। वे सीआरपीएफ के 84वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इधर, अमित शाह के बस्तर दौरे को लेकर नक्सली भी बौखलाए हुए हैं। विरोध में माओवादियों ने पिछले 10 दिनों में 17 वाहनों को फूंक दिया है।

गुरुवार को सुकमा में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे। नक्सली कुछ कर पाते इससे पहले ही फोर्स ने माओवादियों को खदेड़ दिया। इधर, अमित शाह का विरोध करते नक्सलियों ने वीडियो भी जारी किया है। नक्सली एक्टिव हो चुके हैं। अब पूरे बस्तर में पुलिस फोर्स को अलर्ट कर दिया गया है।

माओवादियों की दक्षिण सब जोनल ब्यूरो की प्रवक्ता समता ने एक प्रेस नोट जारी किया है। माओवादी लीडर ने कहा कि, अमित शाह बस्तर में ड्रोन और हेलीकाप्टर से बमबारी करने की रणनीति बनाने आ रहे हैं। प्रेस नोट में माओवादियों ने अमित शाह को मार भगाने की बात लिखी है।

साथ ही समता ने अमित शाह

को जनता के सामने कटघरे में खड़े करने की बात कही है। गांव-गांव में पुरजोर विरोध करने कहा है। समता ने एक वीडियो भी जारी किया है। इस वीडियो में हथियारबंद माओवादियों के साथ सैकड़ों ग्रामीण अमित शाह के प्रवास को लेकर विरोध करते नजर आ रहे हैं। इधर बस्तर के अंदरूनी इलाकों में नक्सली लगातार बैठक ले रहे हैं।

सुकमा में करने वाले थे बड़ी वारदात

अमित शाह के बस्तर प्रवास से ठीक एक दिन पहले 23 मार्च को नक्सली किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की कोशिश में थे। कोंटा एरिया कमेटी के करीब 60 से ज्यादा माओवादी जंगल के रास्ते एर्राबोर थाना के कोत्तालेंड्रा के पास पहुंच गए थे। माओवादी नेशनल हाईवे 30 को अपना निशान बनाने वाले थे। हालांकि, इस बीच फोर्स को माओवादियों के मूवमेंट की खबर मिल गई थी। जिसके बाद भारी संख्या में जवानों को मौके के लिए रवना किया गया था।

जब फोर्स मौके पर पहुंची तो माओवादियों ने उनपर फायर खोल दिया। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में जवानों को भारी पड़ता देख माओवादी जंगल का सहारा लेकर भाग निकले। इस मुठभेड़ में जवानों ने घेराबंदी कर 5 माओवादियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने 5 नक्सलियों को गोली लगने का दावा किया है। जिन नक्सलियों को पकड़ा गया है उनसे पूछताछ जारी है।

इन जिलों में दिए वारदात को अंजाम

14 मार्च को बीजापुर के मिनगाचल नदी में रेत उत्खनन कार्य में लगी 3 वाहनों को मोवादियों ने आग के हवाले कर दिया था।

20 मार्च को कांकेर जिले के कोयलीबेड़ा इलाके में सड़क निर्माण कार्य में लगी 9 वाहनों में आगजनी कर दी थी।

22 मार्च को नारायणपुर जिले के भरंडा थाना इलाके में सीसी सड़क निर्माण कार्य में लगी 3 वाहनों को फूंक दिया था।

23 मार्च को दंतेवाड़ा जिले के बचेली थाना इलाके में रेलवे लाइन दोहरीकरण के कार्य में लगी 2 वाहनों को आग लगा दी। यहां भी जवानों के साथ मुठभेड़ हुई। फोर्स ने नक्सलियों को खदेड़ दिया।

नक्सलियों का चल रहा टीसीओसी

बस्तर में नक्सलियों का टीसीओसी चल रहा है। टीसीओसी के दौरान नक्सली अक्सर किसी न किसी तरह की बड़ी घटनाओं को अंजाम देते हैं। बस्तर में नक्सली एक्टिव हो गए हैं। अब अमित शाह के बस्तर दौरे को लेकर चारों तरफ फोर्स को भी अलर्ट कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ में भूकंप के झटके

रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4 .0,मध्यप्रदेश के ग्वालियर से 28 किमी दूर था केंद्र, सूरजपुर-अंबिकापुर में लोग घरों से निकले

सूरजपुर/अंबिकापुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। सूरजपुर जिले में शुक्रवार सुबह 10 बजकर 31 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर 4.0 तीव्रता दर्ज की गई है। भूकंप का केंद्र मध्यप्रदेश के ग्वालियर के दक्षिण-पूर्व में 28 किलोमीटर दूर जमीन से 10 किलोमीटर अंदर था। छत्तीसगढ़ के उत्तरी क्षेत्र में झटके ज्यादा महसूस किए गए हैं।

सरगुजा संभाग में सबसे ज्यादा भूकंप का असर देखने को मिला है। अंबिकापुर, सूरजपुर, कोरिया और बलरामपुर में झटके महसूस किए गए। यहां के स्थानीय लोगों ने बताया कि काफी देर तक उन्होंने झटके महसूस किए। डर की वजह से लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि किसी तरह के नुकसान की खबर अब तक नहीं है। अंबिकापुर में कॉलेज के छात्र भी फौरन क्लास से बाहर निकल गए हैं।

गांधी नगर निवासी उषा शर्मा के मुताबिक वह हॉल में सोफे पर बैठी थीं, और अचानक सोफा हिलने लगा। उनकी मां ने कहा कि भूकंप आ रहा है। जल्दी घर से बाहर भागो। इसके बाद हम सभी घर से बाहर निकल गए।

वार्ड क्रमांक 3 निवासी शिक्षक रविंद्र ठाकुर ने बताया कि भूकंप से जब छत हिलने लगा तो मैं अपने दोनों बच्चों और पत्नी के साथ जल्दी से नीचे उतरकर घर से बाहर आ गया। यहां देखा तो पूरे मोहल्ले के लोग अपने-अपने घर के बाहर खड़े थे।

मौसम वैज्ञानिक अक्षय भट्ट ने बताया कि 4.0 तीव्रता के भूकंप से ज्यादा नुकसान तो नहीं होता है। लेकिन कच्चे मकानों में दरारें आ सकती हैं। भूकंप का केंद्र ग्वालियर के बंसी सलैया नाम की जगह के पास है।

भूकंप वेधशाला बिलासपुर के मौसम वैज्ञानिक राहुल यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश के कुछ इलाकों के साथ ही उत्तरप्रदेश के आगरा सहित कुछ जगहों पर भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। कम तीव्रता का भूकंप होने के कारण छत्तीसगढ़ में जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है।

इससे पहले बस्तर सांसद दीपक बैज का भी वीडियो 2 दिन पहले वायरल हुआ था। जहां दिल्ली-एनसीआर में आए भूकंप के झटकों के कारण वे 7वीं मंजिल से सीढ़ियों से दौड़ते हुए नीचे उतरते दिखाई दिए थे। दिल्ली-एनसीआर में 21 मार्च रात करीब 10 बजकर 17 मिनट पर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.6 रही।

भूकंप आने पर क्या करें

अगर आप घर के अंदर हों, तो जमीन पर झुक जाएं। किसी मजबूत टेबल या फर्नीचर के किसी हिस्से के नीचे बैठ जाएं। इसे तब तक मजबूती से पकड़कर बैठे रहें, जब तक कि भूकंप के झटके न रुक जाएं।

अगर कोई मेज या डेस्क न हो, तो अपने चेहरे और सिर को अपने बाजुओं से ढंक लें और बिल्डिंग के किसी कोने में झुककर बैठ जाएं। पलंग के नीचे भी बैठ सकते हैं। खिड़कियों, दरवाजे, शीशे, दीवारों या फिर ऐसी कोई भी चीज जो गिर सकती हो, उससे दूर रहें।

आप भूकंप आने पर अगर घर में हैं, तो घर में ही रहें, क्योंकि अधिकतर हादसे घर से निकलने के दौरान किसी चीज के गिरने से होते हैं। किताबों की शेल्फ या अन्य गिरने वाली चीजों से दूर रहें। किचन में नहीं रुकें।

अगर आप घर के बाहर हों, तो जहां हों वहीं पर रहें। बिल्डिंग, पेड़ों, स्ट्रीट लाइट और बिजली/टेलीफोन के तारों व खंभों से दूर रहें। यदि आप किसी खुली जगह पर हों, तो वहां तब तक रुके रहें जब तक कि भूकंप के झटके न रुक जाएं।

भूकंप से संबंधित अधिकतर हादसे दीवारों के गिरने, टूटकर गिरने वाले कांच या गिरने वाले सामान के कारण होता है।

झाड़-फूंक के चक्कर में गंवा बैठा पैर

ओझा से सूजन सही नहीं हुई तो गया अस्पताल, डॉक्टर बोले- काटनी पड़ेगी टांग

कोरबा, 24 मार्च (एजेंसियां)। पैर में हुए सूजन के उपचार में लापरवाही बरतना एक ग्रामीण को काफी महंगा पड़ गया है। संक्रमण फैलने के कारण उसके पैर को काटने की नौबत आ गई है। ग्राम चाकामार में रहने वाला ग्रामीण अस्पताल में उपचार कराने के बजाए बैगा से झाड़फूंक कराता रहा, जिसके कारण यह नौबत आ गई।

ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगों को सस्ता उपचार सुलभ हो सके इसके लिए शासन प्रशासन द्वारा गांव-गांव में अस्पताल खोल दिया गया है। बावजूद इसके लोग आज भी अंधविश्वास की बेड़ियों में जकड़े हुए हैं और झांड़-फूंक के चक्कर में पड़कर अपनी जिंदगी को दांव पर लगाने से पीछे नहीं हट रहे हैं। ऐसा ही कुछ कोरबा के ग्राम चाकामार में देखने को मिला है। जहां पैर में हुए सूजन का अस्पताल में उपचार कराने के बजाय बैगा से झाड़-फूंक कराता रह गया। जिसका नतीजा यह

हुआ, कि ग्रामीण के पैर में संक्रमण हो गया और चिकित्सक ने उसका एक पैर काटने तक की बात कह डाली। ग्रामीण को बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया गया है।

ग्राम पंचायत चौकामार में फुलेश्वर सिह निवास करता है, उसके पिताजी के पैर में अचानक सूजन आ गई। अंधविश्वास में जकड़े ग्रामीण पैर में सूजन को जादू टोना समझ बैठे। वह डॉक्टरी सलाह के बजाय झाड़-फूंक से उपचार कराते रहे। झाड़-फूंक से जब आराम नहीं मिला तो ग्रामीण को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। जहां पर संक्रमण को देखते हुए चिकित्सक ने उसका एक पैर को काटने की बात कही है और ग्रामीण को बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया गया है।

मेडिकल कॉलेज के सअधीक्षक रविकांत जाटवर वालों ने बताया कि अंधविश्वास के चक्कर में उसकी पैर की हालत काफी गंभीर है जिसे रेफर करने की बात कही गई है लोग इस तरह के अंधविश्वास में ना पड़े वह इसकी अपील कर रहे हैं।

दूसरे राज्यों में भी खुलेंगे छत्तीसगढ़ संस्कृति केंद्र

सीएम भूपेश ने कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों को लिखा पत्र

रायपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। अब देश के दूसरे राज्यों में भी छत्तीसगढ़ी संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। दूसरे राज्यों के लोग छत्तीसगढ़ी संस्कृति से रू-ब-रू हो सकेंगे। आदिवासी रहन-सहन, शिल्प कला, बस्तर कल्चर आदि से अवगत हो सकेंगे। देश के दूसरे राज्यों में भी छत्तीसगढ़ संस्कृति केंद्रों की स्थापना होगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस संबंध में एक बड़ी पहल करते हुए विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों को खत लिखा है। सीएम ने पत्र में छत्तीसगढ़ सरकार की 'छत्तीसगढ़ कल्चरल कनेक्ट' योजना से अवगत कराया है।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व के स्थानों में छत्तीसगढ़ संस्कृति केंद्र खोले जाएंगे। इन केंद्रों में छत्तीसगढ़ के लोगों के निवास और भ्रमण की सुविधा मिलेगी। वहीं छत्तीसगढ़ राज्य की संस्कृति, पुरातत्व एवं पर्यटन स्थलों की जानकारी दी जाएगी। छत्तीसगढ़ के परंपरागत हस्तशिल्प उत्पादों की भी जानकारी मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री ने केंद्रों की स्थापना के लिए विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों को दो एकड़ शासकीय भूमि आबंटित करने के लिए अनुरोध किया है। वहीं बदले में मुख्यमंत्री ने विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों को आश्वस्त किया है कि उन्हें भी छत्तीसगढ़ में संस्कृति केंद्र खोलने के लिए भूमि आबंटन करेंगे। मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से ऋषिकेश, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र भाई पटेल से गिरनार एवं सोमनाथ, ओड़िसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से पुरी में, आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री वाय.एस. जगनमोहन रेड्डी से तिरूपति में, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से शिरडी में, झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से देवघर में, उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदिनाथ से वाराणसी, अयोध्या, प्रयागराज एवं मथुरा में दो एकड़ शासकीय भूमि आबंटित करने का अनुरोध किया है।

उड़ान भरते ही इमारत से टकराया ग्लाइडर, पायलट समेत दो घायल

धनबाद, 24 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के धनबाद जिले में गुरुवार शाम को एक ग्लाइडर उड़ान भरने के फौरन बाद क्रैश हो गया। बताया गया है कि यहां के बिरसा मुंडा पार्क के पास एक घर से टकराने के बाद ग्लाइडर क्रैश हो गया। इस हादसे में पायलट समेत दो लोग घायल हुए हैं। पुलिस अधिकार ने बताया कि बिरसा मुंडा पार्क के पास गुरुवार को एक निजी जॉयराइड ग्लाइडर एक इमारत से टकरा गया। जिससे पायलट और उसमें सवार यात्री घायल हो गए। दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, दोनों की हालत गंभीर है। स्थानीय लोगों ने बताया कि निजी जॉयराइडर ग्लाइडर धनबाद शहर में लोगों को हवाई भ्रमण कराता था। गुरुवार को भी ग्लाइडर एक यात्री को हवाई भ्रमण कराने के लिए उड़ना भरा था। इस दौरान हादसा हो गया। इसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बरवाअड्डा थाने के प्रभारी आशीष कुमार यादव ने कहा कि जॉयराइड ग्लाइडर बरवाअड्डा हवाई पट्टी से शाम करीब 4:50 बजे उड़ान भरने के फौरन बाद इमारत से जा टकराया। घायल यात्री की पहचान पटना निवासी कुश सिंह (14) के रूप में हुई है, जो अपने रिश्तेदार पवन सिंह के घर धनबाद आया था।

उन्होंने कहा कि कुश सिंह बरवाअड्डा हवाई पट्टी से एक निजी एजेंसी द्वारा चलाए जा रहे ग्लाइडर में सवारी के लिए गया था। जॉयराइड ग्लाइडर में केवल दो लोगों- पायलट और एक यात्री ही बैठ सकते हैं।

ग्लाइडर उड़ान भरने के तुरंत बाद नीलेश कुमार के घर पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने कहा कि हालांकि, इस हादसे में घर के किसी व्यक्ति को कोई चोट नहीं आई है। कुमार ने कहा कि उनके दो बच्चे वहां खेल रहे थे, लेकिन बाल-बाल बच गए।

पेंशन बिल के विरोध में हिंसा

बस स्टॉप-दुकानों में तोड़फोड़, 35 लाख लोग सड़कों पर उतरे, मैक्रों बोले- बिल देश हित में

पेरिस, 24 मार्च (एजेंसियां)। फ्रांस में पेंशन रिफॉर्म बिल के खिलाफ गुरुवार को अलग-अलग शहरों में 200 से ज्यादा प्रदर्शन हुए। करीब 35 लाख लोग मैक्रों सरकार के फैसले के खिलाफ सड़कों पर उतरे। राजधानी पेरिस में करीब 8 लाख लोगों ने मार्च निकाला। देर रात कई प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प भी हुई। बोर्डो शहर में गुस्साए लोगों ने सिटी हॉल के मेन गेट पर आग लगा दी। यूनियन की तरफ से प्रदर्शन कर रहे लोगों के हाथ में झंडे, पोस्टर और बैनर थे। इस पर पेंशन बिल और मैक्रों विरोधी नारे लिखे हुए थे। रिटायरमेंट उम्र 62 से बढ़ाकर 64 करने के विरोध में चल रहे प्रदर्शन के दौरान ज्यादातर शहरों में स्कूल और कॉलेज बंद रहे। कुछ शहरों में प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बस स्टॉप, होर्डिंग, दुकान की खिड़कियों और न्यूजपेपर स्टॉल्स पर तोड़फोड़ भी की। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया। फ्रांस के गृह मंत्री गेराल्ड डारमैनिन ने बताया कि झड़प में करीब 120 पुलिसकर्मी घायल

हुए। वहीं प्रदर्शनकारियों में से करीब 100 लोगों को हिरासत में लिया गया।

मैक्रों बोले- लोगों को बिल की जरूरत नहीं समझा पाए

इससे पहले 22 मार्च को दिए एक इंटरव्यू में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा था- मुझे इस बिल का कोई अफसोस नहीं है। हम देश हित के लिए जरूरी है। प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बॉर्न अपने पद से इस्तीफा नहीं देंगी। मुझे सिर्फ एक बात का दुख है कि मैं फ्रांस के लोगों को इस बिल की जरूरत नहीं समझा पाया। कोरोना के बाद देश में महंगाई बढ़ गई है। इसी वजह से हमें इस बिल की जरूरत है।

9 वोटों के अंतर से सरकार ने जीता था अविश्वास प्रस्ताव

इससे पहले 20 मार्च को सरकार के खिलाफ संसद में 2 अविश्वास प्रस्ताव लाए गए थे। ये दोनों ही प्रस्ताव मैक्रों सरकार ने जीत लिए थे। हालांकि, इनमें से एक में सरकार ने सिर्फ 9 वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। दूसरी तरफ, संसद में बिल पास होने के बाद इसे कानून की शक्ल दे दी गई। बिल के तहत फ्रांस में रिटायरमेंट एज 64 से बढ़ाकर 66 साल कर दी गई।

बिना वोटिंग पास हुआ था बिल

16 मार्च को फ्रांस की नेशनल असेंबली में प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बॉर्न ने संवैधानिक ताकत का इस्तेमाल करते हुए बिना वोटिंग के ही बिल पास करवा दिया था। पीएम ने आर्टिकल 49.3 का इस्तेमाल किया जिसके तहत बहुमत न होने पर सरकार के पास बिना वोटिंग के बिल पास कराने का अधिकार है। इसके बाद विपक्षी नेता मरीन ले पेन ने इमैनुएल मैक्रों की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की बात कही थी।

अब 43 साल काम करना जरूरी

'फ्रांस 24' की रिपोर्ट के मुताबिक, नई पेंशन योजना के तहत रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाने का फैसला लिया गया। इस योजना के तहत पूरी पेंशन के लिए जरूरी न्यूनतम सेवा काल की अवधि भी बढ़ा दी गई है। प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न ने बताया कि नई पेंशन योजना के प्रस्तावों के तहत 2027 से लोगों को पूरी पेंशन लेने के लिए कुल 43 साल काम करना होगा। अभी तक न्यूनतम सेवा काल 42 साल था। सरकार इसे फ्रांस की शेयर-आउट पेंशन सिस्टम की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण उपाय के रूप में बता रही है। सरकार का कहना है कि काम करने वालों और सेवानिवृत्त लोगों के बीच का अनुपात तेजी से कम हो रहा है। जिसे देखते हुए रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है। ज्यादातर यूरोपियन कंट्रीज ने रिटायरमेंट एज बढ़ाई है। इटली और जर्मनी में रिटायरमेंट की उम्र 67 साल है। स्पेन में ये 65 साल है। ब्रिटेन में रिटायरमेंट की उम्र 66 साल है।

वहीं फ्रांस के लोग अपने पेंशन रिफॉर्म बिल से खासतौर पर जुड़े हुए हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि एक लंबी लड़ाई लड़ने पर सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद नेशनल रेजिस्टेंस काउंसिल ये कानून लेकर आया था। पेंशन रिफॉर्म बिल को लेकर इससे पहले 1995 और 2010 में भी प्रदर्शन हो चुके हैं।

यूएन में बोले केंद्रीय मंत्री: जल क्षेत्र में 19 लाख 73 हजार करोड़ रुपये निवेश करेगा भारत

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने संयुक्त राष्ट्र को बताया कि भारत ने जल क्षेत्र में 240 अरब डॉलर से अधिक यानी 19 लाख 73 हजार करोड़ से ज्यादा निवेश करने का फैसला लिया है। इसके जरिए भूजल स्तर को बेहतर करने की कोशिश होगी और दुनिया के सबसे बड़े बांध पुनर्वास कार्यक्रम को लागू किया जाएगा।

शेखावत ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र जल सम्मेलन 2023 को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जल सुरक्षा सुनिश्चित करने और सभी के लिए स्वच्छ जल और स्वच्छता के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) को प्राप्त करने की दिशा में भारत में किए जा रहे महत्वाकांक्षी कार्यक्रमों और प्रयासों पर प्रकाश डाला।

और क्या बोले शेखावत?

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, 'हमने निजी इनोवेटर्स, स्टार्ट-अप्स और जल-उपयोगकर्ता संघों के साथ साझेदारी में सरकारी संसाधनों के माध्यम से जल क्षेत्र में 240 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया है। भारत स्वच्छता और पेयजल तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए दो प्रमुख मिशनों को लागू कर रहा है।'

उन्होंने आगे कहा कि भारत जल भंडारण बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए दुनिया में सबसे बड़ा बांध पुनर्वास कार्यक्रम लागू कर रहा है। शेखावत ने कहा, 'देश के अनूठे भूगोल के कारण, भारत दुनिया में भूजल के सबसे बड़े उपयोगकर्ताओं में से एक है। हालांकि, आज हम भूजल स्तर को बहाल करने और ग्रामीण जल सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से मांग और आपूर्ति पक्ष के हस्तक्षेप को जोड़कर जागरूक समुदाय बनाने का प्रयास कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'जमीनी स्तर पर पानी के उपयोग और संरक्षण पर व्यवहारिक परिवर्तन को बढ़ावा दे रहे हैं।

शेखावत ने यूएन में कहा कि स्वच्छ गंगा या नमामि गंगे के लिए भारत के महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय मिशन को हाल ही में मॉन्ट्रियल में आयोजित जैव विविधता सम्मेलन सीओपी15 के संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन द्वारा प्राकृतिक दुनिया को पुनर्जीवित करने के लिए शीर्ष 10 विश्व बहाली फ्लैगशिप में से एक के रूप में मान्यता दी गई है। उन्होंने कहा, 'इस मिशन ने नदी के पुनर्जीवन, प्रदूषण में कमी, पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षण और नदी बेसिन प्रबंधन के समग्र दृष्टिकोण में एक आदर्श बदलाव किया है।'

पत्रकारों को भेजे जा रहे पेनड्राइव बम

कम्प्यूटर में लगाते ही हो जाता है धमाका, पहली बार हमले का ऐसा तरीका सामने आया

क्यूटो, 24 मार्च (एजेंसियां)। साउथ अमेरिका के देश इक्वाडोर में पत्रकारों को विस्फोटक पेनड्राइव भेजी जा रही हैं। पत्रकार जैसे ही पेनड्राइव को अपने लैपटॉप या डेस्कटॉप में लगाते हैं, वो फट जाती है। इक्वाडोर में 5 से ज्यादा पत्रकारों को ये पेनड्राइव भेजी गई हैं।

20 मार्च को इक्वाडोर के स्थानीय टीवी चैनल इक्वाविसा के ऑफिस में एक धमाका हुआ था। जांच हुई तो पता चला कि एक पत्रकार लेनिन आर्टिएडा को ये पेनड्राइव भेजी गई थी। उसने जैसे ही इसे अपने लैपटॉप में लगाया, धमाका हो गया। धमाके में कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ।

जर्नलिस्ट लेनिन आर्टिएडा क्राइम और करप्शन से जुड़ी इन्वेस्टिगेटिव खबरों के लिए जाने जाते हैं। पुलिस ने इस मामले में एक संदिग्ध की पहचान की है। हालांकि, मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी से जुड़ी जानकारी साझा नहीं की गई है। पुलिस के मुताबिक, हमले का ऐसा तरीका पहली बार देखा गया है।

पूरा आरडीएक्स फटता तो धमाका बड़ा होता

इक्वाविसा की रिपोर्ट के मुताबिक, इस पेनड्राइव के अंदर एक कैप्सूल था, जिसमें आरडीएक्स भरा हुआ था। धमाके के दौरान पेनड्राइव में मौजूद आधा आरडीएक्स ही फटा था। अगर पूरा आरडीएक्स फटा होता तो धमाका कहीं ज्यादा बड़ा होता। माना जा रहा है कि कम्प्यूटर में पेनड्राइव लगाने पर आरडीएक्स को इलेक्ट्रिक चार्ज मिल गया। इससे वो एक्टिवेट होकर फट गया।

3 और चैनल के पत्रकारों को मिली पेनड्राइव

फंडामीडियोज एनजीओ के मुताबिक, टीसी, रेडियो एक्सा और टेलीयामाजोनस नाम के 3 और चैनल के पत्रकारों को विस्फोटक पेनड्राइव मिली थी। उन्होंने भी पेनड्राइव कम्प्यूटर में लगाई लेकिन वो नहीं फटी। पुलिस ने कहा कि ये पेनड्राइव कम्प्यूटर की बजाय अडैप्टर में लगाई गई थी। इससे आरडीएक्स को पर्याप्त इलेक्ट्रिक चार्ज नहीं मिल पाया और धमाका नहीं हुआ।

पेनड्राइव बम के साथ मिला पॉलिटिकल मूवमेंट से जुड़ा

एक नोट मिला

जांच कर रहे अधिकारियों ने बताया कि टेलीयामाजोनस चैनल के जर्नलिस्ट मिल्टन पेरेज को पैकेज में पेनड्राइव के साथ एक नोट भी मिला। इसमें लिखा था- पेनड्राइव में मौजूद जानकारी इक्वाडोर के पॉलिटिकल मूवमेंट कोरिज्मो के बारे में बड़ा खुलासा करेगी। अगर ये आपको जानकारी आपके काम की है तो हम इसपर आगे बात कर सकते हैं। मैं आपसे दोबारा संपर्क करूंगा। ये पैकेज इक्वाडोर के लॉस रियाज शहर से आया था।

पत्रकारों की आवाज दबाने के लिए बनाई गई पेनड्राइव

न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक, अब तक इस तरह की 5 पेनड्राइव भेजी गई हैं। इनमें से एक जनर्लिस्ट के पास पहुंचने से पहले ही इंटरसेप्ट कर दी गई। वहीं बाकी तीन को सुरक्षित अधिकारियों तक पहुंचा दिया गया है।

इक्वाडोर के अधिकारियों का कहना है कि पत्रकारों की आवाज दबाने के लिए ये पेनड्राइव डिजाइन की गई है। वहीं फंडामीडियोज एनजीओ ने कहा कि ये चिंताजनक है और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

कश्मीर पर हो रही चर्चा में पाकिस्तानी अफसरों का हंगामा

अमेरिका में आयोजकों से बदतमीजी की तो लोगों ने बाहर निकाल दिया

वॉशिंगटन, 24 मार्च (एजेंसियां)। वॉशिंगटन के नेशनल प्रेस क्लब में कश्मीर पर हो रही चर्चा में पाकिस्तानी अफसरों ने हंगामा किया। दरअसल प्रेस क्लब में एक पैनल डिस्कशन के लिए कश्मीर के युवा लीडर्स को आमंत्रित किया गया था। इसमें कश्मीर में आए बदलाव पर चर्चा हो रही थी। तभी वहां मौजूद कुछ पाकिस्तानी अफसर हंगामा करने लगे। इसके बाद आयोजकों ने उन्हें बाहर निकाल दिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है।

वॉशिंगटन में हो रहे डिस्कशन का विषय कश्मीर- फ्रॉम टर्मोइल टु ट्रांसफॉर्मेशन था। चर्चा के लिए इंटरनेशनल सेंटर फॉर पीस स्टडीज ने कश्मीर घाटी के 2 युवा नेता जम्मू-कश्मीर वर्कर्स पार्टी (जेकेडब्ल्यूपी) के अध्यक्ष मीर जुनैद और तौसीफ रैना को बुलाया था। मीर जुनैद ने कहा- मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि कश्मीर में अब शांति और समृद्धि है। जम्मू और कश्मीर ने पिछले कुछ समय में कई ऐसे बदलाव देखे हैं, जिससे ये अब एक प्रगतिशील यूनियन टेरेटरी बना रहा है।

कश्मीर में हिंसा भड़का रहे कुछ देश

जुनैद ने पाकिस्तान पर हमला करते हुए कहा- कुछ देश ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर दुनिया को बेवकूफ बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इनका कश्मीर की शांति, समृद्धि और प्रगति से कोई लेना-देना नहीं है। वे सिर्फ कश्मीर में हिंसा को बढ़ाना चाहते हैं। हमें इस बयानबाजी से ऊपर उठकर देखना होगा। कश्मीर में हिंसा भड़का रहे लोग अब विरोध और सख्त कानून का सामना कर रहे हैं। इसलिए वहां हुर्रियत कॉन्फ्रेंस भी नहीं चल पाई।

पाकिस्तानी अफसरों को आयोजकों ने बाहर निकाला

जुनैद के इस बयान के बाद वहां मौजूद पाकिस्तानी अफसर भड़क उठे। वो स्टेज पर चढ़कर हंगामा करने लगे। इस दौरान उन्होंने जुनैद पर चिल्लाते हुए कहा- तुम्हें शर्म आनी चाहिए। तभी वहां सुरक्षाकर्मी पहुंच गए और हंगामा कर रहे लोगों से बाहर जाने को कहा। वीडियो में जाते समय पाकिस्तानी जुनैद को गाली देते नजर आ रहे हैं।

पूरे हंगामे के बाद कश्मीर के युवा लीडर्स ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया। जुनैद ने कहा- अभी जो कुछ भी हुआ उससे इन लोगों का असली चेहरा सबके सामने आ गया है। ये लोग कश्मीर में भी यही करते हैं जो आज वॉशिंगटन में हुआ। इससे साबित होता है कि वे कितने क्रूर और बेकार हैं।

नौकरी का आवेदन कर सकेंगे पर्यटन-व्यापार वीजाधारक

वाशिंगटन, 24 मार्च (एजेंसियां)। हर साल विदेशों से अमेरिका जाकर नौकरी करने वाले लोगों को बड़ी राहत मिली है। अमेरिका ने घोषणा की है कि व्यापार या पर्यटन वीजा (बी-1 और बी-2) पर देश की यात्रा करने वाले लोग अमेरिका में न सिर्फ नई नौकरियों के लिए आवेदन कर सकते हैं, बल्कि साक्षात्कार में भी शामिल हो सकते हैं। हालांकि, ऐसे वीजा धारकों को नई नौकरी शुरू करने से पहले अपना वीजा बदलवाना जरूरी होगा। अमेरिकी संघीय निकाय यूएससीआईएस ने एक ट्वीट मे बताया कि जब गैर-अप्रवासी कर्मी को नौकरी से हटाया जाता है तो उसे विकल्पों का पता नहीं होता है। वह मान लेता है कि उसके पास 60 दिनों में देश छोड़ने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है। अमेरिका में नौकरी छूटने पर 60 दिनों का ग्रेस पीरियड अगले दिन से ही शुरू होता है, जो आमतौर पर अंतिम दिन के आधार पर निर्धारित किया जाता है।

पीटीआई के सोशल मीडिया हेड का 'अपहरण'

इमरान खान ने पुलिस प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

इस्लामाबाद, 24 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई चेयरमेन इमरान खान ने उनकी पार्टी के कार्यकर्ता को पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने की आलोचना की है और पंजाब और इस्लामाबाद पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बता दें कि पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ पार्टी के सोशल मीडिया हेड अजहर माशवानी को पुलिस ने हिरासत में लिया है। इमरान खान ने आरोप लगाए कि पुलिस ने माशवानी का अपहरण किया है।

पीटीआई चीफ इमरान खान ने ट्वीट करते हुए पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इमरान खान ने लिखा कि 'बहुत हुआ! पंजाब और इस्लामाबाद की पुलिस सभी नियमों को बेशर्मी के साथ तोड़ रही है और पीटीआई कार्यकर्ताओं को निशाना बना रही हैं। आज अजहर माशवानी को दोपहर में लाहौर से उठा लिया गया और वह कहां है, इसकी भी जानकारी नहीं है। इससे पहले 18 मार्च को भी पुलिस ने सीनेटर शिबली फराज और ओमर सुल्तान को बुरी तरह पीटा था।'

इमरान खान ने लिखा कि 'हसन नियाजी को भी जमानत मिलने के तुरंत बाद हिरासत में ले लिया गया था और उन पर नए चार्ज लगा दिए गए थे ताकि उन्हें जेल में बंद रखा जा सके। इमरान खान ने कहा कि मैं पंजाब पुलिस के आईजी और अन्य अधिकारियों की तस्वीरें उनके आपराधिक व्यवहार के चलते मानवाधिकार संगठनों को भेज रहा हूं। ताकि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन उनकी पहचान कर सकें, जो गैरकानूनी तरीके से हिरासत में लेने वालों, अवैध रूप से लोगों के घरों में घुसने वालों और हिरासत में प्रताड़ित करने वालों की पहचान कर सकें।'

पीटीआई के नेता और पूर्व मंत्री चौधरी फवाद हुसैन ने भी अजहर माशवानी को हिरासत में लेने की आलोचना की। उन्होंने मांग की कि अजहर को कोर्ट में पेश किया जाए और उनके खिलाफ लगे आरोपों की विस्तृत जानकारी सार्वजनिक की जाए। बता दें कि बीते हफ्ते में भी रावलपिंडी की पुलिस ने रात में दबिश देकर 30 से ज्यादा पीटीआई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया था।

ईरान के बाद अब सीरिया से रिश्ते बनाएगा सऊदी

दमिश्क/रियाद, 24 मार्च (एजेंसियां)। 7 साल बाद ईरान से डिप्लोमैटिक रिलेशन बहाल करने वाला सऊदी अरब एक और बड़ा कदम उठाने जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जल्द ही सऊदी और सीरिया के बीच भी कूटनीतिक संबंध बहाल हो सकते हैं। 11 साल पहले यह रिश्ते टूट गए थे। इससे जुड़ी एक और बड़ी खबर तो यह है कि अगर सीरिया और सऊदी के डिप्लोमैटिक रिलेशन री-इन्सटॉल हुए तो सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल असद और उनके मुल्क की 22 अरब देशों के ग्रुप यानी अरब लीग में वापसी भी सकती है।

न्यूज एजेंसी 'रॉयटर्स' की रिपोर्ट के मुताबिक- ईरान और सऊदी अरब के बीच रिश्ते सुधरने

के बाद सीरिया ने भी ऐसा करने का फैसला किया है। एम्बेसी अप्रैल में ईद के बाद खुल सकती हैं। गल्फ डिप्लोमैट ने बताया कि ये फैसला सउदी अरब और एक सीरियन इंटेलीजेंस ऑफिसर के बीच कई दौर की बातचीत के बाद लिया गया। इस मामले में खास बात यह है कि जब ईरान और सऊदी अरब के डिप्लोमैटिक रिलेशन बहाल हुए थे तो चीन ने इसमें अहल रोल प्ले किया था। अमेरिका को इस बातचीत की भनक तक नहीं लगी थी। अब अगर सीरिया और सऊदी के रिलेशन बहाल होते हैं, तो गल्फ में अमेरिकी दबदबे को ये एक और बड़ा झटका होगा। 19 मार्च को राष्ट्रपति असद और उनकी पत्नी सीरियन डेलिगेशन के साथ यूएई पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने युनाइटेज अरब एमीरेट्स के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल-नाहयान से भी मुलाकात की थी। दोनों नेताओं के बीच संबंध बेहतर करने और सीरिया में शांति बढ़ाने पर चर्चा हुई थी। इस मुलाकात का पर कतर ने विरोध जताया था। सऊदी अरब के बड़े सहयोगी अमेरिका ने सीरिया और असद से रिश्ते सुधारने का विरोध किया है। यूएस स्टेट डिपार्टमेंट के एक अधिकारी ने कहा था कि अमेरिका सीरिया से संबंध बेहतर करने के मामले में अपने फैसले पर अडिग है।

बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री बांटने के आरोप में भारतीय नागरिक दोषी

कोर्ट ने सुनाई 188 महीने की सजा

वॉशिंगटन, 24 मार्च (एजेंसियां)। एक 34 वर्षीय भारतीय नागरिक को अमेरिका की अदालत ने बच्चों के यौन शोषण को बढ़ावा देने के मामले में दोषी ठहराया है। अदालत ने दोषी व्यक्ति को 188 महीने जेल की सजा सुनाई है। भारतीय नागरिक एक क्रूज शिप का कर्मचारी है और उस पर बच्चों के यौन शोषण से संबंधित सामग्री को बांटने का आरोप सिद्ध हुआ है। अमेरिका के न्याय विभाग ने गुरुवार को यह जानकारी दी। बता दें कि एंजेलो विक्टर फर्नांडेज, गोवा का निवासी है और फिलहाल अमेरिका में एक क्रूज शिप पर नौकरी कर रहा था। आरोप है कि एंजेलो ने साल 2022 में डेनियल स्कॉट क्रो नामक व्यक्ति बच्चों के यौन शोषण से संबंधित 13 वीडियो सोशल मीडिया एप के माध्यम से भेजे थे। फर्नांडेज ने मैसेज में ये भी कहा था कि वह क्रूज शिप पर यात्रा के दौरान बच्चों के यौन शोषण का भी इंतजाम कर देगा। ये संदेश ही फर्नांडेज के खिलाफ अहम सबूत साबित हुए।

सरकारी वकील ने ये भी बताया कि एक अन्य व्यक्ति के साथ भी मैसेजिंग एप पर बातचीत के दौरान फर्नांडेज ने दावा किया था कि वह शारीरिक संबंध बनाने के लिए नाबालिग बच्चों का इंतजाम कर सकता है।

नॉर्थ कोरिया ने टेस्ट किया अंडर-वॉटर न्यूक्लियर ड्रोन

लॉन्च से पहले 59 घंटे पानी में रखा, इससे लाई जा सकती है 'रेडियोएक्टिव सुनामी'

प्योंगयांग, 24 मार्च (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया ने मिसाइलों के बाद अब अंडर वॉटर न्यूक्लियर ड्रोन का सफल परीक्षण किया है। इसकी जानकारी शुक्रवार को वहां की न्यूज एजेंसी केसीएनए ने दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक नॉर्थ कोरिया की मिलिट्री ने एक ऐसा न्यूक्लियर ड्रोन तैयार किया है जो रेडियो एक्टिव सुनामी लाने के साथ-साथ दूसरे देशों के पोर्ट्स, यानी बंदरगाहों को आसानी से तबाह कर सकता है। 21 से 23 मार्च के बीच हुई न्यूक्लियर ड्रोन की टेस्टिंग को खुद नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने मॉनिटर किया। न्यूक्लियर ड्रोन को फायर करने से पहले उसे साउथ हमयोंग प्रोविंस के पास समुद्र में 260 से 490 फीट नीचे 59 घंटे और 12 मिनट तक रखा गया था।

न्यूक्लियर ड्रोन को हाइल नाम दिया

नॉर्थ कोरिया ने अपने नए अंडर वॉटर न्यूक्लियर ड्रोन को 'हाइल' नाम दिया है। जिसका मतलब कोरियन भाषा में सुनामी होता है। केसीएनए ने बताया कि इस रेडियोएक्टिव न्यूक्लियर ड्रोन को आसानी से किसी भी पोर्ट पर तैनात किया जा सकता है। अंडर वॉटर न्यूक्लियर ड्रोन को साल 2012 से तैयार किया जा रहा था। पिछले दो सालों में इससे जुड़े 50 टेस्ट किए जा चुके थे। इसकी टेस्टिंग के दौरान किम जोंग उन ने कहा कि ये ड्रोन अमेरिका और साउथ कोरिया को हमारी चेतावनी है। उन्हें ये पता होना चाहिए कि नॉर्थ कोरिया अपनी सुरक्षा के लिए हर तरह से तैयार है।

नॉर्थ कोरिया ने अकेले मार्च के महीने में अब तक 6 मिसाइलों की टेस्टिंग की है। बुधवार को ही 4 क्रूज मिसाइलों का टेस्ट किया गया था। दरअसल, नॉर्थ कोरिया के इस महीने में लगातार इस तरह से मिसाइलों का टेस्ट करने के पीछे साउथ कोरिया और अमेरिका की ज्वाइंट मिलिट्री एक्सरसाइज है। जो पांच साल बाद हो रही है। नॉर्थ कोरिया इसे भड़काऊ हरकत बता रहा है। गुरुवार को दोनों की एक्सरसाइज का आखिरी दिन था।

नॉर्थ कोरिया में बच्चों का हॉलीवुड मूवी या सीरीज देखना अब अपराध हो गया है। यहां तानाशाह किम जोंग ने आदेश जारी कर कहा- अगर बच्चे हॉलीवुड मूवी या सीरीज देखते हैं तो उन्हें और उनके माता-पिता को जेल हो सकती है। इतना ही नहीं, उनके पेरेंट्स को 6 महीने के लिए लेबर कैंप में भेजकर मजदूरी कराई जाएगी।

बता दें कि नॉर्थ कोरिया में पहले से ही हॉलीवुड मूवी और सीरीज देखना बैन है, लेकिन अभी तक वहां सजा इतनी कठोर नहीं थी।

ग्रेड-थर्ड टीचर के होंगे ट्रांसफर, पॉलिसी तैयार

मुख्यमंत्री लेंगे डिसीजन-12 साल में केवल दो बार तबादले, शिक्षकों में नाराजगी

जयपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में लंबे वक्त से ट्रांसफर का इंतजार कर रहे ग्रेड थर्ड टीचर्स को चुनावी साल में राहत मिल सकती है। शिक्षा विभाग द्वारा ट्रांसफर पॉलिसी में संशोधन कर डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल को भेज दिया गया है। ऐसे में ट्रांसफर से बैन हटने और डीओपी से स्वीकृति मिलने के बाद ट्रांसफर हो सकेंगे।

दरअसल, पिछले साल शिक्षा विभाग द्वारा नई ट्रांसफर पॉलिसी तैयार कर कार्मिक विभाग को भेजी गई थी, लेकिन डीओपी ने पॉलिसी में संशोधन के लिए उसे लौटा दिया था। इसके बाद एजुकेशन डिपार्टमेंट ने देशभर में दूसरे राज्यों की ट्रांसफर पॉलिसी का अध्ययन कर संशोधित पॉलिसी को फिर से डीओपी को भेजा है।

विधायक भी चाहते हैं जल्द हो ट्रांसफर

पिछले साल 30 दिसंबर को कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा की सीएम और मंत्रियों के साथ हुई फीडबैक बैठक में थर्ड ग्रेड टीचर्स के तबादले करने पर

सहमति बन गई थी। बैठक में सीएम अशोक गहलोत ने मंत्रियों के सुझाव आने के बाद शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला से तबादले करने को कहा था। गहलोत ने शिक्षा मंत्री से कहा कि जब सर्वसम्मति है, तो ये ट्रांसफर होने चाहिए और पहले की तरह ही हों।

वहीं रंधावा ने शिक्षक तबादलों के लिए किसी भी तरह की नई पॉलिसी नहीं लाने का सुझाव भी दिया था। लेकिन, बैठक के 3 महीने से ज्यादा का वक्त बीत जाने के बाद भी अब तक ग्रेड थर्ड टीचर्स का ट्रांसफर नहीं हो पाया है। ऐसे में टीचर्स के साथ अब विधायक भी चुनावी साल में ट्रांसफर की मांग करने लगे हैं।

सरकार के खिलाफ लड़ेंगे आर-पार की लड़ाई

राजस्थान शिक्षक संघ एकीकृत के प्रदेश अध्यक्ष गिरिराज शर्मा ने कहा कि 10 साल से ज्यादा का वक्त हो गया है। प्रदेशभर में टीचर्स ट्रांसफर का इंतजार कर रहे हैं। 4 साल पहले कांग्रेस सरकार जब सत्ता में नहीं थी। तब उन्होंने ग्रेड थर्ड टीचर्स के ट्रांसफर का वादा किया था, लेकिन सरकार के आने के 4 साल बीत जाने के बाद भी टीचर्स का ट्रांसफर नहीं हो पाया है। शर्मा का कहना है कि हमें अब तक केवल झूठे दिलासे दिए गए हैं।

12 सालों में केवल 2 बार हुए ट्रांसफर

राजस्थान में थर्ड ग्रेड टीचर्स का ट्रांसफर पिछले 12 साल में सिर्फ दो बार हुए हैं। साल 2010 में कांग्रेस सरकार ने जबकि 2018 में बीजेपी सरकार थर्ड ग्रेड टीचर्स के ट्रांसफर कर चुकी है। वहीं, राजस्थान में पिछले साल अगस्त महीने में शाला दर्पण पर टीचर्स से ट्रांसफर के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे। जिसमें प्रदेश के 2.25 लाख टीचर्स में से 85 हजार ने अपने गृह जिले में आने के लिए आवेदन किया था। वहीं, ट्रांसफर पॉलिसी में फिर से बदलाव की तैयारी शुरू कर रहे शिक्षा विभाग के खिलाफ अब ग्रेड थर्ड टीचर्स ने आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है।

सवाईमाधोपुर में नाबालिग को अगवा कर गैंगरेप का आरोपी गिरफ्तार

सवाई माधोपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। गंगापुर सिटी थाना पुलिस द्वारा 2 साल पहले घटित नाबालिग को अगवा कर गैंगरेप की घटना में फरार चल रहे आरोपी पवन बैरवा निवासी बामन बड़ौदा थाना सदर गंगापुर सिटी को जयपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी तुंगा थाना क्षेत्र के पाटन गांव में ईंट भट्टे पर मजदूरी कर रहा था।

एसपी हर्षवर्धन अग्रवाल ने बताया कि 6 जुलाई 2021 को पीड़ित युवती के भाई ने घटना के संबंध में थाना गंगापुर सिटी पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि वह अपनी मां और छोटी बहन के साथ पंजाब में एक ईंट भट्टे पर काम करता था। उनके गांव के पास का ही आरोपी चंद्रप्रकाश उर्फ बच्चू भी वही काम करता था।

'गहलोत साहब को पार्टी ने सब कुछ दिया, उन्हें भीष्म पितामह की भूमिका में आना चाहिए' : मंत्री खाचरियावास

जयपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। खाद्य मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने सीएम गहलोत पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि सीएम को चुनावी साल में नाराज नेताओं को मनाने का कार्य करना चाहिए। गहलोत को सिर्फ सेल्फ सेंटर्ड पॉलिटिक्स नहीं करनी चाहिए।

खाचरियावास ने कहा कि सचिन पायलट से उनकी कोई नाराजगी नहीं है। सीएम गहलोत को लेकर उन्होंने कहा कि कुछ तो सामने वाले के लिए भी करना होता है। आपको स्पेस देना होता है। मैंने कांग्रेस की मीटिंग में एक बार कहा था कि कम से कम चार-पांच नेता तैयार करें। पार्टी को सत्ता में लाना है तो नेता तो तैयार करने ही होंगे।

भीष्म पितामह की भूमिका में आना चाहिए

मंत्री प्रताप सिंह ने कहा कि गहलोत साहब को पार्टी ने सब कुछ दिया है। उनको किसी से भेदभाव करने का हक नहीं है। कांग्रेस में इंदिरा से सोनिया तक हर किसी ने गहलोत साहब को पद दिए। गहलोत साहब को अब भीष्म पितामह की भूमिका में आना चाहिए। पूरे राजस्थान में नए-नए लोगों को जोड़ना चाहिए। कोई नाराज है तो उसे राजी करना सीएम की ड्यूटी है। हमारी ड्यूटी थोड़ी है। तो क्या हम बच्चों से लड़ेंगे, यह क्या अच्छा लगता है?

गहलोत साहब अच्छे नेता

खाचरियावास ने कहा कि गहलोत साहब अच्छे नेता हैं। उनकी हजार अच्छाई होंगी। सीएम को यह थोड़ी करना चाहिए यह अफसर मेरा है, यह मंत्री मेरा है। जब लड़ाई चली तो सब विधायकों ने गहलोत साहब का साथ दिया था। मंत्री ने कहा कि भैरोसिंह शेखावत मेरे बड़े पापा थे। वे भी जब तीसरी बार सीएम बने थे तो उनकी आदत सेट हो गई थी कि फलां अफसर अच्छा है। ये रास्ते अच्छे हैं। यह शहर अच्छा है। उनकी चॉइस सेट हो गई। वे एक अफसर के भरोसे रहे और उसी ने उनका बेड़ा गर्क कर दिया।

अजमेर में डॉक्टर्स ने फूंका आरटीएच दानव का पुतला

शव यात्रा निकाली, रेजीडेंट का कार्य बहिष्कार जारी, 250 प्राइवेट हॉस्पिटल पूर्णतः बंद

अजमेर, 24 मार्च (एजेंसियां)। राइट टू हेल्थ बिल को लेकर प्राइवेट एवं रेजिडेंट डॉक्टर्स का कार्य बहिष्कार शुक्रवार को भी जारी रहा। डॉक्टर्स के द्वारा बजरंगगढ़ चौराहे से शव यात्रा निकालकर आरटीएच दानव का पुतला जलाकर राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। सभी ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं हुई तो आगामी दिनों में राज्य सरकार का पुतला फूंका जाएगा।

जेएलएन हॉस्पिटल के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अभिषेक चौधरी ने बताया कि शुक्रवार को चौथे दिन भी प्राइवेट और रेजिडेंट डॉक्टर्स की हड़ताल जारी है। रेजिडेंट और प्राइवेट डॉक्टर एसोसिएशन के द्वारा आरटीएच दानव का पुतला जलाया गया। पुतला जलाने से पहले शव यात्रा भी निकाली गई।

डॉक्टर्स की यही मांग है कि सरकार बिल को वापस ले और डॉक्टर्स पर लाठीचार्ज करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को पर कार्यवाही की जाए। प्राइवेट डॉक्टर्स एसोसिएशन का कहना है कि सभी निजी हॉस्पिटल एकजुट है और 250 प्राइवेट हॉस्पिटल नर्सिंग होम तथा क्लीनिक में सभी सेवाएं पूर्णता बंद है। इससे वहां मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शुक्रवार को इस बिल को लेकर होने वाले नुकसान से पब्लिक को जागरूक किया गया।

भागने के प्रयास में सिपाही की पिस्टल छीनकर हिस्ट्रीशीटर ने की फायरिंग, पुलिस ने मुठभेड़ में दबोचा

बीकानेर, 24 मार्च (एजेंसियां)। पुलिस कस्टडी से भागने की फिराक में एक हिस्ट्रीशीटर ने सिपाही की पिस्टल छीन कर फायरिंग कर दी।

इस दौरान हिस्ट्रीशीटर ने पिस्टर दिखाकर भागने की कोशिश करने लगा। तभी टीम ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गोलियां चलाई। फायरिंग में पुलिस की गोली आरोपी के पैर में जा लगी। पुलिस ने उसे फौरन गिरफ्तार कर लिया और आरोपी को अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार जेएनवीसी थाना इलाके के हिस्ट्रीशीटर दीपेंद्र उर्फ दीपू ने भागने के प्रयास में फायरिंग की।

कांग्रेस विधायक के बिगड़े बोल

अपने ही समाज सिंधी-मुसलमानों के खिलाफ बोल गए अमीन खान

बाड़मेर, 24 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस विधायक अमीन खान अपने ही समाज सिंधी-मुसलमान को गद्दार कहकर विवादों में घिर गए हैं। राजस्थान विधानसभा में कांग्रेस विधायक अमीन खान को सर्वश्रेष्ठ विधायक चुने जाने और सम्मान के बाद बुधवार शाम पांच बजे मुस्लिम हॉस्टल में उनका सम्मान समारोह आयोजित किया गया था। इसी सभा में उन्होंने असदुद्दीन ओवैसी पर निशाना साधा। साथ ही सिंधी-मुसलमान कम्युनिटी पर अशोभनीय टिप्पणी कर दी।

कार्यक्रम में विधायक ने आजादी के समय की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा- 'सिंधी मुसलमान का इतिहास हमेशा वफादारी का नहीं रहा है, गद्दारी का रहा है।' इससे समाज के लोगों में काफी नाराज़गी है। एक चुने हुए विधायक का किसी जाति, समाज के लिए अपमानजनक टिप्पणी करना बेहद गंभीर मामला है। राहुल गांधी की मोदी पर टिप्पणी के बाद कांग्रेस विधायक के भी एक जाति विशेष पर अशोभनीय टिप्पणी पर सवाल खड़े हो रहे हैं। अमीन खान ने आगे कहा कि राजा-महाराजाओं के समय में सरहदी इलाके में एक मुसलमान का झगड़ा राजाओं से था, तो उसको मुसलमानों ने ही मारा था। एक अन्य घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक मौलवी का मर्डर सड़क पर बेरहमी से हिंदुओं ने नहीं मुसलमानों ने किया था। अमीन खान ने असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया की तारीफ करते हुए कहा कि वह कट्टर आरएसएस के हैं। विधानसभा में मेरी सबसे ज्यादा तारीफ असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने की। चुनाव में हार-जीत होती रहती है। इससे पहले भी मैं चार चुनाव हार चुका हूं। यह फैसला करना जनता का काम है।

असदुद्दीन ओवैसी की सभा पर निशाना-कहा पाकिस्तान का हाथ

एआईएमआईएम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी राजस्थान दौरे और 11 मार्च को बाड़मेर जिले की शिव विधानसभा में सभा को लेकर क्षेत्रीय विधायक अमीन खान ने जुबानी हमला बोलते हुए कहा कि उस सभा में पाकिस्तान का हाथ था।

उन्होंने आरोप लगाया कि बीते दिनों गागरिया में ओवैसी ने सभा की थी। कांग्रेस को हराने के लिए बाड़मेर जिले की बायतु, पचपदरा, चौहटन की सीट नहीं, शिव की सीट पर ही ओवैसी क्यों गए ? इसके पीछे कई मौलाना नाराज होंगे। इसमें पाकिस्तान का भी हाथ है। पाकिस्तान के मार्फत हैदराबाद के आदमी (ओवैसी) से बातचीत हुई है। उस रेफरेंस को लेकर मौलवी ताज मोहम्मद का आदमी उनसे मिला है। इसलिए वह गागरिया आए और सभा की।

अमीन खान बोले-वो चाहते हैं कि मुस्लिम और हिंदुओं के वोट के टुकड़े कर मुसलमानों का विधायक बना देंगे, लेकिन इनका बाप भी नहीं बना सकता। अमीन खान ने कहा कि शिव विधानसभा में मुसलमानों के 22 फीसदी और हिंदुओं के 80 फीसदी वोट हैं।

राहुल गांधी के बाद अब अशोक गहलोत पर गिरेगी गाज!

गजेंद्र सिंह शेखावत की ओर से दर्ज मानहानि केस में कोर्ट का फैसला जल्द

हाइलाइट्स

> राहुल गांधी के बाद अब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर आया संकट!

> मुख्यमंत्री पर चल सकता है मानहानि का केस

> केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के बयान के बाद कोर्ट जारी करेगा समन

> भगवान सर्वशक्तिमान है तो सारे दुःखी और बीमार लोगों की पीड़ा खत्म क्यों नहीं कर देता?

जयपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। मानहानि के एक केस में सूरत कोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को दोषी करार देते हुए दो साल की सजा सुना दी। हालांकि कोर्ट ने राहुल की जमानत मंजूर करते हुए सजा के अमल पर 30 दिन की रोक लगा दी। मानहानि के इस केस से राहुल गांधी की मुश्किलें बढने वाली है। साथ ही राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी मानहानि के केस में घिरने वाले हैं।

केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पिछले दिनों दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में अशोक गहलोत के खिलाफ केस दायर किया था। कोर्ट की ओर से अब गहलोत को समन जारी किया जाएगा। इसके बाद राउज एवेन्यू कोर्ट गहलोत के खिलाफ भी जल्द अपना फैसला सुनाएगा।

संजीवनी घोटाले को लेकर दिए गए बयान को बनाया आधार

संजीवनी क्रेडिट कॉपरेटिव सोसायटी घोटाले को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के खिलाफ आरोप लगाते रहते हैं। पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने कहा कि गजेन्द्र सिंह शेखावत, उनकी पत्नी, माता पिता और कई रिश्तेदार संजीवनी घोटाले में अभियुक्त हैं।

केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की मां का निधन हो चुका है। दिवंगत मां को भी मुख्यमंत्री ने अभियुक्त कहा था। गहलोत के इस बयान के बाद केन्द्रीय मंत्री ने पिछले दिनों दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में मानहानि का केस दर्ज कराया था। शेखावत का कहना है कि संजीवनी घोटाले से जुड़ी एफआईआर में उनका नाम ही नहीं है। इसके बावजूद मुख्यमंत्री उन्हें अभियुक्त बताते हुए लगातार बयान दे रहे हैं।

मैं जेल जाने को तैयार - अशोक गहलोत

दो दिन पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जोधपुर दौरे पर थे। जोधपुर में संजीवनी क्रेडिट कॉपरेटिव सोसायटी घोटाले को लेकर मीडिया से बात करते हुए गहलोत ने कहा कि गजेन्द्र सिंह शेखावत और उनके परिवार में लेनदेन हुआ है। संजीवनी में सब कुछ इन्हीं की चलती थी। जो लोग संजीवनी घोटाले में जेल गए हैं, गजेन्द्र सिंह शेखावत भी उनके बराबर दोषी हैं। गहलोत ने यह भी कहा कि उनके खिलाफ मानहानि का केस दर्ज कर दिया। वे जेल जाने को तैयार है। अगर उनके जेल जाने से निवेशकों का पैसा वापस मिलता है तो वे हर सजा भुगतने को तैयार हैं। भारतीय जनता पार्टी के राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष बने सीपी जोशी का पूरा नाम चंद्रप्रकाश जोशी है। वे चित्तौड़गढ़ के रहने वाले हैं। उनका जन्म 4 नवंबर 1975 को हुआ। स्वर्गीय रामचंद्र जोशी के पुत्र सीपी जोशी की मां का नाम सुशीला देवी जोशी हैं। 22 अप्रैल 2004 को उनका विवाह ज्योत्सना जोशी के साथ हुआ था, उनके एक पुत्री भी है।

पुलिस ने छापा मार 36 को हिरासत में लिया-अवैध मादक पदार्थ बरामद

अजमेर, 24 मार्च (एजेंसियां)। अजमेर जिले की धार्मिक नगरी पुष्कर के निकटवर्ती गांव किशनपुरा स्थित एक निजी रिसोर्ट में चल रही नशीली ट्रांस पार्टी पर देर रात पुष्कर पुलिस ने दबिश दी। इस दौरान पुलिस को डीजे पर नशे में धुत युवा थिरकते मिले। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मौके पर मौजूद लोगों को हिरासत में ले लिया। जानकारी के अनुसार पुलिस ने करीब 36 लोगों को हिरासत में लिया है। जिनसे पूछताछ कर मेडिकल करवाया गया। जानकारी के अनुसार चार लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है। मौके से अवैध मादक पदार्थ भी बरामद किया गया है। पुष्कर थाना प्रभारी डॉ. रवीश कुमार सामरिया ने बताया कि मामले में कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कोटा के कारोबारी पालीवाल राजस्थान में आप के नए अध्यक्ष

जयपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) ने राजस्थान में नवीन पालीवाल को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है और राज्य में सात सह-प्रभारी भी उतारे हैं। कोटा निवासी नवीन पालीवाल कार एसेसरीज का कारोबार करते हैं। पालीवाल 2013 में अन्ना आंदोलन के दौरान सक्रिय थे।

वह लगातार पार्टी में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। पदोन्नति से पहले, वह आम आदमी पार्टी के मंडल अध्यक्ष थे। आप को चार साल बाद नया प्रदेश अध्यक्ष मिला है। इससे पहले किसान नेता रामपाल जाट मार्च 2019 से इस पद पर थे। हाल ही में, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की कि पार्टी की एक नवीनीकृत इकाई राजस्थान में बनाई जाएगी। इस बयान के बाद पार्टी ने पालीवाल को नया प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया। अब माना जा रहा है कि जल्द ही कार्यकारिणी समिति का भी गठन कर लिया जाएगा। आप ने राजस्थान के लिए नए सह प्रभारियों की भी घोषणा की। दिल्ली, पंजाब और गुजरात के सात विधायक पार्टी के राजस्थान प्रभारी विनय मिश्रा और नए प्रमुख पालीवाल के साथ मिलकर राजस्थान के 50 जिलों की 200 विधानसभा सीटों पर पार्टी को मजबूत करेंगे।

राजस्थान सरकार ने अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन को बढ़ाकर किए 10 लाख रुपए

जयपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। सामाजिक समरसता और एकता को बढ़ावा देने के मकसद से राजस्थान सरकार ने अंतर-जातीय विवाहों के प्रोत्साहन को दोगुना कर 10 लाख रुपये करने की घोषणा की है। विवाह बंधन में बंधने वाले अंतजार्तीय जोड़ों को तत्काल प्रभाव से अब 10 लाख रुपये मिलेंगे, जो पहले के 5 लाख रुपये के प्रोत्साहन से काफी अधिक है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हाल ही में 2023-24 के बजट में इसकी घोषणा की थी, जिसके बाद गुरुवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से अधिसूचना जारी की गई। डॉ. सविता बेन अम्बेडकर अंतरजातीय संशोधित विवाह योजना के तहत 5 लाख रुपये आठ साल के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट में रखे जाएंगे, जबकि शेष 5 लाख रुपये नवविवाहितों के संयुक्त बैंक खाते में जमा किए जाएंगे। 2006 से चल रही योजना के तहत शुरू में 50,000 रुपये दिए जाते थे जिसे बाद में अप्रैल 2013 में बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया गया। केंद्र और राज्य सरकारें संयुक्त रूप से इस योजना में निधि देती हैं, जिसमें राज्य सरकार का योगदान 75 प्रतिशत होता है और केंद्र शेष 25 प्रतिशत को कवर करता है। पिछले वित्तीय वर्ष में, सरकार ने इस योजना के तहत 33.55 करोड़ रुपये और चालू वर्ष में 4.5 करोड़ रुपये से अधिक जारी किए।

गैंगस्टर रोहित गोदारा ने वसूली 20 लाख की रंगदारी

जयपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। दुबई भागने से पहले 1 लाख रुपए के इनामी कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा ने व्यापारियों को किडनैप कर जेबें भरनी शुरू कर दी थी। अभी तक तो गैंगस्टर के धमकी भरे कॉल-मैसेज कर कारोबारियों से रंगदारी मांगने के ही मामले सामने आए थे। लेकिन पहली बार ऐसा मामला सामने आया है जिसमें रोहित गोदारा ने एक बिजनेसमैन से 20 लाख रुपए की रंगदारी भी वसूली थी।

रंगदारी वसूलने के लिए रोहित के भेजे बदमाशों ने फायरिंग कर बिजनेसमैन को रोड पर दौड़ाया। टक्कर मारकर गिरने के बाद उसे किडनैप कर ले गए। चलती गाड़ी में बिजनेसमैन से जमकर मारपीट की गई। वॉट्सऐप कॉल पर गैंगस्टर गोदारा ने धमका कर 20 लाख रुपए ले लिए। इस वारदात को अंजाम देने के कुछ महीनों बाद ही रोहित गोदारा विदेश भाग गया था।

बीकानेर के गंगाशहर निवासी कपड़ा बिजनेसमैन विकास शर्मा ने कालवाड़ थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वह साड़ी के कपड़े का बिजनेस अपने पिता के साथ करते है। अप्रैल 2022 में सुशांत सिटी कालवाड रोड निवासी दोस्त मुकेश मीणा से उसकी बातचीत हुई। बातचीत में मुकेश ने उसे बताया कि वह कालवाड़ रोड पर प्रोपर्टी कारोबार करता है। यहां जमीन खरीद-फरोख्त का बिजनेस अच्छा चलता है। जमीनों का काम करने की सोच विकास भी अप्रैल 2022 में जयपुर आ गया। दोस्त मुकेश मीणा के साथ रहकर विकास प्रोपर्टी कारोबार करने लगा। कालवाड़ रोड और उसके आसपास के क्षेत्र में प्रोपर्टी खरीदने-बेचने लगा। क्रिकेट सट्टे का शौक होने पर कभी-कभी सट्टा भी लगाता था।

राजू ठेहट मर्डर केस में जिम्मेदारी लेने के बाद रोहित गोदारा पर राजस्थान पुलिस ने इनाम राशी 1 लाख रुपए कर दी है। राजू ठेहट मर्डर केस में जिम्मेदारी लेने के बाद रोहित गोदारा पर राजस्थान पुलिस ने इनाम राशी 1 लाख रुपए कर दी है। विकास ने रिपोर्ट में बताया कि जयपुर आने के करीब 15 दिन बाद ही बीकानेर से उसके दोस्त कमल सारड़ा और अरिहंत बार्दिया क्रेटा गाड़ी लेकर जयपुर घुमने आए। जयपुर घुमने के दौरान दो दिन तक दोनों दोस्त कमल और अरिहंत उसके साथ ही सुशांत सिटी में रूके। दूसरे दिन जयपुर में मॉल-मार्केट घूमकर शाम करीब 7:30 बजे वापस घर लौट रहे थे। घर से कुछ दूरी पर सामने से आई एक्सक्यूवी गाड़ी उनकी क्रेटा गाड़ी के आगे आकर खड़ी हो गई। गाड़ी लगाने के बाद ही उसकी लाइट ऑन कर दी। क्रेटा गाड़ी से उतरकर देखने पर एक्सक्यूवी में 5-6 लड़के बैठे दिखाई दिए।

क्षय रोग को लेकर समाज में जागरूकता फैलाना जरूरी : डॉ. प्रमोद कुमार

विश्व क्षय रोग दिवस पर प्रगति महाविद्यालय द्वारा विशेष कार्यक्रम

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गुजराती प्रगति समाज द्वारा संचालित प्रगति महाविद्यालय की 4/1 एनसीसी कम्पनी, 1 तेलंगाना बटालियन एनसीसी एवं तेलंगाना बुद्धिजीवी मंच, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली एवं कार्यक्रम का अयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एर्रागड्डा चेस्ट अस्पताल के प्रसिद्ध पुल्मोनोलजिस्ट, फेफड़ों एवं चेस्ट विशेषज्ञ डॉ. प्रमोद कुमार एवं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, हैदराबाद शहर के अध्यक्ष डॉ. टी. दयाल सिंह बतौर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. ए. माधवीलता, बुद्धिजीवी मंच के अध्यक्ष डॉ. राजनारायण मुदिराज, एनसीसी अधिकारी कैप्टन डॉ. टीपी सिंह, लायंस क्लब हैदराबाद (दक्षिण) के निदेशक प्रेमचंद मुनोत जैन, राजगोपालन, अमित सिंह, वी वी रेड्डी, मंच के संयोजक के श्यामराव, के सदानंद स्वामी, 1 तेलंगाना बटालियन एनसीसी के हविलदार बराल, जसवीर सिंह एवं भारी संख्या में एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्राचार्या ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि इस क्षय रोग के लक्षणों से सतर्क रहना चाहिए। बुद्धिजीवी मंच के अध्यक्ष डॉ. राजनारायण ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्था द्वारा संचालित कार्यक्रमों से अवगत कराया। मुख्य अतिथि डॉ. टी. दयाल सिंह ने कहा कि इस बीमारी को लेकर समाज में जागरुकता फैलाने की आवश्यकता है। डॉ. टी. प्रमोद सिंह ने अपने वक्तव्य में इस बीमारी के लक्षणों की जिक्र करते हुए कहा कि यदि किसी को दो सप्ताह से खांसी हो, वजन कम होना, रात में पसीना आना आदि लक्षण हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि यह बीमारी विश्व स्तर पर भारी संख्या में लोगों की मृत्यु का कारण बन गई है। इसका इलाज़ यही है कि समय के रहते डॉक्टर से संपर्क करें और उनके द्वारा बताई गई दवाइयों का सेवन करें। अन्यथा इसके दुष्परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन कैप्टन डॉ. टीपी सिंह ने किया।

रेवंत ने राहुल गांधी को लोकसभा से अयोग्य ठहराने के लिए केंद्र की आलोचना की

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लोकसभा से अयोग्य ठहराने और उनका पद रद्द करने के लिए आज केंद्र की भाजपा सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मित्र गौतम अडानी का मुद्दा उठाने से रोकने के लिए राहुल गांधी को केंद्र सरकार ने अयोग्य घोषित कर दिया। अपने जुबली हिल्स आवास पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि देश एक अघोषित आपातकाल देख रहा था और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी एक तानाशाह के रूप में काम कर रहे हैं। यह कहते हुए कि राहुल गांधी को सूरत की अदालत द्वारा दो साल की सजा के खिलाफ अपील करने के लिए 30 दिन का समय दिया गया है, जिसने राहुल गांधी को अपराध मानहानि का दोषी ठहराया था, उन्होंने कहा कि सजा के निलंबन के बावजूद केंद्र ने राहुल गांधी को अयोग्य घोषित कर दिया था।

रिश्तों में कड़वाहट पैदा न करें : साध्वी डॉ. मंगलप्रज्ञा

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के शिवरामपल्ली में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए साध्वीश्री डॉ. मंगलप्रज्ञाजी ने कहा हम सौभाग्यशाली हैं जिन्हें आनंददायक मानव भव मिला है। जिंदगी के हर पल को सजगता के साथ जिएं। समय को व्यर्थ न करें। ज्ञान, दर्शन और चरित्र तप की साधना में लयलीन बने रहे। मनुष्य जीवन का विशेष स्टेशन प्राप्त करके भी हम प्रमाद में जी रहे हैं, यह चिंतनीय विषय है। व्यक्ति जितना अनासक्त रहेगा राग, द्वेष से मुक्त रहने का प्रयास करेगा, उतना ही आनंद प्राप्त कर सकेगा। धर्म समझने वाला व्यक्ति वर्तमान को संवारने का प्रयास करें। यह सच्चाई है मौत अवश्य आएगी। मौत से डरे नहीं पर जिंदगी को भारभूत न बनाएं। समाज, संगठन, परिवार के भार को बांधे नहीं। हल्केपन के साथ जीवन जिए। अपने सभी दायित्वों का सम्यक निर्वहंन करते हुए आनंदमय और तनाव मुक्त जीवन जिए। दुर्लभता से प्राप्त मानव जीवन को सार्थक बनाएं आत्मनिरीक्षण करें की आपके रिश्तो में वैमनस्य के कारण कर्मो का बंधन न हो। धर्मोपासना को जीवन का अंग बनाएं। धर्म का अर्थ ही है मधुर व्यवहार। परिवार में प्रेम भाव बनाए रखें। हम भगवान महावीर की इस वाणी को साधना कर आधार बनाएं। आत्मा ही कर्मो को करने वाली है और वही आत्मा कर्मो के बंधन से बचाती है। अतीत का भार न ढोए, वर्तमान में साधना करते हुए शुभ भविष्य का निर्माण करें। रिश्तों में खटास पैदा हो भी जाए तो उसे शीघ्र ही मधुर बनाने का प्रयास करें। साध्वी श्री ने आगे कहा प्रवचन का उद्देश्य है सभी आत्म निरीक्षण करके आनंद पूर्वक जीवन जीये। हर व्यक्ति ध्यान रखें कर्मों का बंधन न हो, क्षमा की साधना करें। प्रवचन से पूर्व साध्वी डॉ शोर्यप्रभा जी ने भगवान महावीर वाणी का रसास्वादन करवाया। साध्वी डा. राजुल प्रभा जी ने जिंदगी को परिभाषित करने वाले मधुर गीत का संगान किया।

सहकारी बैंकों के चेयरमैन की निर्वाचन प्रक्रिया के नये प्रावधानों पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सहकारिता अधिनियम 1964 एवम प्रदेश सरकार द्वारा जीओ एम एस नं. 56 द्वारा इसमे सहकारी बैंकों के चेयरमैन के निर्वाचन एवम पदावधी पर लाये गये सुधारों पर तेलंगाना प्रदेश कोआपरेटिव अर्बन बैंक्स एवम् क्रेडिट सोसायटीज फेडरेशन लिमिटेड द्वारा अपने सदस्य बैंकों के प्रतिनिधियों के लिये विस्तृत जानकारी हेतु प्रशिक्षण सत्र का आयोजन आबिद् रोड स्थित स्नातक भवन के सभागृह में किया गया। कार्यक्रम में तेलंगाना प्रदेश सहकारी संघ के एससीडीआर प्रशिक्षक के रूप में श्रीमती आर संगीता एवम श्रीमती डी. रमादेवी के साथ प्रदेश की सहकारी बैंकों के चेयरमैन, वाइस चेयरमैन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अथवा अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी प्रतिनिधी के रूप में उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक एवम उपस्थित प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुये फेडरेशन के चेयरमैन रमेशकुमार बंग ने सहकारिता संघ के प्रबन्ध निदेशक का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि अधिनियम 1964 के सेक्शन 115-बी(vii) को लागू करने के बाद तेलंगाना प्रदेश की कई सहकारी बैंकों का प्रबन्धन नगरीय सहकारी बैंकों के चेयरमैन के निर्वाचन एवं निदेशक मण्डल के चुनावों के प्रति भ्रमित है। इस विषय पर विस्तृत जानकारि मिले एवम जो भ्रम है वह दूर हो इस उद्देश्य से यह प्रशिक्षण सत्र रखा गया है। श्रीमती रमा देवी व श्रीमती संगीता ने भी अपने विचार व्यक्त किये। फेडरेशन के महामंत्री संगम रामकृष्णा, उपाध्यक्ष सीएच कृष्णा मूर्ति, बी. बद्रीनारायण, एम. नरसिम्हा रेड्डी, संयुक्त मंत्री के साथ कार्यकारिणी सदस्य जहिरुद्दीनभी उपस्थित थे।

काशी सुमेरू पीठ शंकराचार्यजी की तेलुगु प्रदेशों में 4 दिवसीय धार्मिक यात्रा 29 से

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व हिंदू परिषद मार्गदर्शक मंडल के प्रमुख संत पूज्य काशी सुमेरू पीठ शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वतीजी की 4 दिवसीय धार्मिक यात्रा 29 मार्च से 1 अप्रैल तक दक्षिण भारत में होने जा रही है। यह जानकारी आज प्रेस विज्ञप्ति में सर्वदलीय गौरक्षा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं काशी पीठ शंकराचार्य जी के दक्षिण भारत प्रचार मंत्री/सचिव राजर्षी ठाकुर जयपाल सिंह नयाल ने दी। श्री नयाल ने बताया कि शंकराचार्य जी 29 मार्च को 5 बजे राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरफोर्ट शमसाबाद में पहुंचे के बाद अगले दिन श्री राम नवमी शोभा यात्रा एवं श्री सीताराम कल्याण महोत्सव में बतौर अतिथि शामिल होकर सभी भक्तों को आशीर्वाद देंगे। 31 मार्च को श्रीसैलम देवस्थान की यात्रा में जायेंगे अगले दिन वाराणसी की यात्रा में निकल जायेंगे।

योग्य लाभार्थियों को ही डबल बेड रूम मंजूर करने की मांग

मदनूर, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष हनमनलू व कमारेड्डी जिला भाजपा अध्यक्ष जुक्कल विस क्षेत्र की पूर्व विधायक अरुणा तारा के नेतृत्व में मदनूर मंडल हंडे केलूर गांव की गरीब जनता ने स्थानिक तहसीलदार अनिल को एक अर्ज देते हुए बताया कि तेलंगाना सरकार हंडे केलूर गांव में भू स्वामी व अमीर लोगों के साथ भारत राष्ट्र समिति कार्यकर्ता को ही डबल बेड रूम मंजूर कर रही है। उन्होंने स्थानीक विधायक शिंदे पर क्रोधित होते बताया कि विधायक शिंदे चुनाव के समय गरीब जनता को झूठे आश्वाशन देकर गुमराह किया है। बरसात के दिनों में मकान गिर गये, बड़ी मात्रा में फसल नष्ट हो जाने के बाद ही प्रदेश सरकार ने आज तक कोई मुआवजा राशि नहीं दी। जनप्रतिनिधि केवल चुनाव के सामने वोट मांगने आते हैं। आने वाले दिनों में विधायक शिंदे को हंडे केलुर की जनता सबक सिखायेगी। इस समय अरुणा तारा ने तहसीलदार अनिल को बताया कि आप गांव में जांच पड़ताल करने के बाद ही डबल बेडरूम की मंजूरी दें, वरना भारतीय जनता पार्टी की ओर से बड़ी मात्रा में आंदोलन किया जायेगा।

दहेज हत्या के मामले में व्यक्ति को 7 साल की सजा

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एक स्थानीय अदालत ने शुक्रवार को एक व्यक्ति को 2014 में उप्पल में उसकी पत्नी की दहेज हत्या के मामले में सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने उस पर जुर्माना भी लगाया। दोषी व्यक्ति वी. सुरेश (33) है, जो आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम का निवासी है। जुलाई 2014 में सुरेश द्वारा अतिरिक्त दहेज के लिए प्रताड़ित किए जाने के कारण उसकी पत्नी नित्या ने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। उप्पल पुलिस ने मामला दर्ज कर सुरेश को गिरफ्तार कर लिया है। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त डीएस चौहान ने मामले में दोषसिद्धि हासिल करने के लिए जांच अधिकारी और टीम के प्रयासों की सराहना की।

महाप्रभावक उवसग्गहर स्तोत्र अनुष्ठान एवं परिवार प्रशिक्षण कार्यशाला कल

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के तत्वाधान में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की प्रबुद्ध सुशिष्या साध्वीश्री डॉ मंगल प्रज्ञाजी के पावन सान्निध्य में "महाप्रभावक उवसग्गहर स्तोत्र अनुष्ठान एवं परिवार प्रशिक्षण कार्यशाला" का आयोजन रविवार 26 मार्च को प्रवचन समय 9.30 बजे से 11.00 बजे तक लक्ष्मीपत जी कुण्डलिया के निवास स्थान राघवेंद्र कॉलोनी, शिवरामपल्ली में होने जा रहा है।

टीएसपीएससी पेपर लीक मामले में 12 गिरफ्तार, 19 गवाहों से एसआईटी ने पूछताछ की

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) पेपर लीक मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा अदालत में प्रस्तुत पूरक रिमांड रिपोर्ट के अनुसार, 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 19 गवाहों से पूछताछ की गई।

गुरुवार को अदालत में दायर रिमांड केस डायरी के अनुसार, नौ संदिग्धों को मामले में शुरू में गिरफ्तार किया गया और तीन अन्य - शमीम, सुरेश और रमेश को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया था। तीन संदिग्धों में से दो टीएसपीएससी के कर्मचारी थे। एसआईटी ने यह भी उल्लेख किया है कि टीएसपीएससी के कर्मचारी और गोपनीय कक्ष के प्रभारी शकर लक्ष्मी जांच में मुख्य गवाह हैं, जबकि एसआईटी ने मामले में 42 अन्य लोगों को नोटिस जारी किया था और उनके बयान दर्ज किए जाने थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि करमनघाटके एक होटल के मालिक और कर्मचारियों को भी गवाहों के रूप में सूचीबद्ध किया गया था, क्योंकि होटल के सीसीटीवी कैमरे में एक पेपर एक्सचेंज कैद हो गया था।

टीएसपीएससी प्रश्न पत्र लीक के खिलाफ छात्रों ने किया प्रदर्शन, ओयू परिसर में तनाव

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय (ओयू) परिसर में शुक्रवार को उस समय तनाव व्याप्त हो गया, जब विभिन्न छात्र संगठनों के कई छात्रों और कार्यकर्ताओं ने तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस द्वारा किसी भी प्रकार के विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं देने के बावजूद, बेरोजगार युवाओं की संयुक्त कार्रवाई समिति ने परिसर में एक महा धरना और गन पार्क तक एक रैली आयोजित करने का प्रयास किया। छात्रों ने पेपर लीक मामले की न्यायिक जांच और पेपर लीक के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग दोहराई।

विश्वविद्यालय पुलिस अतिरिक्त बल के साथ मौके पर पहुंची और विश्वविद्यालय के सुरक्षाकर्मियों ने विश्वविद्यालय की ओर जाने वाले सभी गेटों को बंद कर दिया. इससे परिसर में तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई और पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को एहतियातन हिरासत में लिया और उन्हें थाने ले गई। प्रदर्शनकारियों ने जाने से पहले शाम तक थाने में भी विरोध प्रदर्शन जारी रखा।

रक्षा सम्पदा निदेशालय के प्रधान निदेशक के.जे.एस. चौहान से मुलाकात कर उनका सम्मान करने के बाद अखिल भारतीय छावनी बोर्डों के उपाध्यक्ष जम्पना प्रताप, शकीब शरीफ और सैयद सिराज ने पेंशन लेन, न्यू बोवेनपल्ली, सिकंदराबाद स्थित जामिया मस्जिद और फैजान हाईस्कूल की वैकल्पिक सड़क के दीर्घकालिक लंबित मुद्दे के संबंध में ज्ञापन सौंपा।

माधवी टावर अपार्टमेंट, अत्तापुर में आयोजित गणगौर पूजन में उपस्थित रिना डोडिया, तेलंगाना आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला मण्डल कि सहमंत्री भारती करवा, निहारिका डोडिया, सरला डागा, भारती बंग, उमा नवाल, अर्चना चांडक, कविता भट्टड व अन्य।

अग्रवाल समाज हिमायत नगर शाखा का गणगौर कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज हिमायत नगर शाखा की सयोजिका सुमन भुवानिया ने उक्त जानकारी देते हुए कहा किंग कोटि पर प्रतिमा अपार्टमेंट महिला सयोजिका निर्मला संघी के निवास स्थान पर गणगौर पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

महिलाओं ने पारंपरिक वेश भूषा में तैयार होकर आने वाली महिलाओं को पुरुस्कार दिया। फलहार की वैवस्था भी की गई थी। कार्यक्रम में मनांद मंत्री रमा बाजोरिका, प्रीति गोयल, मंजू अग्रवाल, मधु बाधरुका, सुनीता गुप्ता, किरण सिग्नोडिया, अनीता अग्रवाल, अनीशा संघी, सतवंती सराईवाला एवं अन्य ने भाग लिया।

नागाराम गुरुकृपा सदन पर आयोजित गणगौर पूजा-अर्चना कार्यक्रम में उपस्थित राजस्थानी महिला मंडल की किरनकंवर सोलंकी, सुशलीकंवर, खुशीकंबर राजपुरोहित, शालु सोलंकी व अन्य।

नरसापुर स्थित ललिता वैष्णव के निवास पर आयोजित गणगौर ईसर पूजन में पूजा अर्चना करती हुए बसंती राजपुरोहित, लीलादेवी, संगीता प्रजापत, मंजुदेवी, उगमादेवी, किरण प्रजापत, निकिता प्रजापत एवं अन्य महिलाएं।

नगर पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद से मुलाकात कर 6 अप्रैल को वीर हनुमान विजय यात्रा के लिए बाइक रैली की अनुमति संदर्भ में ज्ञापन सौंपते हुए तेलंगाना राज्य बजरंग सेना एनआर लक्ष्मण राव, रजनी व मनोज।

जाट प्रीमियर लीग में आयोजकर्ताओं द्वारा सम्मान किया गया

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मीरपेट मंडल अलमासुगुडा एवाईआर क्रिकेट ग्रारण्ड में आयोजित जाट समाज की जाट प्रीमियर लीग में आयोजकर्ता द्वारा सभी मेहमानों श्रवण जाखड़, गणपत मुंदलिया, राजू जांगू, दिनेश भडियासर, सुरेन्द्र जाखड़ का सम्मान किया गया। इसमें विजेता टीम हैदराबाद की महादेव क्लब-11 तथा उपविजेता वीर तेजल क्लब के खिलाडियों को तेलंगाना जाट एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका, सोवनलाल बांगडा चेयरमैन जाट समाज ट्रस्ट हैदराबाद, धर्माराम कड़वा, पोतादार भोनगीरी जाट समाज, कैलाश सारण, उपाध्यक्ष जाट समाज ट्रस्ट, लिकमाराम खोखर कोसाध्यक्ष जाट समाज ट्रस्ट, गोविंद कागट, गौतम पुनीया, कैलाश कागट, चिमनाराम मुंदियाडा, बुदाराम पुनीया, गोविंद सागुण, धर्माराम रियाड, भिरमसिंह लटियाल, भगवान ढाका, बाबूलाल भडीयासर, सियाराम पुनीया, भेराराम पुनीया आदि ने ट्राफी प्रदान की।

निकहत दूसरी और नीतू पहली बार विश्व चैंपियन बनने से एक कदम दूर

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। निकहत जरीन लगातार दूसरी बार और हरियाणा की नीतू पहली बार विश्व चैंपियन बनने से एक कदम दूर हैं। निकहत ने बृहस्पतिवार को ओलंपिक पदक विजेता और पिछली विश्व चैंपियनशिप में रजत जीतने वाले कोलंबिया की विक्टोरिया वेलेंसिया इंगरित को 5-0 से हराया तो नीतू ने एशियाई चैंपियन और पिछली विश्व चैंपियनशिप में रजत जीतने वाली कजाखस्तान की अलुआ बालकिबेकोवा 5-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। नीतू ने अलुआ से बीते वर्ष विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में मिली हार का बदला लिया। निकहत के लिए यह चैंपियनशिप खास बन गई है। उन्होंने बताया कि उनकी मां पहली बार किसी चैंपियनशिप में उन्हें पहली आंखों के सामने खेलने देखने आई हैं। निकहत कहती हैं कि पहले तो मां रिंग में उतरने की बात पर ही परेशान हो जाती थीं, लेकिन पिछली विश्व चैंपियनशिप के स्वर्ण के बाद वह थोड़ा मजबूत हुई हैं। यही कारण है कि वह इस चैंपियनशिप में उन्हें खुद खेलते देखने आई हैं। मार पड़ती है तो मां थोड़ा परेशान होती हैं, लेकिन अब वह समझ गई हैं। निकहत कहती हैं कि वह चाहती हैं कि यहां स्वर्ण जीतकर एक बार फिर इसे अपनी मां के गले में डालें।

चार साल पहले की रणनीति अपनाई

निकहत कहती हैं कि यह उनका टूर्नामेंट में अब तक सर्वश्रेष्ठ बाउट था। इंगरित को वह 2019 में बिग बाउट में हरा चुकी हैं। उन्होंने उसके खिलाफ अपना चार साल पहले की रणनीति यहां अपनाई जो एक बार फिर काम कर गई। यह चैंपियनशिप उनकेलिए एशियाई खेलों की तैयारियों का बड़ा हिस्सा है। निकहत फाइनल में एशियाई चैंपियन न्यून थी ताम से खेलेंगी।

हर हाल में अलुआ को हराने की ठान कर आई नीतू

सेमीफाइनल में उतरने से पहले नीतू के दिमाग में बीते वर्ष इस्तांबुल (तुर्किए) में हुई विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल रह-रहकर घूम रहा था। उन्हें याद आ रहा था कि बुखार में तपने के बावजूद वह इसी कजाखस्तान के अलुआ बालकिबेकोवा से बेहद नजदीकी मुकाबले में हार गई थीं। वरना विश्व चैंपियनशिप का पदक उसी वक्त उनके हाथ में होता। नीतू को कोचेज ने उस दौरान खेलने से भी मना किया था, लेकिन वह खेलीं और जीत के कगार पर पहुंचकर हार गईं। नीतू यहां ठान कर आई थीं, उन्हें यह मुकाबला हर हाल में जीतना है। प्रशिक्षकों की रणनीति के अनुसार उन्होंने फैसला लिया कि बालकिबेकोवा से वह दूर होकर नहीं खेलेंगी।

उसके नजदीक जाकर हमले करेंगीं। नीतू कहती हैं कि बालकिबेकोवा दूर से खेलने में माहिर हैं। वह भी दूर से खेलती हैं, लेकिन आज उन्होंने ऐसा नहीं किया, जिसका फायदा उन्हें मिला। पहला दौर 2-3 से हारने के बाद नीतू ने दूसरे दौर में जबरदस्त वापसी कर 4-1 से जीत हासिल की। तीसरे दौर में भी वह अलुआ के नजदीक जाकर उन पर आक्रमण करती रहीं। वह रिंग में पांच गिरी भीं, लेकिन उन्होंने अलुआ से पिछली हार का बदला ले ही लिया। नीतू फाइनल में मंगोलिया की लुतसाइखान से भिड़ेंगी।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप तीसरा दिन

रुद्रांक्ष ने भारत को दिलाया ब्रॉन्ज, भारत के कुल 5 मेडल

भोपाल, 24 मार्च (ए जें सि यां)। इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप में शुक्रवार को 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में भारत के रुद्रांक्ष पाटिल ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। दूसरी ओर 10 मीटर एयर राइफल कांप्टीशन फाइनल में भारत की और टॉप 8 में हदह हजारिका और रुद्रांक्ष पटिल शामिल हुए थे। इस दौरान रुद्रांक्ष के फाइनल पाइंट्स 262.2 रहे। इसके अलावा चीन के शेंग लिहाओ ने गोल्ड और डू लिंशु सिल्वर मेडल हासिल किया।

रुद्रांक्ष पाटिल ने मैच के बाद बताया कि, यह एक ऐसा फाइनल था जब मेरे हाथ कांप रहे थे और मेरी हार्ट बीट भी बहुत बढ़ गई थी अगर इसको मापने वाला कोई यंत्र होता तो शायद मेरी हार्ट बीट 200 हो चुकी होती। इस बीच मैंने अपने आप को बहुत स्थिर रखने की कोशिश की और खेल पर फोकस किया। वर्ल्ड कप में भारत के मेडल की संख्या 5 हो गई है, जिसमें 1 गोल्ड, 1 सिल्वर और तीन ब्रॉन्ज मेडल शामिल है। 10 मीटर एयर राइफल वुमन के क्वालिफाइंग राउंड और 25 मीटर पिस्टल वुमन इवेंट के क्वालिफिकेशन राउंड भी आयोजित किए जाएंगे। इन राउंड्स में कुल 52 खिलाड़ी भाग लेंगे। इसमें से 10 भारतीय खिलाड़ी भी शामिल होंगे।

यूरो 2024 क्वालीफायर्स रोनाल्डो ने रचा इतिहास

सर्वाधिक अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी बने

लिस्बन, 24 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइकरों में से एक पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने यूरो 2024 क्वालीफायर में लिचटेंस्टीन के खिलाफ अपनी टीम की जीत में एक नया इतिहास रच दिया है। रोनाल्डो का यह 197वां मैच था और वह दुनिया के सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं।

रोनाल्डो ने दो गोल दागते हुए पुर्तगाल को लिचटेंस्टीन के खिलाफ 4-0 से जीत दिलाई। वेटरन रोनाल्डो का पहला गोल पेनल्टी पर था और दूसरा जबरदस्त फ्री किक पर मारा गया। अपने 197 मैच के साथ रोनाल्डो कुवैत के लीजेंड बदर अल-मुतावा(196 कैप्स) से आगे निकल गए हैं। मलेशिया के सोह चीन एन 195 मैचों के साथ तीसरे नंबर पर हैं। मिस्त्र के अहमद हसन (184) चौथे और ओमान के अहमद मुबारक (183) पांचवें नंबर पर हैं।

पांच बार के बैलन डी ओर विजेता 38 वर्ष की उम्र में राष्ट्रीय टीम की तरफ से खेलने वाले पांचवें सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। केवल पेपे, दमास, सिल्विनो और फोंटे उनसे ज्यादा उम्र में पुर्तगाल के लिए खेले हैं। रोनाल्डो ने 2003 में अपना अंतर्राष्ट्रीय पदार्पण किया था और पिछले वर्ष पांच विश्व कप में स्कोर करने वाले पहले खिलाड़ी बने थे। पुर्तगाल क्वार्टरफाइनल में मोरक्को से हार गया था।

महिला क्रिकेट का क्रेज, वीमेंस प्रीमियर लीग पहले हफ्ते में 5 करोड़ ने देखा

मुंबई, 24 मार्च (एजेंसियां)। वीमेंस प्रीमियर लीग को शुरू करने में बीसीसीआई के सामने सबसे बड़ा सवाल दर्शकों का था। आमतौर पर दर्शकों और आयोजकों के बीच ये धारणा बनी थी कि महिला क्रिकेट में फैंस की रुचि नहीं है। ऐसे में फैंस मैदान पर अपनी टीम को सपोर्ट करने पहुंचेंगे या नहीं, इसी सवाल के जवाब ढूंढने की वजह से लीग को शुरू होने में समय लगा। हालांकि, समय लगने के बावजूद लीग की दर्शक संख्या ने सारे सवालों के जवाब खुद ही दे दिए हैं। अब लीग में केवल दो मैच बचे हैं, ऐसे में ये कहना जल्दबाजी नहीं होगी कि लीग के पहले सीजन का आयोजन सफल रहा है। बार्क की रिपोर्ट के अनुसार, वीमेंस प्रीमियर लीगको पहले हफ्ते में 5 करोड़ 78 हजार टीवी व्यूअरशिप मिली है।

स्विस ओपन : सिंधु, प्रणय, श्रीकांत बाहर शेट्टी-रंकीरेड्डी क्वार्टर फाइनल में

बासेल, 24 मार्च (एजेंसियां)। स्विस ओपन 2023 में भारत के एकल अभियान को दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु, पुरुषों की दुनिया के पूर्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत और अन्य शीर्ष एकल खिलाड़ी एचएस प्रणय के अंतिम 16 से बाहर होने से बड़ा झटका लगा है। मिथुन मंजूनाथ भी प्री-क्वार्टर फाइनल चरण में बाहर हो गए। पुरुषों की युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और दूसरी वरीयता प्राप्त चिराग शेट्टी अब भी मैदान में हैं।

सिंधु, गत चैंपियन, इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वारदानी से 21-15, 12-21, 21-18 से राउंड ऑफ 16 के कड़े मुकाबले में हार गईं। सिंधु, जिन्होंने शुरुआती दौर में स्विट्जरलैंड की जेंजीरा स्टैडेलमैन को मात दी थी, गुरुवार को सेंट जैकबशाल में 59 मिनट तक चले मुकाबले में हारकर बाहर हो गईं।

वर्ल्ड नंबर 9 और पांचवीं वरीयता प्राप्त एचएस प्रणॉय फ्रांस के गैरवरीय क्रिस्टो पोपोव से 21-8, 21-8 से हार गए। प्रणॉय ने गुरुवार को हारने से पहले पुरुषों के एकल प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए चीन के ऑल इंग्लैंड ओपन फाइनलिस्ट शि यू क्यूई को हराया था। नवीनतम रैंकिंग में दुनिया के 20 वें नंबर के श्रीकांत हांगकांग के चेउक यिउ ली से 22-20, 21-17 से हार गए। इससे पहले मिथुन मंजूनाथ चीनी ताइपे के चिया हाओ ली से 21-19, 21-19 से हारकर बाहर हो गए। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने चीनी ताइपे की जोड़ी फैंग-चिह ली और फैंग-जेन ली के खिलाफ 21-12, 17-21, 28-26 से जीतकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। यह जोड़ी इस साल के स्विस ओपन बैडमिंटन टूनार्मेंट में आखिरी भारतीय चुनौती है।

आईपीएल-वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से बाहर हो सकते हैं श्रेयस

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। इंडिया के टॉप ऑर्डर बल्लेबाज श्रेयस अय्यर आईपीएल और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से बाहर हो सकते हैं। पीठ में दर्द के चलते श्रेयस ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट और वनडे सीरीज भी नहीं खेल सके थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रेयस अय्यर को डॉक्टरों ने सर्जरी की सलाह दी है। अगर उनकी सर्जरी होती है तो क्रिकेट के मैदान में वापसी करने में कम से कम 5 महीने लग सकते हैं। ऐसे में वो आने वाले अहम टूर्नामेंट में नहीं खेल पाएंगे। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि श्रेयस की सर्जरी लंदन या फिर भारत के किसी अस्पताल में होगी। इस दौरान बीसीसीआई उन पर नजर बनाए रखेगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अय्यर को लेकर अब तक कुछ नहीं कहा है। आईपीएल के मैच 31 मार्च से शुरू होंगे। ये टूर्नामेंट मई के आखिर तक चलेगा। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 7 से 11 जून तक इंग्लैंड के ओवल में खेला जाएगा। जहां तक बात वनडे वर्ल्ड कप की है तो यह 5 अक्टूबर से शुरू होगा। यानी सर्जरी की स्थिति में अय्यर के पास ये टूर्नामेंट खेलने के चांस रहेंगे। आईपीएल 2022 मेगा ऑक्शन में केकेआर ने अय्यर को 12.25 करोड़ रुपए में खरीदा था। पिछले सीजन भले ही अय्यर की कप्तानी में केकेआर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी, लेकिन उन्होंने अपने बल्ले से शानदार खेल दिखाया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अय्यर के चोटिल होने के बाद केकेआर ने नए कप्तानी विकल्पों की तलाश शुरू हो गई है। अभी तक केकेआर ने अय्यर की चोट और कप्तान के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं जारी किया है।

चोट की वजह से न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे नहीं खेले, लौटे तो फिर चोटिल हुए

चोट के कारण ही अय्यर न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज और बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पहला टेस्ट नहीं खेले थे। उन्होंने बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) में अपना रिहैबिलिटेशन पूरा किया था। वे टेस्ट टीम में वापस लौटे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का दूसरा और तीसरा टेस्ट

बाबर आजम को मिला सितारा-ए-इम्तियाज अवॉर्ड

इस्लामाबाद, 24 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम को देश का तीसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान सितारा-ए-इम्तियाज मिला। यह अवॉर्ड उन्हें 23 मार्च को पाकिस्तान डे के दिन मिला। बाबर से पहले 31 की उम्र में साल 2018 में यह सम्मान पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद को मिला था।

इस बीच, पाकिस्तान की पूर्व महिला कप्तान बिस्माह मारूफ को चौथे सबसे बड़े सम्मान तमगा-ए-इम्तियाज से सम्मानित किया गया है। पाकिस्तान के पूर्व ब्लाइंड क्रिकेटर मसूद जान को प्राइड ऑफ परफॉरमेंस अवॉर्ड मिला।

बाबर आजम ने सोशल मीडिया पर खुशी जाहिर की

बाबर आजम ने सम्मान पाने के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने मेडल के साथ अपनी फोटो शेयर की और लिखा - मेरे माता और पिता की मौजूदगी में सितारा-ए-इम्तियाज प्राप्त करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। यह अवॉर्ड मेरे माता-पिता, प्रशंसकों और पाकिस्तान के लोगों के लिए है। पाकिस्तान सरकार ने 14 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस के दिन बाबर को सितारा-ए-इम्तियाज से सम्मानित करने की घोषणा की गई थी। वह कई पूर्व क्रिकेटरों में शामिल हो गए जिन्हें यह पुरस्कार दिया गया।

वनडे वर्ल्ड कप का कोई मैच मोहाली स्टेडियम में नहीं

वजह पार्किंग प्रॉब्लम, करप्शन के आरोप ; 2011 में यहां भारत-पाकिस्तान सेमीफाइनल हुआ था

मोहाली में हुआ था भारत-पाक सेमीफाइनल

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। नडे वर्ल्ड कप 2023 के सभी 48 मैच इस बार भारत में होंगे। टूर्नामेंट के लिए देश के 12 अलग-अलग शहर शॉर्टलिस्ट कर लिए गए हैं। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 19 नवंबर को फाइनल मुकाबला होगा। शॉर्टलिस्ट हुए शहरों में पंजाब के मोहाली का नाम नहीं है, जहां 2011 में भारत-पाकिस्तान के बीच वनडे वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया था।

इसी स्टेडियम में 2016 टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच अहम लीग मैच भी हुआ था। इतने अहम मैचों की मेजबानी के बावजूद मोहाली का नाम शॉर्टलिस्ट नहीं होना एक चौंकाने वाला फैसला है। भास्कर ने अपने सूत्रों से शहर को शॉर्टलिस्ट नहीं किए जाने की वजह जाननी चाही। जो वजहें सामने आईं, उन्हें ही इस खबर में हम जानेंगे।

5 अक्टूबर से शुरू होगा वर्ल्ड कप

ईएसपीएन क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में वनडे वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से शुरू हो कर 19 नवंबर तक चलेगा। 10 टीमों के टूर्नामेंट में 45 लीग और 3 नॉकआउट मैच होंगे। 48 मैच 46 दिन तक चलेंगे, इन मैचों के लिए 12 शहरों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। वहीं फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। जिन शहरों को शॉर्टलिस्ट किया गया है, उनमें बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, धर्मशाला, हैदराबाद, कोलकाता, अहमदाबाद और मुंबई में अक्सर वर्ल्ड कप के मुकाबले होते आए हैं। इस बार गुवाहाटी, लखनऊ, इंदौर और राजकोट को भी इस लिस्ट में जोड़ा गया है।

मोहाली को शॉर्टलिस्ट क्यों नहीं किया गया?

मोहाली में बना पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) का आईएस बिंद्रा स्टेडियम शॉर्टलिस्ट किए गए स्टेडियम में जगह नहीं बना सका। यहां इन दिनों खालिस्तानी आंदोलन चल रहा है। इसके अलावा पार्किंग की समस्या और करप्शन के आरोप भी बड़ी वजह हैं।

34 हजार दर्शक बैठ सकेंगे नए स्टेडियम में

मोहाली में इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए नया स्टेडियम बनने का काम 2017-18 में शुरू हुआ। स्टेडियम 2019-20 में बन कर तैयार होना था। लेकिन कोरोना के कारण बीच में काम रोकना पड़ा। अब बताया जा रहा है कि नया स्टेडियम 90 से 95% बनकर तैयार हो चुका है, लेकिन यहां इंटरनेशनल लेवल के मैच आयोजित कराने के लिए 2024 तक का इंतजार करना होगा।

वनडे वर्ल्ड कप इसी साल अक्टूबर-नवंबर में होना है। इस कारण यहां मैच नहीं हो सकेंगे। नया स्टेडियम पुराने स्टेडियम से करीब 10 किलोमीटर दूर मुल्लांपुर के तोगा और तीरा गांव में बनाया जा रहा है। जिसका नाम महाराजा यादविंद्र सिंह क्रिकेट स्टेडियम होगा। इस स्टेडियम में घरेलू और इंटरनेशनल मैचों के लिए अलग-अलग ग्राउंड होंगे। साथ ही इंटरनेशनल मैचों के लिए दर्शक क्षमता करीब 35 से 40 हजार तक रहेगी।

पुराने स्टेडियम में क्यों नहीं हो सकते मैच?

पुराने स्टेडियम में पार्किंग की समस्या है। इस कारण यहां अब इंटरनेशनल मैच होने भी कम हो गए। पिछले 4 साल में यहां एक टी-20 इंटरनेशनल ही खेला गया। ऐसे में भास्कर ने जब इस बात की पड़ताल की तो पता चला कि आईएस बिंद्रा स्टेडियम शहर के बीचों-बीच बना हुआ है। जहां शुरुआत में पार्किंग की समस्या नहीं थी, लेकिन शहर की बढ़ती आबादी के बाद अब यहां पार्किंग की समस्या होने लगी है। मैच के दौरान ट्रैफिक भी बहुत बढ़ जाता है, जिस कारण आम जनता के साथ टीमों को भी आने-जाने में परेशानी होती है।

पाकिस्तान में हो सकता है आधा एशिया कप

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। सितंबर में इसी साल होने वाला एशिया कप पाकिस्तान में ही हो सकता है। ईएसपीएन क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, टूर्नामेंट के ज्यादातर मैच पाकिस्तान में होंगे। हालांकि, भारतीय टीम के जितने भी मैच होंगे, उन्हें यूएई, ओमान या श्रीलंका में से किसी एक जगह शिफ्ट कराया जा सकता है। टूर्नामेंट में 3 बार भारत-पाक मैच होने की उम्मीद है। इस बार का एशिया कप सितंबर के शुरुआती सप्ताह में होना है। 13 दिनों तक चलने वाले 6 टीमों के टूर्नामेंट में फाइनल समेत कुल 13 मैच होंगे। भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में हैं। उनके साथ एक टीम क्वालिफाई करके पहुंचेगी। वहीं श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान दूसरे ग्रुप में है।

न्यूट्रल वेन्यू पर होंगे भारत के मैच

एशिया कप के शुरुआती स्टेज में भारतीय टीम 2 मैच खेलेगी। एक भी मैच जीतने पर टीम सुपर-4 स्टेज में पहुंचेगी, जहां उन्हें 3 मैच खेलने होंगे। अगर टीम इंडिया फाइनल में भी पहुंची तो टीम टूर्नामेंट में कुल 6 मुकाबले खेलेगी। भारत के फाइनल में पहुंचने की स्थिति में उस मुकाबले को भी न्यूट्रल वेन्यू पर ही शिफ्ट किया जाएगा। न्यूट्रल वेन्यू में फिलहाल यूएई, ओमान और श्रीलंका के अलावा इंग्लैंड का नाम भी सामने आ रहा है, क्योंकि इंग्लैंड में भारत-पाक मैच को देखने के लिए भारी मात्रा में दर्शक पहुंच सकते हैं। लेकिन इंग्लैंड को मेजबानी मिलने की उम्मीद कम ही है, क्योंकि यूएई और ओमान में इससे पहले एशिया कप और आईपीएल के मैच सितंबर के दौरान आयोजित किए गए हैं।

MARUTI SUZUKI ARENA

HOT AND TECHY

BREZZA

THE CITY-BRED SUV

Electric Sunroof

Head Up Display

Wireless Charging Dock

360 View Camera

SmartPlay Pro+ with Surround Sense

6 Airbags

Interior Ambient Lighting

Next Gen Suzuki Connect

BREZZA

E-BOOK* TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM OR VISIT YOUR NEAREST MARUTI SUZUKI ARENA DEALERSHIP

AUTHORISED DEALERS: TELANGANA STATE: VARUN: (NIZAMBAD) CALL: 8462236236, (KARIMNAGAR) CALL: 0878- 2950555. **HYDERABAD: ADARSHA:** (ATTAPUR) CALL: 8897973366, (KARMANGHAT) CALL: 8297576633. **KALYANI MOTORS:** (NACHARAM) CALL: 9100102157, (LB NAGAR) CALL: 9100102157. **GEM MOTORS:** (KONDAPUR) CALL: 9272506060. **ACER:** (TIRUMALGIRI) CALL: 9154073240. **AUTOFIN:** (BOWENPALLY) CALL: 040-67292222. **JAYABHERI:** (GACHIBOWLI) CALL: 8100823456. **PAVAN:** (SECUNDERABAD) CALL: 7093711199. **VARUN:** (BEGUMPET) CALL: 040-44607676, (BANJARA HILLS) CALL: 040-44887676, (KUKATPALLY) CALL: 040-44587676, (VANASTHALIPURAM) CALL: 040-24029979, (GACHIBOWLI) CALL: 040-49497676. **RKS:** (SOMAJIGUDA) CALL: 9848898488, (MALAKPET) CALL: 9848898488, (SECUNDERABAD) CALL: 9848898488, (KUSHAIGUDA) CALL: 9848898488. **MITHRA:** (HIMAYATHNAGAR) CALL: 040-27634444, (MEHDIPATNAM) CALL: 7799884949. **SAI SERVICE:** (ERRAGADDA) CALL: 7331168888, (MIYAPUR) CALL: 7331168888. **E-OUTLETS: SAI SERVICE:** (SANGAREDDY) CALL: 7331168888. **ADARSHA:** (SIDDIPET) CALL: 9581656633. **VARUN:** (MEDAK) CALL: 9703656111. **AUTOFIN:** (MEDCHAL) CALL: 8885040034. **PAVAN:** (IBRAHIMPATNAM) CALL: 7093711199.

*Terms and conditions apply. Creative Visualization. Black Glass on the vehicle is due to lighting effect. Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Images used are for illustration purposes only **Ex – Showroom Price Delhi.

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.